सेंसेक्स	~	80,288.38
निफ्टी	~	24,335.95
सोना	~	89,800
चांदी	~	1,00,500
डॉलर	~	85.16

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 30 अप्रैल 2025
वैशाख शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 214
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

हाई लेवल मीटिंग के बाद प्रधानमंत्री की सेनाओं को खुली छूट

कहा-आतंकवाद को मिलेगा करारा जवाब सेना तय करेगी टारगेट और टाइमिंग

नई दिल्ली । दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद पर करारा प्रहार करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री ने देश के सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों को कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी छूट दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि हमले के जिम्मेदार आतंकियों और उनके आकाओं को धरती के आखिरी कोने तक भी खोजकर सबसे सख्त सजा दी जाएगी। उनका इशारा पाकिस्तान की ओर था, क्योंकि पाकिस्तान का भारत में आतंकवाद फैलाने का इतिहास है। इससे पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। यह बैठक उस दिन हुई, जब सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने राजनाथ सिंह को पहलगाम आतंकी हमले के बाद लिए गए कुछ फैसलों की जानकारी दी।

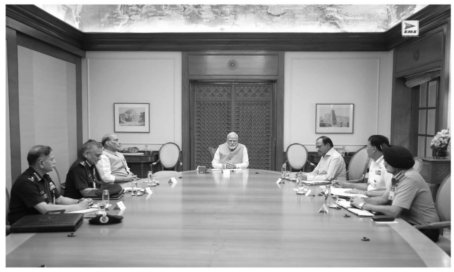

पहलगाम हमले के बाद 48 पर्यटक स्थल बंद

जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़ा फैसला लिया है। जम्मू-कश्मीर में खुफिया सूचना के बाद 87 में से 48 पर्यटन स्थल बंद कर दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सिफारिश पर उमर सरकार ने यह फैसला लिया है। आतंकी हमलों की संभावना के बारे में खुफिया एजेंसियों की चेतावनी के बाद कश्मीर में 87 में से 48 पर्यटक स्थलों को बंद किया गया है। सूत्रों के अनुसार, पहलगाम हमले के बाद घाटी में कुछ स्लीपर सेल सक्रिय हो गए हैं, उन्हें गतिविधि शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

हमले में करीब 14 लोग घायल हुए हैं। इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पहले पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी।

खास खबर

कारों-बसों में कूड़ादान रखना अनिवार्य

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बुधवार से सभी कॉमर्शियल व्हीकल में कूड़ेदान रखना अनिवार्य कर दिया गया है। इनको नहीं लगाने वाले कॉमर्शियल व्हीकल को 10 हजार रुपए तक जुर्माना लगेगा। इसी तरह जो व्यक्ति इधर-उधर कूड़ा फेंकते पकड़ा जाएगा, उसे 1500 रुपए का जुर्माना भरना होगा। पर्यावरण विभाग की यह अधिसूचना आज से प्रदेश में लागू हो गई है। बता दें कि हिमाचल में हर साल डेढ़ करोड़ से दो करोड़ टूरिस्ट पहाड़ों पर सैर करने के लिए पहुंचता है। इनमें ज्यादातर टूरिस्ट टैक्सी, टैम्पो या फिर वोल्वो बसों में आता है। ऐसे में सभी को हिमाचल में कूड़ा नहीं फैलाने की आदत डालनी होगी। आमतौर पर टूरिस्ट पर्यटन स्थलों पर कचरा फेंक देते हैं।

नर्मदेश्वर एयरफोर्स वाइस चीफ बने; लेफ्टिनेंट शर्मा नॉर्दन आर्मी कमांडर होंगे

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद बने तनाव के बीच भारतीय सेना में बड़े बदलाव हुए हैं। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी भारतीय वायुसेना के नए वाइस चीफ होंगे। वे 1 मई को एयर मार्शल सुजीत पुष्पाकर धारकर की जगह लेंगे। धारकर 30 अप्रैल को 40 साल से ज्यादा की सर्विस के बाद रिटायर्ड हो रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा नॉर्दन आर्मी कमांडर बने हैं। वे लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार की जगह पद संभालेंगे। भारतीय सेना की नॉर्दन आर्मी के पास जम्मू-कश्मीर के पश्चिम में लाइन ऑफ कंट्रोल और पूर्व में लद्दाख से लगने वाली चीन बॉर्डर की रक्षा की जिम्मेदारी होती है। इनके अलावा, तीनों सेनाओं के कॉर्डिनेशन के लिए बने इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ में भी नए चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी की नियुक्ति होगी। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 1 मई से चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी पद का कार्यभार संभालेंगे। वे 30 अप्रैल को रिटायर्ड होने वाले लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू की जगह लेंगे।

मोहाली में चार गैंगस्टर गिरफ्तार, हथियार बरामद

चंडीगढ़। मोहाली पुलिस ने चार गैंगस्टरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने इनके कब्जे से एक पिस्तौल और एक कट्टा भी बरामद किया है। यह गिरफ्तारी हाल ही में सेक्टर 76 में हुई एक बड़ी घटना की जांच के दौरान की गई। कुछ दिन पहले मोहाली के सेक्टर 76 इलाके में कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने एक गाड़ी पर पेट्रोल डालकर उसे जला ?दिया था। यह वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की थी। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान जो वीडियो फुटेज सामने आए थे, उनसे आरोपियों की पहचान की गई और फिर उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि गाड़ी जलाने की घटना की जांच करते हुए चार गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक पिस्तौल और एक कट्टा भी बरामद किया गया है। यह आरोपी किसी बड़ी आपराधिक साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस के मुताबिक इन गैंगस्टरों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और अब आगे इनसे पूछताछ कर इनके नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। इससे पहले 22 अप्रैल को अमृतसर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े चार युवकों को गिरफ्तार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सुनाया अहम फैसला

दारुल कजा या शरिया कोर्ट जैसे किसी भी निकाय को कानूनी मान्यता नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दोहराया है कि काजी की अदालत, दारुल कजा या शरिया कोर्ट जैसे किसी भी निकाय को भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है और इनके द्वारा दिया गया कोई भी निर्देश या फैसला कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होता है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की युगलपीठ ने यह टिप्पणी एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें फैमिली कोर्ट ने काजी की अदालत में हुए समझौते के आधार पर फैसला दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि इस तरह के निकायों का फैसला केवल उन पक्षों के लिए मान्य हो सकता है जो स्वेच्छा से उस पर अमल करने के लिए सहमत हों, लेकिन इसे कानूनी रूप से लागू नहीं किया जा सकता है। पीठ ने 2014 में दिए गए अपने ऐतिहासिक फैसले विश्व लोचन मदन बनाम भारत सरकार के मामले का भी हवाला दिया,

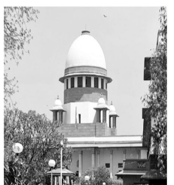

जिसमें कहा गया था कि शरिया अदालतों और उनके फतवों को भारतीय कानून में कोई मान्यता प्राप्त नहीं है। इस फैसले में साफ कहा गया था कि कोई भी गैर-सरकारी निकाय बलपूर्वक किसी पर अपने फैसले लागू नहीं कर सकता है।

बता दें याचिका में बताया गया है कि महिला का विवाह 24 सितंबर 2002 को इस्लामी रीति-रिवाजों के मुताबिक हुआ था। यह दोनों की दूसरी शादी थी। 2005 में काजी की अदालत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में महिला के खिलाफ तलाक का मुकदमा दायर किया गया था, जो बाद में समझौते के आधार पर खारिज हो गया। 2008 में, पति ने दारुल कजा में फिर से तलाक के लिए मामला दायर किया और 2009 में तलाकनामा जारी किया गया। महिला ने 2008 में भरण-पोषण की मांग करते हुए फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

फैमिली कोर्ट ने यह तर्क दिया था कि महिला स्वयं घर छोड़कर गई थी और यह कि चूंकि यह दोनों की दूसरी शादी थी, इसलिए दहेज की मांग की संभावना नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट की इस दलील को कानून के सिद्धांतों के खिलाफ और केवल अनुमान पर आधारित करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलटते हुए पति को निर्देश दिया कि वह पत्नी को भरण-पोषण के रूप में याचिका दायर करने की तिथि से प्रतिमाह चार हजार रुपए का भुगतान करे। कोर्ट ने यह भी दोहराया कि केवल किसी समझौता डीड के आधार पर भी अदालतें निष्कर्ष नहीं निकाल सकतीं। बता दें कि यह फैसला 4 फरवरी को सुनाया गया था, जो अब सार्वजनिक हुआ है।

महाराष्ट्र के बांद्रा स्थित मॉल में आग लगने से शोरूम जलकर खाक

बांद्रा । महाराष्ट्र के बांद्रा में स्थित लिंकिंग रोड पर बने लिंकिंग स्क्वायर मॉल के क्रोमा शोरूम में अचानक आग लगने से बहुत नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक आग मंगलवार सुबह चार बजे लगी है। लिंकिन स्क्वेयर मॉल चार मंजिला एक इमारत है जिसमें एक क्रोमा शोरूम बेसमेंट में बना हुआ है। क्रोमा शोरूम के बेसमेंट पर लगी आग कुछ ही देर में ऊपर की मंजिलों की तरफ भी बढ़ती दिखी। बांद्रा के लिंकन इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। मॉल में आग लगने की घटना के बाद घटनास्थल पर एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी भी पहुंचे हैं। एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने कहा कि फायर ब्रिगेड की लापरवाही के कारण आग बढ़ती गई। हालां ?कि आग पर काबू पा ?लिया गया है। उन्होंने बताया कि बेसमेंट में क्रोमा के शोरूम में एक छोटा सा स्पार्क हुआ था। वही फायर ब्रिगेड की गाड़ी जब मौके पर पहुंची तो उनसे पानी लाने के लिए कहा गया लेकिन उनके पास जरूरी उपकरण नहीं थे। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के पास जो कारण थे उनका इस्तेमाल करना भी उन्हें नहीं आ रहा था। जीशान सिद्दीकी ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिशा बैठक में भड़के राहुल गांधी, बोले

युवाओं को रोजगार मामले में बड़ा घालमेल

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक हुई। इसमें शामिल होने के लिए सांसद एवं सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी पहुंचे। बैठक के दौरान सांसद ने युवाओं को रोजगार दिलाने में घालमेल पकड़ लिया। दरअसल, डीएम हर्षिता माथुर के स्तर से सांसद को 1107 युवाओं को प्रशिक्षण दिलाकर सेवायोजित करने की सूची भेजी गई थी। लेकिन, इसमें शामिल कई लोगों ने प्रशिक्षण मिलने से ही इन्कार कर दिया।

बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि सूची में शामिल 25 युवाओं की रैंडम जांच कराई गई है। इसमें मात्र तीन युवाओं ने ही बताया कि रोजगार मिला है। 10 युवाओं को अब तक रोजगार नहीं मिला। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी भ्रामक सूची कतई न भेजी जाएं।

डीएम को जांच कराने के निर्देश दिए

विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना की जांच कराई जाए। बैठक में उन्होंने सूची में शामिल 1107 युवाओं के सत्यता

की भी जांच कराने को भी कहा। बोले कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। मामले में डीएम को जांच कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मौजूद अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 182 परियोजनाओं के भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट जल निगम ने उपलब्ध कराई। सूची में शामिल परियोजनाओं की रैंडम जांच कराई गई तो 90 प्रतिशत रिपोर्ट गलत मिली। ऐसा प्रतीत होता है कि भौतिक सत्यापन में औपचारिकताएं निभाई गई हैं। अमेठी सांसद ने कहा कि जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में अधिकारियों की कमेटी बनाकर सत्यापन कराया जाए। ताकि, सच सामने आ सके। बैठक में लालगंज बाईपास का मामला भी उठा। बताया गया कि नवंबर 2024 में लालगंज बाईपास का काम पूरा होना था, लेकिन अब तक यह काम पूरा नहीं हो सका है। इस पर एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने जवाब दिया कि मई माह में बाईपास का काम पूरा हो जाएगा।

एम्स में दो माह में शुरू हो जाएगा क्षयरोग का इलाज

दिशा के नामित सदस्य गौरव अवस्थी ने कहा कि जिला अस्पताल की तरह एम्स में भी टीबी के इलाज के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं हैं। गंभीर मरीज एम्स इलाज के लिए आते हैं। एम्स में यह सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। इस पर एम्स के उप निदेशक ने स्पष्ट किया कि क्लीनिक और इलाज की औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। दो माह में क्षयरोगियों का इलाज एम्स में शुरू करा दिया जाएगा।

कॉमनवेल्थ घोटाला : ईडी की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी

नई दिल्ली। 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवन्यू कोर्ट ने ईडी की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडी की जांच में मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सबूत नहीं मिला। इसलिए इस मामले को और आगे बढ़ाने का कोई भी कारण नहीं है। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने कहा कि ईडी ने सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। लेकिन सीबीआई पहले ही भ्रष्टाचार के मामले में सभी आरोपियों को बरी कर चुकी है। साथ ही ईडी की जांच में भी अपराध का कोई सबूत नहीं मिला।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा

देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी जानकारी सडक़ पर चर्चा के लिए नहीं

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा कि व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सडक़ों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि पैनल की रिपोर्ट किस हद तक व्यक्तियों के साथ साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

2021 में एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि केंद्र सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की जासूसी की। इन लोगों में पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे। सरकार ने पेगासस स्पाइवेयर के जरिए इन लोगों के फोन हैक किए थे। अगस्त 2021 में यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2021 में मामले की जांच करने के लिए रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। अगस्त 2022 में इसकी रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया था- जांचे गए किसी भी मोबाइल में पेगासस स्पाइवेयर नहीं मिला।

आतंकियों के खिलाफ स्पाइवेयर इस्तेमाल में गलत क्या?

एक याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील दिनेश द्विवेदी ने सुनवाई के दौरान कहा कि सवाल ये था कि क्या सरकार के पास स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर है और क्या वह इसका इस्तेमाल कर सकती है? अगर सरकार के पास ये है तो कोई भी उन्हें इसका इस्तेमाल करने से नहीं रोक सकता। इस पर पीठ ने कहा कि अगर देश आतंकियों के खिलाफ स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर रहा है तो इसमें गलत क्या है? स्पाइवेयर रखना गलत नहीं है, ये किसके खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है, सवाल इसका है। देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। आम नागरिकों का संविधान के तहत निजता का अधिकार सुरक्षित किया जाएगा।

राम मंदिर का निर्माण 5 जून को पूरा होगा

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर का निर्माण इस साल 5 जून तक पूरा हो जाएगा। मंगलवार दोपहर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वजदंड भी लगाया गया है। अब दंड के सबसे ऊपरी हिस्से पर ध्वज लगाया जाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा है। ध्वज लगने के बाद मंदिर की ऊंचाई 203 फीट होगी। ध्वजदंड का वजन 5.5 टन है और यह पीतल (ब्रास) से बना है। इसकी आयु करीब 100 साल है। इसे 60 कारीगरों ने 7 महीने में तैयार किया है।

क्रेन की मदद से ध्वजदंड को लगाया गया

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया- मंगलवार सुबह साढ़े 6 बजे, 160 फीट की ऊंचाई पर शिखर के पास इंजीनियर ऊपर चढक़र मौजूद रहे। यहां 2 क्रेनों की मदद से ध्वजदंड को ट्रॉले के ऊपर से उठाया गया। धीरे-धीरे उसे वर्टिकल खड़ा किया गया, फिर क्रेन की सहायता से मुख्य शिखर पर स्थापित किया गया। यह प्रक्रिया सुबह 8 बजे तक चली।

भारत की साइबर संप्रभुता पर हमला करने का पाकिस्तान का एक और प्रयास नाकाम

नई दिल्ली। भारत की साइबर संप्रभुता पर हमला करने का पाकिस्तान का एक और प्रयास नाकाम हो गया है. पहलगाम में आतंकी हमला और सीमा नियंत्रण रेखा पर लगातार संघर्षविराम का उल्लंघन करने के बाद, पाकिस्तान अब भारत की डिजिटल सुरक्षा को चुनौती देने की असफल कोशिश कर रहा है. राष्ट्रीय सुरक्षा नेटवर्क की अभेद्य संरचना के चलते पाकिस्तान ने अब अपना ध्यान कल्याणकारी और शैक्षणिक वेबसाइटों की ओर मोड़ दिया है, जो सार्वजनिक रूप से सुलभ हैं। 'आईओके हैकर' इंटरनेट ऑफ खिलाफ़ा नामक समूह के नाम से काम कर रहे साइबर हमलावरों ने वेबसाइटों को विकृत करने, ऑनलाइन सेवाओं में बाधा डालने और व्यक्तिगत जानकारी चुराने की कोशिश की।

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई देश के अगले प्रधान न्यायाधीश होंगे

नई दिल्ली । जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई देश के अगले प्रधान न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति ने अगले प्रधान न्यायाधीश के तौर पर उनके नाम पर मुहर लगा दी है। वे 14 मई को शपथ लेंगे। उनका कार्यकाल 6 महीने 10 दिन का होगा। वह 23 नवंबर 2025 को रिटायर होंगे। जस्टिस गवई देश के दूसरे दलित प्रधान न्यायाधीश होंगे। सीजेआई संजीव खन्ना 13 मई को रिटायर होंगे। जस्टिस गवई मई 2019 में ही सुप्रीम कोर्ट के जज बने थे। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में जस्टिस बीआर गवई का जन्म 24 नवंबर, 1960 को हुआ था। वह 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट जज बने थे।

जस्टिस गवाई पांच जजों की संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने दिसंबर 2023 में जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा था। वो राजनीतिक फंडिंग के लिए चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने वाली पांच जजों की संविधान पीठ में शामिल थे।

जस्टिस गवई पांच जजों वाली उस संविधान पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने 4:1 के बहुमत से केंद्र के 2016 के नोटबंदी के फैसले को बरकरार रखा था। जस्टिस गवई सात जजों की संविधान पीठ में भी थे, जिसने 6:1 के बहुमत से यह माना था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है।

इजरायल ने दिखाई दिलेरी कहा-

भारत को जो चाहिए हम देंगे, पर आतंकियों का सफाया कर दो

नई दिल्ली। हमास जैसे आतंकियों के खिलाफ लड़ रहे इजरायल ने भारत के प्रति दिलेरी दिखाई है। इजरायल ने साफ कहा कि भारत को जो चाहिए हम देंगे, लेकिन आतंकियों का चुन चुनकर सफाया होना चाहिए। ये पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा है इसलिए हर एक देश को आतंक के खिलाफ जंग लड़ने की जरुरत है। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से इजरायल लगातार भारत के संपर्क में है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमास के हमले से की। उन्होंने कहा कि वे भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। पहलगाम हमले को पिछले दो दशकों में नागरिकों पर सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। अजार ने कहा कि इजरायल भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को हर संभव सहायता प्रदान करने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल आतंकवाद से निपटने के लिए भारत के साथ खुफिया जानकारी, टेक्नोलॉजी, और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अजार ने कहा, हम भारत को यह सलाह देने की स्थिति में नहीं हैं कि उसे क्या करना चाहिए, क्योंकि भारत सरकार और उसकी सुरक्षा एजेंसियों को अच्छी तरह से पता है कि उन्हें सीमा पार स्थिति आतंकवाद से कैसे निपटना है। उन्हें इससे निपटने की पूरी जानकारी है। लेकिन सामान्य तौर पर, हम तकनीकी और खुफिया सहयोग के जरिए भारत के साथ काम करना जारी रखेंगे। एक इंटरव्यू में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा, हम भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करते हैं। भारत जानता है कि उसे क्या करना है। यह एक संप्रभुता का मामला है। देशों को आत्मरक्षा का अधिकार है, और भारत के पास वह पूरा हक है। भारत को पूरी छूट है कि वह अपने तरीके से जवाब दे। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी मजबूत नीति दिखाई है और हमारा मानना है कि भारत आतंकवाद के सामने कभी नहीं झुकेगा।

पहलगाम हमले को लेकर उन्होंने गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि इस हमले की क्रूरता ने उन्हें इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले की याद दिला दी।

अक्षय तृतीया पर्व आज

जिले भर में धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया जाएगा अक्षय तृतीया पर्व

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुसार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। इसी अक्षय तृतीया पर भगवान परसुराम का जन्म हुआ था। अक्षय तृतीया का दिन अन्य दिनो से शुभ व विशेष मुर्हत वाला दिन माना गया है। शायद यही वजह हैं की शादी, ब्याह, ग्रह प्रवेश, सोना चाँदी, जमीन जायजाद खरीदी सहित अन्य ज्यादातर शुभ कार्यो की शुरूआत अक्षय तृतीया के दिन से की जाती है। इस शुभ अवसर पर पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल दिन बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां पर्व विशेष को लेकर बाजार गुलजार नजर आ रहा है तो वही हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा मन्दिरो और घरो में अक्षय कलश की विशेष पूजा करने के लिए बाजारों में मिट्टी के कलश व अन्य आवश्यक सामग्रियों की खरीदी की जा रही है। बताया जा रहा है कि अक्षय तृतीया पर विशेष पूजा अर्चना कर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा सामाजिक यश, सौभाग्य, सुख, समृद्धि, स्वस्थ्य जीवन आदि की मंगलकामनाएं की जाएगी।

शुभ दिनों में शुमार है अक्षय तृतीया

हिंदू मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया का दिन सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता है.अक्षय तृतीया एक संस्कृत शब्द है. अक्षय का अर्थ है शाश्वत, सुख, सफलता और आनंद की कभी कम न होने वाली भावना और तृतीया का अर्थ है तीसरा.इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल दिन बुधवार को मनाया जाएगा. धार्मिक शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने से आने वाले भविष्य में सुख-समृद्धि और अधिक धन की प्राप्ति हो सकती है. इसलिए इस दिन ज्यादातर लोग सोने की खरीदारी करते हैं. ऐसा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति भी होती है. शायद यही वजह है कि अक्षय तृतीया पर्व के पावन अवसर को देखते हुए बाजार गुलजार नजर आ रहे है और लोग सोने चांदी के आभूषण सहित विभिन्न सामग्रियों की खरीदी करने की तैयारियों में जुट चुके है। इस पर्व विशेष की तैयारियों को लेकर बाजार में सुबह से लेकर देर शाम तक भारी भीड़ नजर जा रही है।

भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का हुआ था जन्म

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन त्रेतायुग का आरंभ हुआ था. इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी जी की विशेष पूजा की जाती है. अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था. इसलिए इस दिन को परशुराम जंयती के रूप में भी मनाया जाता है. कहा जाता है अक्षय तृतीया पर दान करने का विशेष महत्व है इस दिन दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन के सभी सकंट दूर हो जाते है।

अक्षय तृतीया पर मूर्हत देखने की जरूरत नही पड़ती

बताया जा रहा है कि वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कोई भी शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती। अक्षय तृतीया अपने आपमें महामुहूर्त माना जाता है। हिंदू धर्म के तीन महामुहूर्तों में माघ शुक्ल पंचमी पर मनाई जाने वाली बसंत पंचमी, कार्तिक शुक्ल एकादशी को होने वाली तुलसी पूजा यानी देवउठनी एकादशी तथा वैशाख शुक्ल तृतीया यानी अक्षय तृतीया पर बिना पंडितों से पूछे कोई भी शुभ संस्कार संपन्न किया जा सकता है।

अबूझ मुहूर्त में गुरु शुक्र अस्त होने से नहीं होंगे विवाह

अक्षय तृतीया का पर्व बुधवार को मनाया जाएगा। वैसे तो पूरे साल में यह दिन स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। कहा जाता है कि इसमें किए गए कार्य अक्षय फलदायी होते हैं। ऐसे में इस अक्षय मुहूर्त के दिन ग्रह, नक्षत्रों के कई शुभ योग इसकी शुभता को और बढ़ाएंगे। वार, ग्रह नक्षत्रों के मेल से इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। ऐसे में यह दिन खरीदारी के लिए भी विशेष शुभ होगा। इस स्वयंसिद्ध मुहूर्त पर कई लोग मांगलिक कार्य भी करेंगे।

इन कामों के मिलते हैं अक्षय फल

नगर में अक्षय तृतीया की तैयारियां प्रारंभ हो गई है। अक्षय तृतीया का दिन सभी शुभ कार्यों के लिए विशेष शुभ माना गया है। इसमें खरीदारी सहित सभी प्रकार के शुभ कार्य करना अत्यंत फलदायी माना गया है।बताया जा रहा है कि अक्षय तृतीया का दिन वैसे ही स्वयंसिद्ध मुहूर्त होता है। यह अक्षय पर्व होता है। इस बार अक्षय तृतीया के मौके पर कई शुभ योग बन रहे हैं। ऐसे में यह दिन सभी प्रकार के कार्यों के लिए विशेष शुभ रहेगा। इसमें भूमि, भवन, वाहन सहित सभी प्रकार की खरीदारी करना अत्यंत फलदायी रहेगा। इस दिन किए गए अनुष्ठान और कार्य अक्षय फल प्रदान करते हैं। इसके अलावा अक्षय तृतीया पर धन योग, गजकेसरी योग, शुक्रादित्य योग, रवि योग, शश योग और सुकर्मा योग का निर्माण होगा, जो कि बेहद शुभ संयोग है।

सीमांकन होने के बाद तरमीम नहीं की, लापरवाही की जांच एडीएम करेंगे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम श्री जीएस धुर्वे व एसडीएम गोपाल सोनी के द्वारा संयुक्त रूप से जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में 72 आवेदकों द्वारा आवेदन देकर अपनी समस्याएं बताई। प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर श्री मीना ने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों से अपडेट जानकारी ली। साथ ही समस्या निवारण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान लांजी के कालीमाटी की धनवंती बोहने ने बताया कि शासन की लाड़ली बहना योजना का लाभ उन्हें शुरुआत के 3 माह तक प्राप्त हुआ था। लेकिन सचिव द्वारा योजना का पंजीयन सदस्य आईडी में न करते हुए पति ईश्वरदास सदस्य आईडी में कर देने के कारण अब लाभ नही मिल पा रहा है। धनवंती ने आईडी में सुधार के लिए आवेदन किया है। कलेक्टर श्री मीना ने महिला बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी को समस्या के निराकरण तथा सचिव पर कार्यवाही के लिए जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए है।

सीमांकन और फिर तरमीम के लिए पहले भी हुई जांच

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने लांजी में बिंझलगांव के आवेदक गेंदलाल बिलोने के आवेदन पर पहले एसडीएम से और फिर तहसीलदार से जानकारी ली। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि सीमांकन 3 से 4 बार किया गया है। लेकिन नक्शा तरमीम का कार्य अब तक पेंडिंग है। दोनों को जानकारी नही होने पर एडीएम श्री जीएस धुर्वे को मामले की जांच करने के निर्देश दिए है। इस मामलें में पहले भी जांच हुई है लेकिन फिर भी तरमीम अब तक नही हुई है। मामलें को गंभीरता से देखें।

जंगली सुअर के हमले के मामले में फिर से होगी जांच

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री मीना ने वन विभाग की एसडीओ श्रीमती विनीता फुलबेले को मामलें को पुनः संज्ञान में ले। पूर्व में की गई जांच में जो कमी है उस पर विचार करें। तिरोड़ी में कोयलारी की कलाबाई कोल्हे ने आवेदन करते हुए बताया कि उनके पति की जंगली सुवर के हमले के कारण मृत्यु हुई है। विभाग द्वारा मुआवजा राशि प्रदान करने के लिए आवेदन किया है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि एक बार पुनः जांच करें ? इसमें ग्रामीणों के बयान भी ले, साथ ही डॉक्टर से मृत्यु के कारण पर रिपोर्ट पर जानकारी निकाले।

राजवाड़ा इंदौर में होगी 20 मई को मंत्रि-परिषद की बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में 20 मई को मंत्रि-परिषद की बैठक इंदौर के राजवाड़ा में होगी। इसमें होल्कर साम्राज्य की स्थापना करने वाले महाराज मल्हार राव होल्कर का भी स्मरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देवी अहिल्या बाई होल्कर के 300वें जन्म जयंती वर्ष का समापन 20 मई को हो रहा है। यह सुखद संयोग है कि 20 मई को ही लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर विवाह वर्षगांठ भी होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रि-परिषद की अगली बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि अलग-अलग क्षेत्र में सक्रिय एक लाख लोगों को विकास गतिविधियों से जोड़ते हुए विकास में सहभागिता के आधार का विस्तार किया जाए। इस उद्देश्य से जिला विकास समिति की कल्पना की गई है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित इस समिति के उपाध्यक्ष स्थानीय प्रभारी मंत्री होंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक, सांसद, जनपद अध्यक्ष, मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, उद्योग इत्यादि 20 से अधिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों को जोड़कर इन्हें विकास मॉडल में सहभागी बनाया जाएगा। इससे जिले के विकास में इनकी विशेषज्ञता का प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा और वर्षञ्च2047 तक के अमृत काल के एजेंडे के क्रियान्वयन में इनकी विशेषज्ञतापूर्ण सहभागिता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार में पीएम मित्रा पार्क की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार मानते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 2 हजार 62 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य सरकार को इस संबंध में धार में 10 हजार करोड़ रूपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। धार जिले के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि पीथमपुर और अब दूसरी और घाटा बिल्लौद में विकास गतिविधियों का संचालन होगा। पीएम मित्रा पार्क से तीन लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। इससे धार, झाबुआ सहित संपूर्ण मालवा-निमाड़ क्षेत्र में कपास के उत्पादन को बढ़ाने को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि बीते दिन मंदसौर में हुई दुर्घटना में स्वयं की जान की परवाह न करते हुए 4 लोगों के प्राणों की रक्षा करने वाले मनोहर सिंह ने अपने जीवन का बलिदान कर दिया है। उनके परिजन को शासकीय नौकरी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मरणोपरांत उनका सम्मान भी करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गैस से संचालित गाड़ियों में पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में एडवायजरी जारी करने के लिए पर्यावरण विभाग को निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय सेवकों को महंगाई भत्ते की किस्त दिए जाने संबंधी जानकारी भी मंत्रि-परिषद के साथियों से साझा की।

अन्नदाता किसान संगठन ने किसानों के हक में उठाई आवाज

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। विगत 2006 से किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए जिले में सक्रिय अन्नदाता किसान संगठन,ने किसानों की समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण ज्ञापन अधिवक्ता गुंजन चौकसे, सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली, को उनके बालाघाट प्रवास के दौरान सौंपा। संगठन ने उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेश का हवाला देते हुए कहा कि किसानों की फसलों की बिक्री घोषित समर्थन मूल्य से कम पर न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बावजूद इसके, किसानों को खुले बाजार में भी समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जो न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है।

अन्नदाता किसान संगठन ने उठाए विभिन्न मुद्दे

ज्ञापन में बालाघाट जिले में वनों की अंधाधुंध कटाई और नदी-नालों से रेत के अवैध उत्खनन पर भी चिंता व्यक्त की गई। संगठन ने बताया कि रेत के अंधाधुंध दोहन से जिले की नदियों का जलस्तर लगातार गिरता जा रहा है। रेत की प्राकृतिक जल संरक्षण क्षमता नष्ट हो रही है, जिससे सतही जल भी तेजी से कम होता जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में जल संकट गहराने की चेतावनी दी गई है।संगठन ने मांग की कि शासन रेत और लकड़ी माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करे।अन्नदाता किसान संगठन ने प्रदेश सरकार से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की अपील की है, ताकि किसानों और आम जनता को भविष्य के जल संकट और भुखमरी से बचाया जा सके।

किसानों को न्याय दिलाने का प्रयास रहेगा- गुंजन

अन्नदाता किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर श्रीवास्तव के यहां ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता गुंजन चौकसे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा सरकार किसान के हितों का पूरा ध्यान रखेगी और हाई कोर्ट द्वारा पारित निर्णय का भी पालन करेगी ! उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे इस विषय को उच्च स्तर के संज्ञान में लाकर, किसानों को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगी। इस दौरान बालाघाट के अधिवक्ताओं और अन्नदाता किसान संगठन के सदस्यों ने भी सवाल जवाब कर अपने विचार व्यक्त किए। इस पर गुंजन चौकसे ने बताया कि वे मध्य प्रदेश माइनिंग कार्पोरेशन के तरफ से एनजीटी, दिल्ली में बालाघाट के ही एक माइनिंग के मामले में पैरवी कर रही है, और आश्वासन दिया कि अवैध उत्खनन को रोकने के लिए सरकार हर सम्भव प्रयास कर रहीं है!

खुशखबरी

किसी भी कंपनी की बाईक श्री फायनेंस में फायनेंस कराने पर बाईक के शोरूम रेट में 2500/- रूपये की नगद छुट श्री फायनेंस द्वारा दी जाएगी।

संपर्क करें :
श्री फायनेंस जनपद कॉम्पलेक्स वारासिवनी
7879930478
नोट : ऑफर सिमित समय के लिए

घरेलू कार ड्राइवर चाहिए
वेतनमान 10000
संपर्क करें -9329595770

कार्यालय नगर परिषद् लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

फैक्स नं 07635-255881 , Tele No. 07635-255202

E-Mail-cmolanji@mpurban.gov.in पिन कोड-481222

कमांक/201लो.नि.शा./न.प./2025 लांजी, दिनांक 29/04/2025

प्रेस विज्ञप्ति

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) योजनांतर्गत हितग्राहियों की सूची दावा आपत्ति आमंत्रण

एतद् द्वारा सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देशों के परिपालन में नगर परिषद लांजी अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत नवीन आवास निर्माण किये जाने हितग्राहियों द्वारा ऑनलाईन फार्म की प्रकिया को पूर्ण कर दस्तावेज कार्यालय में जमा किया गया है। जांच उपरांत हितग्राहियों के 220 आवेदनों पर दावा/आपत्ति प्रस्तुत किया जाना है।

अत: किसी व्यक्ति/फर्म को उक्त आवेदनों पर दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह कार्यालयीन समय पर कार्यालय नगर परिषद लांजी में 07 दिवस के भीतर प्रस्तुत किया जा सकता है। समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेंगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद लांजी, जिला- बालाघाट

दि बुद्धिस्ट सीसायटी ऑफ इंडिया बालाघाट की आवश्यक बैठक 4 मई को

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। दि बुद्धिस्ट सोसायटी बालाघाट जिला उपाध्यक्ष,खुशियाल मेश्रामने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आगामी 4 मई, दिन रविवार को दोप. 1बजे से स्थान जिला कार्यालय संकल्प भवन रेल्वे क्रासिंग के पास बूढ़ी वार्ड नं.13 बालाघाट म.प्र. में जिला शाखा बालाघाट की आवश्यक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। उक्त बैठक 18 वर्ष से अधिक के युवक युवतीयो को संस्था का साधारण, सक्रिय एवं आजीवन सदस्य बनाने, पूर्व वित्तीय वर्ष में जारी सदस्यता बुको की राशि एवं काउंटर स्लीप जमा कराने, नई बुके जारी कर सदस्यता का लक्ष्य निर्धारण करने, शाखाओं का गठन / पूनर्गठन करने, पिछले 3 माह में गठित शाखाओं की सूची जमा करने,वर्ष 2025-26 में शाखा गठन / पूनर्गठन का लक्ष्य निर्धारण करने, आने वाले दिनों में तह. लालबर्रा, कटंगी, बालाघाट तहसील/नगर एवं जिला शाखा बालाघाट का पुनर्गठन करने की रूपरेखा बनाने,.धम्म प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन कराने पर विचार विमर्श,केन्द्रिय कार्यालय मुंबई के द्वारा पिछले दिनों आनलाईन बैठक में 4 महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर लिये गये निर्णय जिसमें मुख्यत: बुद्धगया महाबोधी महाविहार मुक्ती आंदोलन, कार्यकर्ता डायरी और शाखाओं की त्रैमासिक प्रगति (अहवाल), रिपोर्ट के विषय में जानकारी। प्रमुख रूप से बुद्ध पुर्णिमा तक बीटी एक्ट 1949 समाप्त कर महाबोधि विहार बौद्धो के हवाले नही किया तो राष्ट्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार 25 जुलाई 2025 को बिहार विधानसभा पटना का संस्था के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ. भीमराव य. आम्बेडकर साहब मुंबई के नेतृत्व में घेराव (मोर्चा) निकालने। जिला शाखा बालाघाट द्वारा आयोजित दिनांक 2 से 11 जून 2025 तक श्रीलंका देश की धम्मयात्रा (पर्यटन) सुचारू रूप से सम्पन्न किये जाने, जिले में समता सैनिक दल जो संस्था का संरक्षण विभाग है उसके विस्तार पर चर्चा,, सहित अन्य विषय जो अध्यक्ष की अनुमति से हो उस पर विचार विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिया जाएगा, बताया गया कि यह बैठक म.प्र. राज्य शाखा द. के अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढंगरे, एस. एल. रंगारे जिलाध्यक्ष ,आयुनि. हेमलता ताई डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष, आर.के.कठाने प्रदेश सचिव, राजकपुर कामड़े , प्रदेश कार्या. सचिव म. प्र. के विशेष आतिथ्य में बैठक सम्पन्न होगी। जिन्होंने विज्ञप्ति के माध्यम से जिले सहित समस्त तहसील शाखाओं के पदाधिकारियों सदस्यों सहित संस्था से जुड़े सामाजिक बन्धुओ से बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

कार्यालय नगर परिषद लांजी, जिला बालाघाट म.प्र. 481222

स्व-निर्धारण प्रक्रिया के अंतर्गत संपत्तिकर निर्धारण हेतु कर योग्य संपत्ति मूल्य/वार्षिक भाड़ा मूल्य (ANNUAL LETTING VALUE) की दरे प्रति वर्ग मीटर वर्ष 2025-26 के लिए

क्रमांक/174/रा.शा./निर्धारण/न.प./2025 लांजी, दिनांक 28/04/2025

म.प्र. नगरपालिका (भवनों एवं भूमियों के कर योग्य सम्पत्ति मूल्य का निर्धारण) नियम 2020 तथा संशोधन 2021 अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए नगर परिषद लांजी द्वारा प्रस्ताव क्रमांक 02 दिनांक 18/03/2025 को सम्पत्तिकर निर्धारण हेतु निम्नानुसार वार्षिक भाड़ा मूल्य की दरें निर्धारित कर अंगीकृत करते हुए भवन/भूमि के निर्माण की गुणवत्ता , उपयोग, अवस्थिती पर परिक्षेत्रों का निर्धारण करते हुए नगर परिषद क्षेत्र के आम नागरिको को विवरणी भरकर एकजाई कर की राशि भुगतान करने हेतु कर योग्य संपत्ति मूल्य का अंगीकृत दरों का प्रकाशन किया जाता है।

जोन क्र.	परिक्षेत्रो (जोन) का वर्गीकरण वार्डवार	उपयोग के आधार पर भवनों/भूमियों का वर्गीकरण	भवनों निर्माण की गुणवत्ता के आधार पर प्रति वर्गमीटर (बिल्टप एरिया) वार्षिक भाड़ा मूल्य की दरें वर्ष 2025-26				अवस्थिति के आधार पर दरें प्रति वर्गमीटर वार्षिक भाड़ा मूल्य के लिए अतिरिक्त राशि		अन्य तल हेतु निर्धारित वार्षिक भाड़ा की दरें गुणवत्ता क्रमांक 04 के लिए	खूली भूमि के लिए (कृषि भूमि तथा भवनों से संलग्न भूमि को छोड़कर) प्रति वर्गमीटर वार्षिक भाड़ा मूल्य की दरे
			आर.सी.सी	आर.बी.सी.	सीमेंट/टीन या मैग्लों टाईल वाले पक्के मकान	कच्चा कवेलु	मुख्य सड़क	मुख्य बाजार		
1.	वार्ड क्र. 3,4,8,11 एवं 12 में स्थित समस्त भवन/भूमि	आवासीय	155	150	106	56	8	6	142	37
		व्यवसायिक एवं औद्योगिक	194	189	163	92	9	6	183	50
2.	वार्ड क्र.9,10,13, 14 एवं 15 में स्थित समस्त भवन/भूमि	आवासीय	94	93	71	44	7	8	93	22
		व्यवसायिक एवं औद्योगिक	138	136	109	69	7	8	134	33
3.	वार्ड क्र. 1,2,5,6 एवं 7 में स्थित समस्त भवन/भूमि	आवासीय	77	74	55	37	6	5	76	12
		व्यवसायिक एवं औद्योगिक	108	103	91	55	8	7	105	22

1. शेष नियम/शर्ते पूर्ववर्षानुसार यथावत है।
2. परिषद के प्रस्ताव अनुरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ठोसअपशिष्ठ प्रबंधन एवं उपभोक्ता प्रभार की दरों को यथावत रखा गया है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद लांजी, जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सामूहिक बलात्कार के मामले में उमड़ा जन आक्रोश

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीते दिनों चार आदिवासी लड़कियों के साथ हुआ सामूहिक बलात्कार का मामला गर्माते जा रहा है। जहां इस मामले में विभिन्न सामाजिक संगठनो द्वारा लगातार आरोपियों को फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग की जा रही है। इस जघन्य घटना के बाद पूरे जिले में आक्रोश का माहौल है। विभिन्न सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने भी इस अपराध की घोर निंदा करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की माँग की गई है। इसी कड़ी में मंगलवार की दोपहर सर्व समाज के युवाओं द्वारा नगर के काली पुतली चौक में पुतला दहन किया गया। जिसमें शामिल युवाओं ने इस हत्याकांड में लिप्त सभी 07 आरोपियों के नाम पुतले पर लिखकर जमकर नारेबाजी की, तो वहीं काली पुतली चौक में अपना आक्रोश जताते हुए आरोपियों का पुतला दहन किया। वही आरोपियों को फांसी की सजा दिलाने, मामला फास्ट्रेक कोर्ट में चलने, पीड़ितों को एक करोड रुपए की राशि, व सरकारी नौकरी देने सहित पीड़िता और पीड़ित परिवार के लोगों को सुरक्षा देकर गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की मांग की। उक्त मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान मांग पूरी न होने पर सड़कों पर उतरकर धरना प्रदर्शन करने और बालाघाट बंद की भी चेतावनी दी गई है।तो वही आदिवासी लड़कियों के साथ किए गए इस सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपियों को फांसी की सजा सुनाए जाने सहित अन्य मांगों को लेकर भीम आर्मी एकता मिशन के पदाधिकारी ने भी कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा है। जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन स्वरूप नगर के अंबेडकर चौक से लेकर कलेक्टर कार्यालय गेट तक पैदल मार्च निकालकर जमकर नारेबाजी की तो वहीं कलेक्टर कार्यालय में घुसने नहीं देने पर गेट के सामने ही बैठकर कुछ देर धरना प्रदर्शन किया इसके उपरांत कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए उक्त सभी मांगे जल्द से जल्द पूरी न होने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

मामले को लेकर 3 अलग अलग जगह हुए प्रदर्शन

पूरे मानव समाज को शर्मसार करने वाले इस सामूहिक दुष्कर्म मामले में, मंगलवार को तीन जगह अलग-अलग प्रदर्शन देखने को मिले। जहां जागरूक युवाओ द्वारा काली पुतली चौक पर बलात्कारियों का पुतला दहन कर ,फांसी की मांग की। वहीं वहीं भीम आर्मी सेना ने शहर में पीड़िताओं को न्याय दिलाने, आक्रोश रैली निकाली और कलेक्टर कार्यालय गेट पर धरना दिया। वही महिला कांग्रेस और आदिवासी समाज ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। आपको बताए कि 23 अप्रैल की रात जिले के हट्टा थाना अंतर्गत तीन आदिवासी नाबालिग और एक बालिग युवती से बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। जिसे गांव में पंचायत बैठालकर दबाने का प्रयास किया गया। पहले दबाव और नोटो का लालच दिया गया। लेकिन बालिग के कार्यवाही की बात कहे जाने पर यह मामला दो दिन, बाद पुलिस के सामने पहुंचा। जिसमें पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

सामूहिक बलात्कार के इस मामले में प्रदर्शन कर रहे सभी संगठनों की तरफ से पीड़ित बालिकाओं को एक करोड रुपए की राहत राशि के साथ-साथ उन्हें शासकीय विभाग में नौकरी देने, सामूहिक बलात्कार के इस मामले को फास्ट्रेक कोर्ट में चलकर घटना में लिप्त सभी आरोपियों को फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग की गई। तो वहीं उन्होंने ग्राम पंचायत दुगलई में सड़क बिजली पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं बनाए जाने की भी मांग की। अपनी इसी मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में जमकर नारेबाजी करते हुए सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने पीड़ितो को पुलिस सुरक्षा दिए जाने व घटना पर आक्रोश जाहिर कर मुख्यमंत्री मोहन यादव से इस मामले में लिप्त सभी आरोपियों के घरों में बुलडोजर चलाने की मांग की है।जहां मांग पूरी ना होने पर उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किए जाने को मांग की है।

बलात्कार के मामले में नंम्बर वन बन गया मप्र- अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे के साथ प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सामूहिक दुष्कर्म के सभी आरोपियों को सजा और पीड़ितो को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश में 22 वर्षों से बीजेपी की सरकार है 23 तारीख को चार आदिवासी लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। उसकी 02 दिन तक एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई थी।बीजेपी सरकार में कानून व्यवस्था लड़खड़ा गई है एक तरफ सरकार महिला संरक्षण, बेटी के सम्मान की बात करती है, दूसरी तरफ लाडली बहन योजना चलाकर वोट बैंक की राजनीति कर रही है। तो वही आदिवासी बेटियों के साथ में सामूहिक बलात्कार हो जाता है उस पर भी बीजेपी के लोग चुप बैठे हुए हैं।महिला उत्पीड़न के मामले में प्रदेश नंबर वन पर आ चुका है। आरोपी पक्ष के लोग पीडित परिवार को डरा धमका रहे हैं।बावजूद इसके भी उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की जा रही है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो महिला कांग्रेस सहित सर्व समाज के लोग सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

कलेक्टर अपने कार्यालय की करे सुरक्षा, होगा घेराव- शुभम

घटना को लेकर किए गए आक्रोश प्रदर्शन के दौरान मप्र आदिवासी विकाश परिषद युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष शुभम उईके ने बताया कि यह दुर्भाग्य है कि इस मामले में सरकार की ओर से अधिकारिक दुख संवेदना तक व्यक्त नहीं की गई। जो आदिवासियो के प्रति सरकार के संवेदना को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी ऐसी वाली कुर्सी से फुर्सत नहीं मिल रही है।इसीलिए आज सभी समाज के लोगों ने घटना के विरोध में यहां आरोपियों का पुतला दहन किया है। साथ हमारी सभी मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। हम स्पष्ट कर देते हैं कि यदि जिला प्रशासन पीड़ित और उनके परिवार को सुरक्षा नहीं देगा तो फिर कलेक्टर अपने कार्यालय की सुरक्षा करें क्योंकि जल्द ही कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

सड़कों पर उतरकर करेंगे उग्र आंदोलन- गेडाम

भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष रितेश बोरकर व नगर अध्यक्ष संतोष गेडाम ने बताया कि जघन्य घटना को दबाने का प्रयास किया गया। ताकि गरीब आदिवासी, अपने साथ हुई ज्यादती पर चुपचाप हो जाए।हमारी शासन, प्रशासन से मांग है कि इस मामले में आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाई जाए। उन्हें सिर्फ और सिर्फ फाँसी की सजा हो।इसके अलावा हमने अन्य मांगो को लेकर भी ज्ञापन सौपा है यदि मांग पूरी नहीं हुई तो आज सांकेतिक रूप से धरना प्रदर्शन किया गया था ,आगामी समय में सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बुलडोजर पंचर हो गया,बीजेपी के लोग ईस्तीफा दे- ऋषभ

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान युवा ऋषभ सहारे ने बताया कि पूरे मध्य प्रदेश में बालाघाट जिला बलात्कार के मामले में नंबर वन बन गया है। बीजेपी की सरकार महिलाओं को सशक्त करने की बात करती है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देती है लेकिन सामूहिक बलात्कार की घटना का सरकार या उनके नुमाइंदो ने विरोध नहीं किया। बीजेपी के लोग सड़क पर नहीं उतर रहे हैं।हम पूछना चाहते हैं कि बीजेपी का बुलडोजर कहां पंचर हो गया, जो वे लोग इसका विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसी सरकार को और उनके मंत्रियों पदाधिकारी को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

मौखिक आश्वासन मिलने के बाद संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने की हड़ताल समाप्त

पदाधिकारी ने कहा आश्वासन के बाद की गई है हड़ताल खत्म, मांगे पूरी नहीं होती तो संगठन के निर्णय के बाद फिर की जाएगी हड़ताल

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त करने की घोषणा कर दी है। यह निर्णय सोमवार देर रात हुई बैठक के बाद लिया गया। स्वास्थ्य कर्मचारी 22 अप्रैल से हड़ताल पर थे, जिसके चलते जिले भर में आयुष्मान योजना, टीकाकरण और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा। जिले में कर्मचारी टीकाकरण कार्यालय के सामने धरने पर बैठे थे , कर्मचारियों को मिले आश्वासन के बाद यह हड़ताल खत्म हो गयी हैं उन्हें आश्वासन मिला हैं की उनकी प्रमुख मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। अप्रेजल, स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, समकक्षता निर्धारण, ग्रेज्युटी और अर्जित एवं मेडिकल अवकाश जैसी मांगों पर जल्द कार्यवाही के लिए एक विशेष कमेटी बनाई जाएगी।

आपको बता दे कि अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत काम कर रहे जिले भर के संविदा कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। जिसके बाद जिले में धीरे-धीरे जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बिगड़ने लगी थी। जिस पर विभाग के द्वारा तीन दिन के अंदर काम पर वापस लौटने के निर्देश दिए गए थे । यदि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी काम पर नहीं लौटते तो उन्हें 3 दिन के बाद उनकी सेवाएं समाप्त करने के लिए निर्देश भी विभाग द्वारा जारी कर दिए गए थे । जिस पर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा अपने ही विभाग के आदेश को मानने से इनकार कर दिया गया था । उन्होंने कहा था कि जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती और लिखकर नहीं देती तब तक वह अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को समाप्त नहीं करेंगे जिन्होंने आज एनएचएम एमडी के तीन दिन में काम पर नहीं लौटने के निर्देश भी दिये थे और काम पर वापसी नही होने पर उनकी सेवाएं बर्खास्त करने को भी कहा जा रहा था, जिस पर संविदा कर्मियों ने जारी आदेश के प्रति की होली भी जलाई थी । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत काम कर रहे संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी, के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका सीधा असर पड़ रहा था। खासकर ग्रामीण क्षेत्रो में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई थी। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एमडी की उस नीति का विरोध कर रहे थे , जिसमें उन्होंने संविदा कर्मचारियों को मिल रही सुविधाओ में कटौती की थी । चूंकि 2023 में केबिनेट से संविदा नीति का ऐलान किया गया था। जिसमें संविदा कर्मचारियो को नियमित कर्मचारियों की तरह सुविधा प्रदान की गई थी, लेकिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी ने नई एचआर पॉलिसी लाई थी । जिसके तहत मिलने वाली ईएल, सीएल, मेडिकल सुविधा, बंद कर दी गई थी। साथ ही सेवा समाप्ति के लिए अप्रैजल को लागु कर दिया था । इसके अलावा अनुकंपा को कंडीशनल कर दिया था , अर्थात कर्मचारी की डेथ होने पर एक राशि के बाद उसे अनुकंपा नहीं मिलेगी। जिस एचआर पॉलिसी का संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी विरोध कर रहे थे । उनकी मांग है कि तत्कालीन शिवराजसिंह चौहान की सरकार में जो केबिनेट से संविदा नीति 2023 लागु की गई थी, उसे यथावत रखा जाए और इस पॉलिसी को वापस लिया जाए। किंतु 28 अप्रैल को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल द्वारा भोपाल स्तर पर एक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की गई और बैठक में मौखिक तौर पर कर्मचारीयों की मांगों पर विचार करने का मौखिक आश्वासन संविदा कर्मचारियों को दिया गया है जिसके बाद संगठन द्वारा प्रदेश भर में हड़ताल खत्म करने के निर्देश जारी कर दिए गए जिसमें बालाघाट में हो रही संविदा स्वास्थ्य कर्मचारीयों के संगठन ने भी 29 अप्रैल को जिले में चल रही हड़ताल को खत्म करने का ऐलान कर दिया हैं ।

मौखिक आश्वासन पर हड़ताल खत्म की है - शैलेष कुमार

जिलाध्यक्ष शैलेष कुमार ने बताया कि उप मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की हुई बैठक में मांगों को जल्द पूरा कराने का आश्वासन मिला है। जिसके चलते अनिश्चित कालीन हड़ताल को स्थगित कर दिया गया है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि स्वास्थ्य बीमा, अवकाश सुविधा,अनुकंपा नियुक्ति, ग्रेज्युटी, ग्रेड-पे सुधार के आदेश जल्द किए जाएंगे। जिसके चलते जिले के 751 संविदा कर्मियों ने हड़ताल को स्थगित कर दिया है। बैठक में कर्मचारियों के स्वास्थ्य बीमा, ग्रेज्युटी, एनपीस, ई.एल., अनुकम्पा नियुक्ति, अप्रेजल समाप्ति, मेडिकल लिव, ग्रेड-पे सुधार का भरोसा दिलाया गया है। जो आदेश शासकीय प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत शीघ्र जारी होंगे। उन्होंने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में यह भी बताया की उन्हें लिखित आश्वासन की मांग की थी, किंतु अभी मिले मौखिक आश्वासन पर उन्होंने हड़ताल खत्म की है किंतु यदि जल्द ही उन्हें लिखित में उनकी मांगों को लेकर पत्र जारी नहीं किया गया तो वह पुन: हड़ताल शुरू कर देंगे ।

भृत्य, दीवान दास भारद्वाज हुए सेवानिवृत्त

उत्कृष्ट विद्यालय परिवार ने भृत्य को दी बिदाई : प्रचार्य ने खुद बाइक पर बैठाकर छोड़ा घर

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। नगर के उत्कृष्ट विघालय में पदस्थ भृत्य, दीवान दास भारद्वाज मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। जिसपर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में विदाई समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे विघालय परिवार ने उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों और विघालय परिवार को मिले सहयोग को याद करते हुए, उन्हें बिदाई दी।जहा विघालय परिवार ने उनके उज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य की मंगलकामनाओ के साथ शाल श्रीफल व पुष्प गुच्छ मालाओ के साथ उनका स्वागत किया तो वही शरद ज्योतिषी ने स्वयं उन्हें अपनी बाईक में बैठाकर उन्हें घर छोड़ने गए।

1977 से उत्कृष्ट विघालय में सेवा दे रहे थे भारद्वाज

बताया गया कि भृत्य, दीवान दास भारद्वाज ने अपनी शासकीय सेवा का प्रारंभ 14अक्टूबर 1977 को शास उत्कृष्ट विद्या.बालाघाट से किया और आज 29अप्रैल 2025 तक पूर्ण ईमानदारी से कर्तव्य निष्ठा से कार्य कर सेवानिवृत्त हो गए। वे समय के पाबंद ,कर्तव्यनिष्ठ, शिष्टाचारी श्रेष्ठ व्यक्तित्व के धनी है।दीवान भारद्वाज को विद्यालय ने परिवार सहित आमंत्रित किया जिसमे उनकी पत्नी ताराबाई भारद्वाज और परिवार जन भी विदाई समारोह में शामिल हुए।कार्यक्रम का प्रारंभ दीवान दास को शाल ,श्रीफल,पुष्प गुच्छ देकर, व फूलो की माला पहनकर स्वागत वंदन करके किया गया। यह कार्यक्रम डीईओ एके उपाध्याय की मुख्य आतिथ्य में,पूर्व डीईओ आर के लटारे के विशेष आतिथ्य , बी ई ओ टी के गौतम,पूर्व प्राचार्य एल सी मानवटकर ,खुरसोड़ी प्राचार्य आर एस परिहार, निलजी प्राचार्य डी पी अग्रवाल,एवं प्र प्राचार्य शरद ज्योतिषी की अध्यक्षता में एवं व्याख्याता कोमल सिल्हारे की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

व्यक्तित्व के धनी है दीवान- उपाध्याय

इस अवसर पर डीईओ उपाध्याय ने भृत्य दीवान दास की सेवा काल के वृतांत में उनके साथ बिताए गए क्षणों को याद करते हुए कहा कि वे एक कुशल कर्तव्यनिष्ठ शालीन स्वभाव के अद्भुत व्यक्तित्व धनी है। पूर्व डी ई ओ और प्राचार्य लटारे ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि वे वास्तविक व्यक्तित्व है जो अपना काम बिना किसी आदेश के पूर्ण करते रहे।

मैंने छात्र जीवन से दीवान भैया की सेवाएं देखी है-ज्योतिषी

आयोजित समारोह ने उत्कृष्ट विघालय के प्र प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया कि वे स्वयं उत्कृष्ट विद्यालय में छात्र जीवन से ही दीवान दास भैया को जानते हैं और उनसे विशेष लगाव है।वे नेक कर्तव्यशील और कर्मठ स्कूल के प्रति समर्पित रहे।उन्होंने बताया कि दीवान भैया के साथ उन्होंने15 अगस्त ,26 जनवरी का झंडा बांधने जैसे प्रमुख कार्य किया है।हम सभी दीवान भैया के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।जिन्होंने कार्यक्रम के बाद दीवान दास को स्टॉप की ओर से गिफ्ट के साथ ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उनके घर तक सस्नेह पहुंचाया।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति

आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्टॉप से श्रीमतीपूनम मिश्रा, दुधगोरे,अनिल हरिनखेडे, उमा पटले, के थोटे, खिलेन्द्र बिसेन, एन मेश्राम,मनीषा मैडम,तोमर जी,चौधरी जी,लकेश साहू,शिव उके,अरविंद सोनवाने,भारती शरणागत,वर्मा मैडम,निकेश बिसेन,संजय कावड़े,कविता शुक्ला,गोपी ,प्रखर बाहें, मेरावी, राने,नीतू मोहारे, पुष्पा मैडम,विजय देशमुख,रंजना तिवारी सहित भृत्य सुरेश भोंडे, बसंत,रमेश,मोहन ,गंगाराम उर्मिला बाई सहित सभी उपस्थित रहे।मंच संचालन मनीषा हरिनखेड़े ने किया।

नक्सलियों द्वारा तेंदूपत्ता सीजन में अवैध वसूली रोकने पुलिस और वन विभाग ने की बैठक

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। पुलिस विभाग और वन विभाग द्वारा आगामी समय में तेंदूपत्ता के सीजन में नक्सलियों द्वारा की जाने वाली अवैध वसूली को रोकने के लिए एक समन्वय बैठक स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित की गई , जहां दोनों ही विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तेंदूपत्ता सीजन में होने वाली अवैध वसूली को रोकने के लिए चर्चा की गई , पुलिस अधीक्षक द्वारा मीडिया को बताया गया कि अधिकतर उन्हें जानकारी मिलती है कि तेंदूपत्ता सीजन के दौरान जिले के कुछ क्षेत्रों में नक्सलियों द्वारा अवैध रूप से पैसों की वसूली की जाती है, उस वसूली को रोकने के लिए दोनों ही विभाग के आपसी सामंजस से नक्सलियों की इस अवैध वसूली को रोकने के लिए चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिये गये है ।

आपको बता दे कि 29 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक नगेन्द्र सिंह , अधर गुप्ता, वन मण्डलाधिकारी, दक्षिण सामान्य वनमण्डल एवं नेहा श्रीवास्तव वन मण्डलाधिकारी उत्तर सामान्य वन मण्डल बालाघाट की संयुक्त अध्यक्षता में तेन्दूपत्ता सीजन के दौरान नक्सलियों द्वारा तेन्दूपत्ता ठेकेदारो से अवैध वसूली पर अंकुश लगाने हेतु उपायों व उनके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध मे तेन्दूपत्ता ठेकेदारों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा तेन्दूपत्ता ठेकेदारों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये उन्हे कार्य करने हेतु सुरक्षित वातावरण प्रदान करने आश्वस्त किया गया। साथ ही तेन्दूपत्ता ठेकेदारों द्वारा भी यह आश्वासन दिया गया कि नक्सली गतिविधियो पर अंकुश लगाने हेतु उनके द्वारा पुलिस प्रशासन की हर संभव सहायता की जावेगी। उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल सेल राकेश कुमार पंद्रो एवं पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी, बैहर, परसवाड़ा एवं संबंधित अनुविभागो के थाना, चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। वन विभाग के अधिकारियों मे एसडीओ कटंगी, एसडीओ उकवा, एसडीओ बालाघाट, एसडीओ लांजी, एसडीओ बैहर उपस्थित रहे।

अवैध वसूली को रोकने के लिए पुलिस ने बैठक की है - नगेंद्र सिंह

पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार वन विभाग की 21 ठेकेदार तेंदूपत्ता खरीदेंगे। इस बार 58 से अधिक समितियां बनाई गई हैं। इस सत्र में 722 तेंदूपत्ता फड़ संचालित होंगे। इनमें 250 से अधिक तेंदूपत्ता फड़ जिले के नक्सल प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में हैं। नक्सलियों द्वारा डरा-धमकाकर की जाने वाली अवैध वसूली को रोकने के लिए पुलिस ने बैठक में सभी ठेकेदारों को अलर्ट रहने कहा है। साथ ही पुलिस इन क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखेगी। एसपी ने बताया कि तेंदूपत्ता खरीदी के दौरान सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। इसके लिए सभी थाना प्रभारियों ।को भी सतर्क रहने निर्देशित किया गया है। बताया गया कि इस वर्ष 73 हजार 215 बोरियां तेंदूपत्ता खरीदने का लक्ष्य तय किया गया है।

पुलिस विभाग एवं पुलिस परीवार कल्यांण संघ की बैठक सम्पन्न

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। पुलिस विभाग एवं पुलिस परीवार कल्यांण संघ के जिला महामंत्री यशवंत लिल्हारे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बीती देर शाम नेशनल कोचिंग इंस्टीटयूट बालाघाट में पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्यांण संघ की बैठक जिला अध्यक्ष महेश शरणागत की अध्यक्षता में रखी गई थी। जिसमें सबसे पहलें पहलगाम में आतंकवादियो द्वारा 28 लोगो की निर्मम हत्या कि गई उन लोगो को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया और इस दुख कि घटना को दुखी परीवार को सहन करने कि शक्ति प्रदान करे इसके किये ईश्वर से कामना कि गई, साथ में संगठन का विस्तार एव 19 मई को जिला सागर में राष्ट्रीय सम्मेलन में समलित होन के लिए जानकारी दी गई। श्रद्धांजली सभा में उपस्थित महेश शरणागत जिलाअध्यक्ष, अशोक ब्रम्हे वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, यशवंत लिल्हारे जिला महामंत्री, सुबेदार तोमेश्वर रहांगडाले जिला उपाध्यक्ष, श्रीमति अलका चौधरी जिला उपाध्यक्ष, श्रीमति सानू राय तहसिल अध्यक्ष, श्रीमति सीमा उईके नगर अध्यक्ष, लाजवंती बाशानी तहसिल महामंत्री, श्रीमति पुष्पलता बर्वे जिला कार्यकारिणी सदस्य, श्रीमति नेहा भारतवाज, पूनम धुवारे, अखीलेश खोबरागड़े शैलेस चौधरी आदि लोग उपस्तिथ रहे।

करोड़ों रूपयों की लागत से बना मंडी काम्पलेक्स हो रहा औचित्यहीन साबित

लोकार्पण के दो साल बाद भी नही हुई नीलामी प्रक्रिया, बेरोजगारों में आक्रोश व्याप्त, मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की जल्द नीलामी करने की उठी मांग, कमरे आबंटित होने से बेरोजगारों को रोजगार एवं शासन को मिलेगा राजस्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सबसे व्यस्तम हाईस्कूल मार्ग, वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के सामने मंडी बोर्ड अधोसंरचना विकास निधि से करीब 5 करोड़ रूपयों की लागत से दो मंजिला इमारत यानि राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स का निर्माण किया गया है। जिसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद दो वर्ष पूर्व मंडी काम्पलेक्स का लोकार्पण भी कर दिया गया है। वहीं काम्पलेक्स का लोकार्पण हुए दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक मंडी प्रशासन के द्वारा कमरे आबंटित नही किया गया है। जिसके कारण करोड़ों रूपयों की लागत से बना मंडी काम्पलेक्स औचित्यहीन साबित हो रहा है। साथ ही देख-रेख के अभाव में करोड़ों रूपयों की लागत से बना मंडी काम्पलेक्स परिसर में जहां-तहां गंदगी फैली हुई है और भवन भी खराब होने लगे है। अगर समय रहते कमरों को आबंटित नही किया गया तो करोड़ों रूपयों की लागत से बने कमरे जीर्णशीर्ण होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो जायेगें और जिस मकसद से काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है उसका लाभ नही मिल पायेगा। जबकि विगत दो वर्ष से बेरोजगार युवा एवं फुटपाथ में दुकान लगाने वाले दुकानदारों के द्वारा मंडी प्रशासन से मंडी काम्पलेक्स में बने 72 कमरों की नीलामी प्रक्रिया पूरी कर कमरे आबंटित किये जाने की मांग कर रहे है किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं मंडी काम्पलेक्स में बने कमरे आबंटित हो जाते है तो स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा एवं शासन को राजस्व भी प्राप्त होगा। लोकार्पण के दो साल बाद भी मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी नही होने से स्थानीय बेरोजगार एवं फुटपाथ में दुकान लगाने वाले दुकानदारों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और जल्द नीलामी की प्रक्रिया पुरी कर कमरे आबंटित किये जाने की मांग प्रशासन से की है।

देख-रेख के अभाव में फैली गंदगी एवं कमरे हो रहे खराब, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने पूर्व में कृषि उपज मंडी स्थित था जहां किसानों की धान सहित अन्य फसलों की खरीदी की जाती थी किन्तु यह मंडी का भवन मिट्टी का बना होने के कारण जीर्णशीर्ण एवं जगह कम होने के कारण कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा था। जिसके बाद शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से नवीन कृषि उपज मंडी का निर्माण बकोड़ा में किया गया है जहां मंडी संचालित की जा रही है एवं पुरानी मंडी भवन के स्थान में विगत वर्ष पूर्व करीब 5 करोड़ रूपयों की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण कर 72 कमरे बनाये गये है ताकि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को कमरे आबंटित कर उन्हे रोजगार उपलब्ध करवा सके। साथ ही दो वर्ष पूर्व मंडी काम्पलेक्स का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद लोकार्पण भी कर दिया गया है परन्तु अब तक नीलामी की प्रक्रिया पूरी नही हो पाई है। साथ ही देख-रेख के अभाव में भवन एवं परिसर में गंदगी फैली हुई है एवं कुछ स्थानों से टुट-फुट भी हो चुका है। वहीं रात्रि के समय असामाजिक तत्व शराब का सेवन करते है। इस तरह से मंडी काम्पलेक्स असामाजिक तत्वों का अड्डा भी बनते जा रहा है। साथ ही जल्द मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी प्रक्रिया पूरी कर कमरे आबंटित नही किया गया तो धीरे-धीरे भवन देख-रेख के भवन में जीर्णशीर्ण होने लगेगी। वहीं विगत दो वर्ष से स्थानीय बेरोजगार युवा एवं फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों के द्वारा मंडी प्रशासन से मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी प्रक्रिया पूरी कर कमरे आबंटित किये जाने की मांग कर रहे है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में मंडी प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं मंडी काम्पलेक्स में 72 कमरे बने हुए है, नीलामी प्रक्रिया पुरी कर कमरे आबंटित कर दिया जाता है तो मंडी प्रशासन को हर माह लाखों रूपयों का राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार भी मिल जायेगा।

मंडी बोर्ड की नाकामी से नही हो रही नीलामी प्रक्रिया - संजीव

संजीव अवधिया ने बताया कि मंडी काम्पलेक्स का निर्माण होने के बाद 3 वर्ष पूर्व ठेकेदार के द्वारा मंडी बोर्ड को हेंडवर्क कर दिया गया है जहां 72 से अधिक कमरे बने हुए है। जिसे स्थानीय बेरोजगारों को आबंटित किया जाना है ताकि उन्हे रोजगार मिल सके परन्तु लोकार्पण हुए दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक नीलामी की प्रक्रिया पूरी नही की गई है। साथ ही देख-रेख के अभाव में जहां-तहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है एवं भवन खराब होने लगा है। श्री अवधिया ने बताया कि बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाने की मंशा से करोड़ों रूपयों की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है किन्तु मंडी बोर्ड प्रशासन की नाकामी के चलते अब तक नीलामी की प्रक्रिया नही हो पाई है जिससे शासन को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है, हमारी मांग है कि जल्द नीलामी की प्रक्रिया करवाये प्रशासन।

कमरा आबंटित होने से बढ़ेगा व्यापार - रवि

रवि अग्रवाल ने बताया कि करोड़ों रूपयों की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है, जिसका दो वर्ष पूर्व लोकार्पण भी कर दिया गया है, लेकिन अब तक नीलामी प्रक्रिया नहीं हो पाई है, जो समझ से परे लग रहा है। श्री अग्रवाल ने बताया कि जब नगर मुख्यालय में अतिक्रमण की कार्यवाही की गई थी उस समय पूर्व केबिनेट मंत्री श्री बिसेन से मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों को अस्थाई रूप से दुकानदारों को देने की मांग की गई थी। साथ ही क्षेत्रीय विधायक से भी कहा गया था लेकिन उनके द्वारा कोई प्रयास नही किया गया है। यदि कमरे आबंटित हो जाते है तो स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा और यह लालबर्रा मुख्यालय का सबसे बेहतर बाजार होगा जो मुख्य केन्द्र पर स्थित है, जिससे व्यापार भी बढ़ेगा एवं शासन को राजस्व भी प्राप्त होगा। साथ ही यह भी बताया कि देख-रेख के अभाव में मंडी काम्पलेक्स में बने कमरे खंडहर हो जायेगें इसलिए हमारी मांग है कि जल्द नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर कमरे आबंटित किये जाये।

इनका कहना है-

लालबर्रा के हाई स्कूल रोड़ में मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है जहां 72 कमरे बने है और कमरों की नीलामी की प्रक्रिया भोपाल स्तर से की जायेगी। जिसकी कार्यवाही जारी है एवं डेढ़ माह के अंदर नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर कमरे आबंटित कर दिये जायेगें।

वायआर ठाकरे
सचिव
कृषि उपज मंडी
लालबर्रा।

बारिश एवं बदलीनुमा मौसम से उमस भरी गर्मी से मिली राहत

किसानों के चेहरे में आई खुशी, फसल को मिली संजीवनी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गत दिवस से अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही कभी रात एवं दिन में तेज आंधी-तूफान एवं बादल गर्जना के साथ बारिश हो रही है। इसी तरह सोमवार को दोपहर में अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में बूंदाबांदी बारिश हुई है। जिसके बाद से दिनभर बदलीनुमा मौसम बना रहा। इस तरह से उमस भरी गर्मी के बीच में बूंदाबांदी बारिश एवं बदलीनुमा मौसम बना रहने से उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। वहीं बारिश होने से क्षेत्र में ठंडकता घुल चुकी है। साथ ही यह बूंदाबांदी बारिश होने से किसानों के चेहरे में खुशी आई है क्योंकि खेतों में लगी धान की फसल पानी के अभाव में प्रभावित हो रही थी। यह बारिश फसल के लिए संजीवनी का काम किया है। साथ ही बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं तेज आंधी-तूफान चलने से वैवाहिक कार्यक्रमों में व्यवधान भी उत्पन्न हो रहा है जिससे जिस परिवार में वैवाहिक कार्यक्रम चल रहा है उन्हे परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। साथ ही तेज आंधी-तूफान चलने से आम के पेड़ों में लगी फल भी झड़ने लगे है, जिससे ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष आम की पैदावर कम होगी और महंगे दामों में लोगों को खरीदना पड़ेगा।

सेवानिवृत्त होने पर प्राचार्य आरसी बरले को दी गई विदाई

बोरी के एकीकृत शास. हाई स्कूल में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश)। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत बोरी स्थित एकीकृत शासकीय हाई स्कूल में 29 अप्रैल को विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम सीएम राइज स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे, टेंगनीखुर्द हाई स्कूल के प्राचार्य श्री अजीत, एकीकृत शासकीय हाई स्कूल बोरी के सेवानिवृत्त प्राचार्य आरसी बरले, महिला एवं बाल विकास समिति सभापति श्रीमती पूजा/दीपक चौधरी, बोरी सरपंच श्रीमती मंजू/प्रेमसुन्दर बारमाटे सहित शिक्षकगणों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस विदाई समारोह कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य आरसी बरले का तिलकवंदन करने के बाद शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर विदाई दिये और उनके उज्जवल भविष्य की कामना किये। आपकों बता दे कि बोरी के एकीकृत शासकीय हाई स्कूल के सेवानिवृत्त प्राचार्य आरसी बरले की प्रथम नियुक्ति 8 फरवरी 1994 में रायगढ़ जिले में उच्चश्रेणी शिक्षक के पद पर हुई थी। जिसके बाद बैतुल जिले में दो वर्ष तक सेवाएं देने के बाद स्थानांतरण होकर शासकीय कन्या उमावि. अमोली (लालबर्रा) आये जहां अपनी सेवा देने के बाद ददिया माध्यमिक स्कूल में प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नत होकर अपनी सेवाएं दिये है। जिसके बाद शासकीय माध्यमिक स्कूल बल्हारपुर में प्रधानपाठक एवं तीन वर्ष तक शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बल्हारपुर में प्रभारी प्राचार्य के पद पर सेवा देने के बाद 9 अक्टूबर 2023 को स्थानांतरण होकर एकीकृत शासकीय हाई स्कूल बोरी में प्राचार्य बनकर गये जहां 9 अक्टूबर से 29 अप्रैल 2025 तक प्राचार्य के पद पर सेवाएं देते हुए 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर श्री बरले जी शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हुए है। वहीं 30 अप्रैल को अवकाश होने के कारण सेवानिवृत्ति के एक दिन पूर्व 29 अप्रैल को स्कूल में विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर सेवानिवृत्त प्राचार्य आरसी बरले को विदाई दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सेवानिवृत्त प्राचार्य आरसी बरले के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं सेवानिवृत्त प्राचार्य आरसी बरले ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में 31 वर्ष तक अपनी सेवाएं दिया हूं, इस दौरान विभिन्न जिलों के शासकीय स्कूलों में पदस्थ रहकर शिक्षकों के सहयोग से ब'चों को अ'छी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही उचित मार्गदर्शन एवं शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाया गया है। साथ ही इस विभाग में रहते हुए बहुत कुछ सीखने को भी मिला है इसलिए मैं सभी शिक्षकों से कहना चाहूंगा कि अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करे और बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें क्योंकि आपके द्वारा जो शिक्षा प्रदान की जायेगी। उस शिक्षा को प्राप्त कर ब'चें अपना बेहतर भविष्य बनायेगें। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आज परम्परानुसार मनाया जायेगा आखातीज पर्व

हिन्दु धर्मावलंबियों ने की कलशों की खरीदी, कलश का होता है विशेष महत्व

लालबर्रा (पद्मेश)। हिन्दू धर्मावलंबियों के द्वारा वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला आखातीज पर्व 'अक्षय तृतीया' 30 अप्रैल को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में परम्परानुसार श्रध्दा भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा। इस पर्व को मनाने के लिये धर्मावलंबियों के द्वारा प्रतिवर्ष व्यापक तैयारियां करते हुए पर्व के एक दिन पूर्व पूजन कार्य में लगने वाली आवश्यक सामग्रियों की खरीदी की जाती है। जिसमें कलशों (मटके) का विशेष महत्व होता है और मार्केट सहित अन्य मार्गों पर कुम्हारों की मटकों की दुकानें सजी रही जहां पर लोगो ने पहुंचकर जमकर कलश की खरीदी पर्व मनाने के लिये किया है। कुम्हारन तुलशा शनिचरे ने बताया कि आखातीज पर्व में कलशे का विशेष महत्व होता है, यह परम्परा पुराने जमाने से चली आ रही है। जिसमें माता-पिता को पानी पिलाते थे जबसे कलशों की पूजा करते है। उनके द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारम्परिक रूप से मिट्टी से निर्मित कलशों का निर्माण किया गया है और मार्केट में भी कलशे की दुकानें लगाई गई है। जिसमें कलशे के साथ एक चुकी, एक परई व एक ढक्कन साथ में दिया जाता है।

शास्त्रों में अक्षय तृतीया को माना गया है स्वयंसिध्द मुहूर्त

पुराणों के अनुसार अंकों में विषम अंकों को विशेष रूप से 3 को अविभाज्य यानी 'अक्षय' माना जाता है इसलिए तिथियों में शुक्ल पक्ष की 'तीज' यानी तृतीया को विशेष महत्व दिया जाता है। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को समस्त तिथियों से सबसे विशेष स्थान प्राप्त है। पौराणिक मान्यता है कि इस तिथि में आरंभ किये गये कार्यों को कम से कम प्रयास में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिलती है, अध्ययन आरंभ करने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ दिन है। अक्षय तृतीया कुंभ स्नान व दान पुण्य के साथ पितरों की आत्मा की शांति के लिए आराधना का दिन भी माना गया है। शास्त्रों में अक्षय तृतीया को स्वयंसिध्द मुहूर्त माना गया है। अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य जैसे-विवाह, गृहप्रवेश, व्यापार अथवा उद्योग का आरंभ करना अति शुभ फलदायक होता है। सही मायने में अक्षय तृतीया अपने नाम के अनुरूप शुभ फल प्रदान करती है। अक्षय तृतीया पर सूर्य व चंद्रमा अपनी उच्च राशि में रहते हैं। इस तिथि का उन लोगों के लिए विशेष महत्व होता है जिनके विवाह के लिए गृह-नक्षत्र मेल नहीं खाते, इस शुभ तिथि पर सबसे ज्यादा विवाह संपन्न होते हैं।

जल गंगा संवर्धन में विभिन्न गतिविधियों से दिया जा रहा जल संरक्षण संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिपं सीईओ अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल पखवाड़ा 2025 अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन निरंतर जारी है। सोमवार को सीएम राईज बालाघाट में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रायोजना प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन आयोजित किया गया। जिसमे छात्र/छात्राओं द्वारा जल संरक्षण से संबंधित तरह-तरह के मॉडल बनाकर प्रस्तुत किये गये। जिनका अवलोकन उपस्थित अधिकारियों/शिक्षकों द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में से निर्णायक समिति द्वारा उत्कृष्ट मॉडल का चयन किया गया। जिसमें वरिष्ठ वर्ग में शासकीय पीएमश्री कन्या उमावि बूढी बालाघाट द्वारा प्रथम स्थान, सीएम राईज बालाघाट द्वितीय स्थान एवं शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उमावि बालाघाट द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। इसी तरह कनिष्ट वर्ग में सीएम राईज विद्यालय बालाघाट प्रथम, शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उमावि बालाघाट द्वितीय एवं सीएम राईज विद्यालय वारासिवनी तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी विजेताओं को जिपं सीईओ श्री सराफ द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम गोपाल सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय एवं संस्था प्राचार्य शामिल रहें।

अक्षय तृतीया आज बाजार हुआ गुलजार

नगर में खरीदी करने लोगों की दिखाई दी भीड़

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप मनाई जाएगी। जिसको लेकर मटको से बाजार गुलजार हो गए हैं जहां खरीदी के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। इस पर्व को लेकर मान्यता है कि इस दिन जो चीज पाई वो हमेशा पास रहेगी। इसलिए जीवन के सबसे बड़े मौकों और फैसलों के लिए ये दिन शुभ है। शादी के लिए भी इसे श्रेष्ठ मुहूर्त माना जाता है। श्रीमद्भागवत के अनुसार समुद्र मंथन में लक्ष्मी सोने के आभूषण पहनकर प्रकट हुई थीं। इसलिए सोने को लक्ष्मी जी से प्रकट हुआ मानते हैं। सोना, चांदी, व्हीकल, प्रॉपर्टी, कपड़े व अन्य कीमती चीजें खरीदना शुभ माना जाता है। नए बिजनेस या नौकरी की शुरुआत विवाह गृह प्रवेश या निवेश अक्षय फल देता है। यह दिन मुहूर्त के लिए विशेष रहता है।

अखातीज पर खरीदी हुई तेज

शहर के बाजारों में इन दिनों आखातीज की खरीददारी तेज हो गई है। 30 अप्रैल को मनाई जाने वाली अक्षय तृतीया के मौके पर होने वाले निजी व सामूहिक विवाह की तैयारियों के मद्देनजर लोग खरीददारी करने में जुटे हुए हैं। यही वजह है कि नगर सहित क्षेत्र के बाजार इन दिनों गुलजार बने हुए हैं। आखातीज की खरीदारी के चलते बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। शहर में कपड़ा, सराफा ,इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट में ग्राहकी चमक रही है। मंगलवार को नगर में मिट्टी के मटको पूजा सामग्री कपड़े और सोन चांदी की दुकानों में तैयारी कर ग्राहकों का इंतजार हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में की जाती है कलश की पूजा

हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर अक्षय तृतीया मनाई जाती है। इस अवसर पर हर कोई अपने रीति रिवाज के अनुसार पूजा अर्चना करता है। इस पर्व पर क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में इस अक्षय तृतीया तीज पर्व पर मिट्टी के नये घडे जिसे कलश नाम दिया जाता है जिसको पानी से भरकर इसकी पूजा पाठ की जाती है। इसमें भी ग्रामीण बुजुर्गों को अपना अपना मत है जो अपनी पुरानी परंपराओं को बनायें रखने हेतु प्रतिवर्ष इस पर्व को मनाते चले आ रहे है। जिसके लिए मिट्टी के खड़े लोगों के द्वारा खरीदी किया जा रहे हैं।

अक्षय तृतीया को लेकर मटको की खूब खरीदी हो रही है-सुरेश प्रजापति

सुरेश प्रजापति ने बताया कि मटको का व्यापार इस बार अ'छा है अक्षय तृतीया को लेकर मटको की खूब खरीदी हो रही है। लोगों के द्वारा पूजा अर्चना के लिए खरीदा जा रहा है जो अक्षय तृतीया को होगी और अभी मटको की बिक्री 12 मई तक चलेगी। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी लागत मूल्य बड़ा है जिसमें करीब 10 प्रतिशत की महंगाई है क्योंकि लकड़ी हमें महंगी मिल रही है। ऐसे में मटके तैयार करने में समस्या हो रही है तो वहीं अभी मौसम भी ठीक नहीं है इसके प्रभाव से नुकसान भी हो रहा है। हालांकि बाजार ठीक है खरीदी भी अ'छी हो रही है।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संकल्प और समर्पण से भरा रहा है-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय बिरसा मुंडा क्रांति सेना के द्वारा दिशा एवं द्रष्टिकोण पर व्याख्यान माला का सम्मान समारोह का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित किया गया। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,रवि करण साहू केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, गुंजन चौकसे भाजपा मध्यप्रदेश प्रवक्ता, अधिवक्ता डिल्लन सिंह ताराम की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात में मां नर्मदा की महिमा की स्क्रीन में माध्यम से सजीव प्रस्तुती भी की गई। राष्ट्रीय बिरसा मुंडा क्रांति सेना के द्वारा बालाघाट में आयोजित दिशा एवं दृष्टिकोण पर सारगर्भित व्याख्यान माला एवं सम्मान समारोह जनजातीय चेतना, समरसता और नेतृत्व के क्षेत्र में एक प्रेरक मील का पत्थर भी बन गया। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संकल्प, संघर्ष और समर्पण की त्रिवेणी है। ऐसे आयोजन आने वाली पीढ़ियों को जागरूक और प्रेरित करेंगे। सन 1857 की क्रांति में मुख्य भूमिका निभाने वाले आदिवासी समाज के क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा ने शुरू से ही अंग्रेजी हूकूमत के खिलाफ हुंकार भरना शुरू कर दिया था। अपने साथियों सहित अंग्रेजी हूकुमत के खिलाफ बिगुल बजाने वाले बिरसा मुंडा ने अंग्रेजो की गुलामी कभी स्वीकार नही की थी। कार्यक्रम के आयोजक डिल्लन सिंह ताराम ने कहा कि जब तक हम सब मिलकर नहीं सोचेंगे, तब तक ना कोई नेतृत्व सशक्त होगा, ना समाज एकजुट होंगा। भगवान बिरसा मुंडा हम सबके प्रेरणा स्त्रोत हैं। जिन्होंने जल जंगल-जमीन के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। अब समय है कि हम सिर्फ जाति की नहीं, राष्ट्र की बात करें। रविकरण साहू ने कहा ऐसे आयोजन विरले होते हैं। जो पुण्यतिथि या जयंती से परे जाकर महान विभूतियों के विचारों को जीवित करते हैं। बालाघाट की यह पहल ना केवल एक संवाद है, बल्कि यह एक भविष्य की नींव है जो जनजातीय चेतना को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाएगी। श्रीमती गुंजन चौकसे ने कहा समरसता केवल विचार नहीं व्यवहार की मांग करती है। इस मंच से जो आवाज उठ रही है, वह जनजातीय समाज को नेतृत्व की नई परिभाषा देगी। इस दौरान अमोल पटले ,रमाकांत डहाके, राहुल जेमी जमईवार,जीतू बर्वे,प्रणय धार्मिक,प्र'जवल चौरसिया, सन्नी वर्मा, सरिता सोनकर, जयश्री सोनवाने,निशी पशीने,महेंद्र सुराना,नरेंद्र धुवारे,नावेद पटेल,दिलीप जानी,अमोल मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

थानेगांव तालाब की साफ-सफाई कर दिया जल संरक्षण का संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में आज मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड वारासिवनी द्वारा गठित ग्राम विकास प्रश्नफुटन समिति थानेगांव एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत थानेगांव में शिव मंदिर के पास स्थित तालाब के किनारे घाट की साफ सफाई करके गाद कचरा निकालने के लिए लगभग 2 घंटे तक श्रमदान किया गया इसके साथ ही जल के संरक्षण के लिए आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। इस अभियान में ग्रामीण लोगों से चर्चा करते हुए विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने कहा कि हमें आने वाले समय के लिए जल के विभिन्न स्थानों जैसे कुआ,बावड़ी,तालाब को बचाने के लिए हम सभी को आपस में मिलजुल कर कार्य करने होंगे। जिस प्रकार मप्र सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन का अभियान चला कर जागरूकता प्रदान की जा रही है ठीक उसी प्रकार हमें भी अपने घर,परिवार और गांव में जल संरक्षण की महत्वता को बताना होगा। जल संरक्षण के लिए हमें सोखता, गड्डे बनाना एवं बोरी बँधान करना चाहिए साथ ही साथ जल स्रोतों की साफ सफाई समय-समय पर करते रहना चाहिए। परामर्शदाता सावित्री राणा ने कहा कि हमारे द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं अनेक प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिसमें ग्रामीण जनों का अत्यधिक सहयोग मिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले के समय में जल स्तर काफी अच्छा होता था जिससे पानी की समस्या नहीं होती थी परंतु आज हमें पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है इसलिए हम सभी ने आपस में मिलजुल कर गांव में स्थित तालाब में सफाई करके श्रमदान किया। इस भीषण गर्मी में यह तालाब आम नागरिकों के साथ-साथ वन्य जीवों के लिए भी जीवनदायी साबित होगा। इस कार्यक्रम में सुरेंद्र कुमार भगत,सावित्री राणा, श्रद्धा मेश्राम, राजकुमार जी बिसेन व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में ऑनलाइन निशुल्क प्रवेश प्रक्रिया हुई प्रारम्भ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला परियोजना समन्वयक के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निशुल्क प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारम्भ की जानी है। जिसका उद्देश्य कमजोर और वंचित समूह के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा मुहैया कराना है। शासन के निर्देशानुसार नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(ग) के अनुसार यह कार्यवाही की जा रही है। प्रवेश के लिए पात्र इच्छुक आवेदक अपने ग्राम/वार्ड, पड़ोस तथा विस्तारित पड़ोस की गैर अनुदान मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए पोर्टल में जाकर अपनी समग्र आईडी और आधार का सत्यापन करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के बाद निर्धारित तिथि और सत्यापन केंद्र पर मूल दस्तावेजों से सत्यापन कराया जाना अनिवार्य होगा। सत्यापन के बाद पात्र पाए गए आवेदकों को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्कूलों का आवंटन किया जाएगा। 5 मई को निशुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूल एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट का पोर्टल पर प्रदर्शन किया जाएगा। 7 मई से 21 मई तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि सुधार किया जाएगा। 7 मई से 23 मई तक आवेदन के बाद शासकीय जन शिक्षा केंद्रों में सत्यापन कराना होगा। 29 मई को रेंडम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी द्वारा स्कूल का आवंटन एवं चयनित आवेदको को एसएमएस के द्वारा सूचना दी जाएगी। 2 जून से 10 जून तक आवंटन के बाद अशासकीय स्कूलों में प्रवेश के लिए उपस्थित होना पड़ेगा एवं स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से एडमिशन की रिपोर्टिंग देनी होगी।

सिकंद्रा में आवारा श्वानो का आतंक ग्रामीण परेशान

ग्राम पंच पिता पुत्र सहित पालतू श्वान ने हमले में किया घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पटेल टोला में आवारा श्वानो का आतंक मचा हुआ है। जहां ग्रामीणों को भय के वातावरण में रहना पड़ रहा है क्योंकि कभी भी 10 से 15 आवारा श्वानो का झुंड व्यक्ति या पालतू जानवरों पर हमला कर रहा है। जिससे हर कोई भयभीत है ऐसा ही एक हमला आवारा श्वानो के झुंड के द्वारा 28 अप्रैल की दरमियानी रात करीब 2 बजे किया गया। जिसमें ग्राम के वार्ड नंबर 7 पंच उमेन्द्र फाये एवं उनके पुत्र दीपक फाये सहित पालतू श्वान को आवारा श्वानो के द्वारा गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। यह घटना उस समय की है जब पिता पुत्र रात्रि में लघुशंका करने के लिए बाहर आए हुए थे। जिसमें दोनों के द्वारा सिविल अस्पताल वारासिवनी में अपना उपचार करवा लिया गया है।

लावारिस श्वान से पालतू श्वान की हालत गंभीर

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पटेल टोला में 15 कुत्तों का एक झुंड घूमता रहता है जिसको लेकर हर कोई डरा हुआ है। रात्रि में 2 बजे करीब वार्ड नंबर 7 पंच उमेन्द्र फाये एवं उनके पुत्र दीपक फाये सहित पालतू श्वान घर से बाहर लघुशंका करने आए हुए थे। तभी अचानक आवारा श्वान के झुंड ने उनके पालतू श्वान पर हमला कर दिया और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं दोनों व्यक्तियों को भी उन्होंने घायल कर दिया जिनके द्वारा आवाज दी गई जिस पर आस पड़ोस के लोग दौड़े और आवारा श्वान को भगाएं। इसके बाद देखा गया तो पालतू श्वान गंभीर रूप से घायल हो गया हैं तो वहीं पिता और पुत्र के हाथों में आवारा श्वानो के द्वारा काट लिया गया। जिस पर दोनों के द्वारा सिविल अस्पताल वारासिवनी में अपना उपचार करवाया गया है।

आवारा श्वानो के भय से डरे है ग्रामीणजन

यह आवारा श्वानो का झुंड लगातार ग्राम के विभिन्न क्षेत्र में भ्रमण करता रहता है। जहां पर इनके द्वारा किसी भी मकान के दरवाजे खुले होने पर घर के अंदर घुस जाते हैं या छत पर चढ़ जाते हैं। ऐसे में वर्तमान तक कोई बड़ी जनहानि तो नहीं हुई है किंतु इसका डर बना हुआ है। यह श्वान इंसान के साथ पालतू जानवरों पर भी हमला करते हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में किसान परिवार में मवेशी पालन किया जाता है जो बार बार अपने मवेशियों को देखते रहते हैं। इसलिए ग्रामीणों के द्वारा अपने मकान के दरवाजे बंद कर रखे जाते हैं। यह पहली घटना नहीं है इसके पहले भी इनके द्वारा विभिन्न प्रकार से पालतू जानवरों सहित लोगों पर हमला किया गया है।

आवारा श्वानों में बढ़ता है रैबीज वायरस

आवारा श्वान रैबीज का एक प्रमुख कैरियर है श्वान में रोग के लक्षण प्रकट होने से पांच दिन पहले ही लार में वाइरस मौजूद रहते हैं। इस समय आहार पानी की तलाश में जंगली पशुओं की गतिविधियां काफी बढ़ जाती हैं। ये जानवर श्वान के सम्पर्क में अधिक आते हैं रैबीज एक जानलेवा वाइरस संक्रामक रोग है जो रोगी श्वान के द्वारा स्वस्थ श्वान या मनुष्य को काटने या चाटने से फैलता है। इसमें रोगी के व्यवहार में बदलाव अधिक उत्तेजना पागलपन पैरालाइसिस व मौत हो जाती है। यह एक जूनोटिक रोग है जो पशु से मनुष्य व मनुष्य से पशु में फैलता है। जबकि आवारा श्वान जंगल सहित नगर सभी जगह विचरण करते रहते है जिन्हें किसी के द्वारा रैबीज एंटीवायरस इंजेक्शन नहीं लगाए जाते है। ऐसे में इस प्रकार के श्वान से हर कोई खतरा महसूस करता रहता है।

आवारा श्वानो के डर से भयभीत है ग्रामीणजन-राजू चौधरी

ग्रामीण राजू चौधरी ने बताया कि 20 से 25 आवारा श्वानो का समूह एक साथ घूमते रहते हैं। जो लोगों के पीछे दौड़ते हैं और भागने पर भाग भी जाते हैं किंतु कई बार दुर्घटनाओं का डर भी लगा रहता है। वर्तमान में डर का वातावरण बना हुआ है यह घरों में घुस जाते हैं इसलिए दरवाजे बंद रखते हैं इसमें पंचायत या जनपद को ध्यान देना चाहिए और इसका समाधान करें। क्योंकि कभी भी नुकसान ही होना है पिछली बार मोहल्ले में 6 बकरी को उनके द्वारा मारकर खा लिया गया था। उसके पहले भी कई लोगों पर इन्होंने हमला किया है लगातार ऐसी स्थिति बनी हुई है कि हमें डर कर रहना पड़ रहा है।

ग्राम में लावारिस श्वान घूमते रहते है जिससे ग्रामीणों लोगो में आक्रोश है-दीपक फाये

घायल दीपक फाये ने बताया कि रात 2 बजे की घटना है हमारा पालतू श्वान बाहर निकाला था। तो मेरे पिताजी और मैं भी लघु शंका करने के लिए बाहर आए तभी अचानक लावारिस श्वानो घूम रहे थे। इससे पहले भी उनके द्वारा तीन चार बार लोगों पर मवेशियों पर हमला किया गया है। जिन्होंने अचानक हमला कर दिया हमारे घर के पालतू कुत्ते की हालत बहुत गंभीर कर दी मुझे और मेरे पापा को हाथ में काटा है। एक बार यह हमारे घर की छत पर भी चढ़ गए थे जहां मेरे पिताजी पर हमला कर रहे थे परंतु उन्हें भगा दिया गया था। किसी के भी घर में यह घुस जाते हैं गांव में कोई दरवाजा खुला नहीं रखता है इससे इंसान के साथ पालतू जानवरों को भी नुकसान है।

जनपद पंचायत को लावारिस श्वान को पकड़कर बाहर ले जाना चाहिये-कन्हैया खैरवार

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि 15 से 20 लावारिस श्वान आए दिन बकरी और आदमी किसी पर भी दौड़कर उसे काटते हैं। कल एक घटना हुई जिसमें हमारे ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 7 के पंच और उनके लड़के सहित पालतू कुत्ते को काट दिया। जिन्होंने इंजेक्शन तो लगा लिया है परंतु आए दिन यह घटना होते रहती है। हमने विभाग को भी जानकारी दी है पर कोई कार्यवाही नहीं हुई अभी हम जनपद जा रहे हैं। यह आवारा श्वानो को पकड़ने के लिए बेहोश करना हमारा काम नहीं है इसके लिए पिंजरा लगेगा और हम कुछ कर भी नहीं सकते हैं। यह बड़े स्तर का काम है जिसमें नगर पालिका पशु चिकित्सालय जनपद या वन विभाग ही कुछ कर सकता है।

सांदीपनि विद्यालय में समर कैम्प का हुआ समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि (सीएम राइज़) विद्यालय मलांजखण्ड में 10 दिवसीय समर कैम्प का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने हस्तकला, मूर्तिकला, ड्रॉइंग, पेंटिंग और अन्य कलाओं में अपनी प्रतिभा दिखाई। समर कैम्प में विद्यार्थियों ने हस्तकला, मूर्तिकला, ड्रॉइंग, पेंटिंग, स्केच कला, आर्ट एंड क्राफ्ट, मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, आई. टी. हार्डवेयर की प्रदर्शनी में भाग लिया। इसके अलावा, योग एवं ध्यान का अभ्यास, खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत कबड्डी, खो खो, पिटुल, बेडमिन्टन, कैरम, शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के कार्यों की सराहना की और बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि समर कैम्प बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उनकी प्रतिभा को निखारने में मदद करता है। कक्षा छटवीं और सातवीं के बच्चों द्वारा राजस्थानी, उडिया, बंगाली, छत्तीसगढ़ी और मराठी लोक नृत्यों पर सुंदर प्रस्तुति दी गई। सेव अर्थ लघुनाटिका का प्रदर्शन भी किया गया। बेहतर कार्य करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटों देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि ने संस्था के प्राचार्य और शिक्षकों के कार्यों की सराहना की।समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नागेश शेणय अधिशासी निदेशक ताम्र परियोजना मलांजखण्ड और विशिष्ट अतिथि श्रीमती निरुपमा शेणय अध्यक्ष लेडीज

काल भैरव मंदिर में भंडारे का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वारासिवनी रामपायली मार्ग पर एफसीआई मैदान के सामने स्थित भैरव बाबा मंदिर में 29 अप्रैल को भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समिति के पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम भगवान काल भैरव की विशेष पूजा अर्चना कर आरती की गई तत्पश्चात विशाल भंडारा वितरण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें मार्ग पर चल रहे राहगीरों एवं आसपास के लोगों के द्वारा उपस्थित होकर महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया गया। समिति सदस्यों ने बताया कि बाबा काल भैरव का यह छोटा सा मंदिर है जहां पर लोगों की आस्था है इसी को लेकर प्रतिमाह भंडारा कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है ,जिसमें पूजा अर्चना कर लोगों को भंडारा वितरण किया जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय मुस्कान का पर्व

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया इस वर्ष 30 अप्रैल, 2025 को है। भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था, इसलिये भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मदिन मानते हैं। वैष्णव मंदिरों में उनकी पूजा की जाती है। महर्षि वेदव्यास ने इसी दिन से महाभारत लिखना शुरू किया था। अक्षय तृतीया के दिन महाभारत के युधिष्ठिर को अक्षय पात्र मिला था। इसकी विशेषता थी कि इसमें भोजन कभी समाप्त नहीं होता था। इसी पात्र से वह अपने राज्य के गरीब व निर्धन को भोजन देकर उनकी सहायता करते थे। इसी आधार पर मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाला दान-पुण्य का भी कभी क्षय नहीं होता है। इस दिन साधु-संतों के साथ ब्राह्मणों-गरीबों को भोजन कराकर व वस्त्र दान करने के साथ गायों को हरा चारा खिलाने का विशेष महत्व है। वहीं पक्षियों को परिंडे लगाकर दाने-पानी की व्यवस्था करने से विशेष लाभ मिलता है और भगवान श्री विष्णु की कृपा अपने भक्तों पर हमेशा बनी रहती है।

अक्षय तृतीया विवाहित या अविवाहित महिलाओं के लिए क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में पुरुषों की भलाई के लिए या भविष्य में उनकी सगाई होने वाले पुरुष के लिए प्रार्थना करती हैं। प्रार्थना के बाद, वे अंकुरित चने (अंकुरित), ताजे फल और भारतीय मिठाइयां वितरित करते हैं। यह दिन किसानों, कुंभकारों एवं शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। अक्षय तृतीया पर महाराष्ट्र के लोग नया व्यवसाय शुरू करते हैं, घर खरीदते हैं और महिलाएं सोना खरीदती हैं। लोग इस त्यौहार को परिवार के साथ मनाते हैं और महाराष्ट्रीयन पूरन पोली (गुड़ और दाल के मिश्रण से भरी चपाती) और आमरस (आम की एक मोटी प्यूरी) से बने नैवेद्य जैसे भोजन का भोग लगाकर देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।

देश को पवित्र लोगों की जरुरत

पवित्रता का अर्थ है शुद्धता, निर्मलता, और पवित्रता की अवस्था। यह किसी व्यक्ति, के विचार में मौजूद एक गुण या अवस्था है जो इसे विशेष रूप से पवित्र, शुद्ध या नैतिक रूप से सही बनाती है। पवित्रता का मतलब किसी चीज में 100 परसेंट वही हो जो दूध में होता हालांकि ऐ संभव नहीं होता है लेकिन 99प्रतिशत हो सकता है मेरी पवित्रता को परखने की कोशिश ना करो नहीं तो नफरत की आग में जलना तय है उसे कुछ भी नहीं होगा क्योंकि वो पवित्र है भगवान राम का सच्चा भक्त जो राग, द्वेष, काम, क्रोध लोभ से परे हो मन में यदि एक बार इससे नाता टूटा तो आपका जीवन बदल गया धर्म क्या है एक पवित्र गुण जैसे आग का गुण जलना पानी का गुण शीतल प्रदान करना है आतंकवादी पूर्ण रूप से अपवित्र और क्रूर होता हैं जो 100प्रतिशत अशुद्ध है जो अपनी गन्दी हरकतों से डराता है लेकिन आप भगवान राम को याद करें आपको डरने की जरुरत नहीं है आपका मरना निश्चित है लेकिन यदि डर गए तो ऐसे भी मरेंगे सामना करना चाहिए और यदि उस परमात्मा का नाम लेकर मरे तो आपको वह पुन: नई जिंदगी दे देगा और मरने का भय नहीं होगा दरअसल आप वहाँ जाने से पहले मिलावटी लोगों के बातों पर भरोसा कर लिया और वहाँ की सच्चाई जानने के लिए पता नहीं किया और ऐ परिणाम सामने आया लोग उस मुद्दे को कागजी शेर की तरह बस मंच पर ही गरज रहें हैं और जहाँ पाकिस्तान की गर्दन पकड़ना चाहिए वहीं आप पानी बन्द कर , दुनिया में इसे ढिंढोरा पिट कर आप खुद ही असहाय हो गए जहाँ फाइटर जेट भेज कर आतंकवादी के गढ़ में घुसकर उसे मिट्टी में मिलाना चाहिए वहाँ इन छोटी सी कार्यवाही से काम नहीं चलेगा कैसे इजराइल करता है एक बहुत छोटा सा देश होकर चारों तरफ से आतंकवादी से घिरा है लेकिन हर मोर्चे पर किसी से ना डरते हुए उसे सबक सीखा रहा है भारत में जम्मू काश्मीर की नई सरकार बनी है अत: उस पर नजर बनाए रखनी चाहिए जिसे कभी 370 हटने पर होम अरेस्ट किया आज उनकी सरकार बनी तो निश्चित रूप से कभी वो आपका साथ नहीं देंगे क्योंकि उनका ताल्लुक अलगवादी नेता से है वो चुप क्यों है क्या सुरक्षा के लिए उनकी जिम्मेदारी नहीं थी जब तक दुश्मन को नहीं मारोगे तो अपने शहीद सैनिकों व नागरिकों के ताबूत इसी तरह आते रहेंगे कुछ ठोक कर उधर भी भेजवा दो तो मालूम होगा कि जान की क्या कीमत होती है लेकिन केवल कागजी शेर की तरह बोलने से नहीं करके दिखना होगा चाहे इसके लिए कोई भी कीमत क्यों ना चुकाना पड़े देश सर्वोपरि है लेकिन आप को बार बार की झंझट से छुटकारा मिलेगा और देश की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी और लोगों में आपके प्रति विश्वास भी बढ़ेगा. आज यदि गुरुगोविन्द सिंह होते तो अब तक तो लाशों के ढेर लगा देते और उसमें उनके भक्त शहीद भी होते क्योंकि उनमें एक जज्बा था और इसलिए चमकौर के युद्ध में मुट्ठी भर सैनिकों से दुश्मन की लाखों की सेना को मात दे दी इसलिए उनकी पूजा होती है क्योंकि वो 100 परसेंट शुद्ध थे जो खालसा कहलाता है।

इसके लिए हर इंसान के पास एक कृपान तो दे दो गुरू गोविन्द सिंह जी ने उस समय कृपान रखना जरुरी किया था जो आत्म रक्षा हेतु था आज भी इजराइल में आत्मरक्षा हेतु पिस्टल दिए जाते हैं उसका गलत इस्तेमाल कभी नहीं बल्कि आत्मरक्षा हेतु मिलता है , भगवान श्री राम अपने जीवन में सभी संघर्ष के बाद भी जब राजा बने तो प्रजा के

हित में माता सीता को भी छोड़ दिया नहीं तो उनपर परिवारवाद का आरोप लगता ईश्वर का साक्षात रूप होते हुए भी ना तो उसपर कोई स्कालर की पढ़ाई है ना लोग उसमें रूचि रख रहें हैं इसी सब के कारण हमसब एक जुट नहीं हो रहें हैं - भगवान राम के प्रेम में एक अलग आंनद मिलता है ध्यान करो साक्षात् मिलेंगे और एक साहस देंगें लेकिन कुछ में पूर्ण अपवित्र तो नहीं लेकिन मिलावट है जैसे कुछ लोग मतलबी होते हैं कुछ नासमझ या क्रोधी उन्हें लगता है हम सही हैं और आप गलत हो जाता, गर्मी, बरसात, में एक जैसा रहना स्वास्थ्यकर है लेकिन थोड़ा गर्मी लगा तो पंखा से काम चल सकता है लेकिन एयर कंडीशन चाहिए इसलिए यदि किसी से सीखना हो तो भगवान राम से बेहतर कोई नहीं है जो एक मर्यादा का पालन कठिन से कठिन परिस्थिति में 14वर्ष जंगल में बिताया और निडर होकर रावण से लड़े उसमय समुद्र के पास गर्मी कितनी होगी लेकिन डरे नहीं क्योंकि वो शत प्रतिशत पवित्र थे आज आप गर्मी से बचने के लिए एसी का इस्तेमाल करते हैं लेकिन मालूम है एयर कंडीशनिंग गर्मी और उमस से राहत प्रदान करती है, यह कुछ स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा कर सकती है। लंबे समय तक एसी के संपर्क में रहने से त्वचा शुष्क हो सकती है, निर्जलीकरण हो सकता है और संभावित रूप से अस्थमा और एलर्जी जैसी श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। खराब रखरखाव वाले एसी सिस्टम धूल, फफूंद और अन्य एलर्जी को भी प्रसारित कर सकते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर और अधिक असर पड़ता है।

अत: आप वातावरण की खुली हवा से डर गए और रोग मोल ले लिया अत: आप मिलावटी हो गए क्योंकि आप ईश्वर की बात नहीं मानी, पहले आप लोअर पोस्ट पर थे सब से मिलते थे जैसे ही प्रमोशन हुआ आप अपने पुराने मित्र से मिलना छोड़ दिए और पद का घमंड हुआ लेकिन जैसे ही रिटायर होंगे बड़े लोग तो पीछे छूटे और अब आपका साथ किसी बीमारी में आपका साथ छोटे ने ही दिया ब ? लोग केवल मुँह दिखाकर चले गए अत: अब आपको समझ आया कि मैं मिलावटी था क्योंकि यदि शुद्ध होते तो घमंड नहीं होता अत: आप भगवान राम से सीखिए की वो ईश्वर का रूप थे छोटे लोगों से ही उनके टीम में थे जिसमे घमंड बिलकुल नहीं था इसलिए वो जीत गए क्योंकि वो मिलावटी लोगों से दूर हो गए क्योंकि एक मिलावटी आदमी शुद्ध आदमी को भी मिलावटी बना देगा अत: भगवान श्री राम का न्याय बिलकुल खरा है क्योंकि जब राम मंदिर बना तो राजनीति में उन्हें घसीटा और जीत तो एनडीए की हुई लेकिन उनको पूर्ण बहुमत नहीं मिला और बहुत मुश्किल से सरकार बना क्योंकि जो श्रेय ईश्वर को देना चाहिए उसे आपने अपना बना दिया और मिलावटी हो गए और देश में आपकी बदनामी हुई और आप को भी झटका लगा क्योंकि आप मिलवाटी थे नहीं तो इसका श्रेय कारसेवकों को भी देते जिन्होंने अपनी जान की परवाह ना कर राम मंदिर बनने के लिए लोहा लिया उनका बलिदान अमर है ऐ बात को समझ नहीं पाए क्योंकि वो छोटे लोग थे अत: पार्टी में मिलावटी लोगों ने ही आपका खेल बिगाड़ दिया और जब आपने उस मुद्दे को छोड़ दिया तो राज्य में आपको जीत मिली क्योंकि आप सतर्क हो गए और मिलावटी लोगों से किनारा किया जनता का सम्मान किया और जीते.अत: आज देश को जरुरत है अपने दम पर सैन्य कार्यवाही करने की क्योंकि धर्म देखकर जिस तरह गन्दा काम किया और ऐ पूर्ण रूप से पाकिस्तान का हाथ तो इनका सही इलाज करें देखें कैसे सब उगल देगा क्योंकि इस घटना के कुछ दिन पूर्व ही पाकिस्तान के सेना प्रमुख का भारत को लेकर विवादित बयान सामने आया था हाथी के पूंछ पकड़ कर कुछ हासिल नहीं होगा उसका सुड़ पकड़ने की जरुरत है तभी आप शुद्ध नजर आएंगे और भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा होगा।देश को पवित्र लोगों की जरुरत पवित्रता का अर्थ है शुद्धता, निर्मलता, और पवित्रता की अवस्था।

– संजय गोस्वामी

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया ? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी खजाने को अरबौं का नुकसान

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मध्य प्रदेश के शराब कारोबारियों से जुड़े हुए फर्जीवाडे को लेकर 11 शराब कारोबारी के 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। इस छापामारी में 49 करोड़ 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी और सरकारी खजाने मे और वह रुपए की डकैती डालने का मामला सामने आया है। ईडी ने मनी लॉड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई की है। जांच एजेंसी को छापे के दौरान कई ऐसे दस्तावेज और जानकारियां प्राप्त हुई हैं, जिससे करोड़ों-अरबों रुपए का किया गया घोटाला मध्य प्रदेश में उजागर हुआ है। मध्य प्रदेश में 2015-16 मे पहली बार यह मामला उजागर हुआ था। उस समय इस मामले को दबा दिया गया था। हाल ही में ईडी की टीम ने जब छापा मारकर जांच शुरू की। उसके बाद एक के बाद एक नए फर्जीवाड़े की परतें खुलकर सामने आनी शुरु हो गई हैं। 2015-16 से 2017-18 के बीच चालानो में फर्जीवाडा किया गया। जिससे सरकार को अरबो रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। बैंक गारंटी के रूप में फर्जी गारंटी प्रस्तुत की गई। शराब कारोबारियों द्वारा दस्तावेजों में हेराफेरी करके करोड़ों रुपए का नुकसान सरकारी खजाने को पहुंचाया गया। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से शराब कारोबारी फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इस लूट में सभी शामिल थे। जब मामला सामने आया, तब तत्कालीन आबकारी मंत्री की भूमिका संदेहासप्रद रही। आबकारी विभाग के जिस अधिकारी संजीव दुबे की सरपरस्ती में आबकारी विभाग में करोड़ों रुपए के घोटाले हुए थे, 2017 में उसकी एफआईआर दर्ज हुई। क्योंकि इस लूट में आबकारी विभाग के महत्वपूर्ण पदों में बैठे लोग शामिल थे अत- मामले को दबा दिया गया। जब यह मामला उजागर हुआ, तब शराब ठेकेदारों ने 22 करोड़ रुपए सरकार के खाते में जमाकर मामले को दबबा दिया था। इस मामले को दबाने मे आबकारी विभाग के अधिकारी और तत्कालीन मंत्री की भूमिका थी। उस समय सभी जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए पदाधिकारियों ने इस लूट में अपना-अपना हिस्सा वसूल किया था। 2017 से यह मामला ईडी के पास लंबित पड़ा हुआ था। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा बार-बार जानकारी मांगी गई। उसके बाद भी आबकारी विभाग द्वारा ईडी को समय पर जानकारी नहीं दी जा रही थी। ईडी ने शराब कारोबार से जुडे ठेकेदारों और अधिकारियों की जांच अपने स्तर पर कर 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। अभी तक लगभग 50 करोड़ रुपए के सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले दस्तावेजों को ईडी ने जप्त किया है। इस मामले की जिस तरह से ईडी जांच कर रही है, उससे अरबो रुपए की धोखाधड़ी के नए मामले उजागर होने की संभावना ईडी के अधिकारियों ने व्यक्त की है। शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा राजनेताओं की मिली भगत से बड़े पैमाने पर अरबों रुपए के घोटाले हर राज्य में हो रहे हैं। दिल्ली का मामला पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में है। मध्य प्रदेश मे भी हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए का घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग की मिलीभगत से होता है। शराब कारोबार मे सरकारी खजाने को सुनियोजित रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर शराब कारोबार से जुड़े किस तरह के अपराध होते हैं, यह मामला सामने आ चुका है। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय द्वारा आबकारी विभाग में चल रहे घोटाले की ट्रैकिंग पिछले कई महीनो से की जा रही थी। सही तरीके से कार्रवाई हुई, तो इसमें बड़े-बड़े खुलासे होंगे। यह मामला मध्य प्रदेश का है। देशभर में इसी तरीके से फर्जी दस्तावेजों के जरिए बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने में घोटाले किए जा रहे हैं। ट्रेजरी में चालान से और ऑनलाइन ट्रांसफर की गई राशि का मिलान कई-कई वर्षों तक नहीं हो पाता है। अधिकारियों की कोई रुचि नहीं रहती है। जिस तरीके से ट्रेजरी में लेन-देन बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय और वित्त विभाग के पास जो दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकार के खातों में जो रकम जमा होती है। उसका मिलान करने का सिस्टम नहीं होने से हर राज्य में अरबो रुपए की धोखाधड़ी बदस्तूर जारी है। विभागों और वित्त मंत्रालय की ट्रेजरी के बीच में ऐसा कोई तरीका नहीं अपनाया जाता है, जिससे यह पता लगे, कहां पर किस लेवल पर गड़बड़ी हो रही है। ईडी ने इस मामले में छापे डाले हैं। निश्चित रूप से नए-नए खुलासे होंगे। धोखाधड़ी और दस्तावेजों में हेरा-फेरी करके राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को अरबौं रुपए का नुकसान हर महीने पहुंचाया जा रहा है। उसमें रोक लगेगी, यही आशा की जा सकती है।

-सनत जैन

भगवान परशुराम ने समाज में एकता समरसता का संदेश दिया जो उनकी जयंती का महत्वपूर्ण पहलू है

वैश्विक स्तरपर भारत को पृथ्वी का सबसे बड़ा आध्यात्मिक महाकुंभ कहा जाता है, ऐसे विचार मैंने अनेकों बार बड़े बुजुर्गों से सुने हैं परंतु वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि कैसे बड़े-बड़े धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन भारत में होते रहते हैं, जिसका सबसे बड़ा सटीक उदाहरण हमने अभी महाकुंभ के रूप में देखा जिसनें पूरी दुनियाँ में एक मिसाल कायम की है,हमारे बड़े बुजुर्गों का आदि अनादि काल से कहना रहा है कि जब- जब पृथ्वी पर अन्याय अत्याचार व पापों का सैलाब आता है तो ऊपर वाला किसी ने किसी रूप में अवतरित होकर उन पापियों अत्याचार्यों का दमन करने आते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 29 अप्रैल 2025 को ऐसे ही एक अवतार भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम के रूप में हुआ था, इसीलिए ही इस न्याय के देवता की जयंती इस दिन बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है, वैसे इस दिन अक्षय तृतीया भी होती है परंतु इस वर्ष 2025 में अक्षय तृतीया 29 या 30 दोनों दिन मनाने की खबरें आ रही है।चूँकि भगवान परशुराम ने समाज में एकता समरसता का संदेश दिया है जो उनकी जयंती का महत्वपूर्ण पहलू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम जयंती महोत्सव 29 अप्रैल 2025, परशुराम ने धरती पर अन्याय व अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई थी यह पूरी जानकारी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से ली गई है व इसकी सटीकता का प्रमाण नहीं है परंतु आदि अनादि काल से यह रीत चली आ रही है।

साथियों बात अगर हम भगवान परशुराम के जीवन को जानने की करें तो, उन्होंने एकता का सूत्र संसार को दिया है। सभी जाति और समाजों में समरसता का संदेश दिया है। भारतीय वाङमय में सबसे दीर्घ जीवी चरित्र परशुराम जी का है। सतयुग के समापन से कलयुग के प्रारंभ तक उनका उल्लेख मिलता है। भगवान परशुराम जी के जन्म समय को सतयुग और त्रेता का संधिकाल माना जाता है। भारतीय इतिहास में इतना दीर्घजीवी चरित्र किसी का नहीं है। वे हमेशा निर्णायक और नियामक शक्ति रहे। दुष्टों का दमन और सत-पुरूषों को संरक्षण उनके चरित्र की विशेषता है। उनका चरित्र अक्षय है, इसलिए उनकी जन्म तिथि वैशाख शुक्ल तृतीया को माना गया। इस दिन का प्रत्येक पल, प्रत्येक क्षण शुभ मुहूर्त माना जाता है। विवाह के लिए या अन्य किसी शुभ कार्य के लिए अक्षय तृतीया के दिन अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं है। उनके जीवन का समूचा अभियान, संस्कार, संगठन, शक्ति और समरसता के लिए समर्पित रहा है। मानव जीवन को व्यवस्थित ढांचे में ढाला भगवान परशुराम ने मानव जीवन को व्यवस्थित ढांचे में ढालने का महत्वपूर्ण कार्य किया। दक्षिण के क्षेत्र में जाकर वहां कमजोर समाज को एकत्रित कर समुद्र तटों को रहने योग्य बनाया। अगस्त ऋषि से समुद्र से पानी निकालने की विद्या सीख कर समुद्र के किनारों को रहने योग्य बनाया। एक बंदरगाह बनाने का भी प्रमाण परशुराम जी का मिलता है। वही परशुराम जी ने कैलाश मानसरोवर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से पर्वत का सीना काटकर ब्रह्म कुंड से पानी की धारा को नीचे लाये जो ब्रह्मपुत्र नदी कहलायी। भगवान परशुराम समतावादी समाज का निर्माण करने वाले थे। भले ही उन्हें ब्राह्मणों का हितैषी और क्षत्रियों का विरोधी माना जाता रहा है। यह परशुराम जी को बेहद संकुचित आधार पर देखने की दृष्टि है। हम महापुरुषों को उनकी जाति के आधार पर देखते हैं। परंतु इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दिया गया है कि उन्होंने क्षत्रियों को इसलिए पराजित नहीं किया कि वह क्षत्रिय थे या ब्राह्मण नहीं थे। उन्होंने क्षत्रिय समाज के उन अहंकारी राजाओं को परास्त किया जो समाज रक्षण का मूल धर्म भूल गए थे। क्षत्रियों पर उनके क्रोध के पीछे का कारण को समझने से पता चलता है कि उस समय क्षत्रियों के अत्याचार और अन्याय इतने बढ़ गए थे कि उन्होंने क्षत्रियों को सबक सिखाने का प्रण किया। दूसरा अपने मौसा जी सहस्त्रबाहु द्वारा अपने पिता के आश्रम पर आक्रमण और पिता की हत्या ने भी परशुराम के क्रोध को भड़का दिया।

साथियों बात अगर हम हिंदू धर्म में परशुराम जयंती के खास महत्व की करें तो, हिन्दू धर्म में परशुराम जयंती का खास महत्व है, पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली तृतीया तिथि पर विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जयंती मनाने का विधान है, भगवान विष्णु के इस अवतार को बहुत ही उग्र माना जाता है,धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन सच्चे मन से भगवान परशुराम की पूजा करने से ज्ञान, साहस और शौर्य आदि की प्राप्ति होती है, साथ ही जीवन में खुशियां बढ़ती हैं। भगवान परशुराम जयंती का धार्मिक महत्व परशुराम जयंती पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं, भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र की विधिपूर्वक पूजा करते हैं, उनके जन्म की कथा का पाठ, हवन और दान करना भी इस दिन विशेष पुण्यकारी माना जाता है, परशुराम जी को ब्राह्मण और क्षत्रिय दोनों के गुणों का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा से ज्ञान, शक्ति और न्याय की प्राप्ति होती है। भगवान परशुराम सात चिरंजीवियों अश्वत्थामा, राजा बलि, परशुराम, विभीषण, महर्षि व्यास, हनुमान, कृपाचार्य इनमें से एक हैं। भगवान विष्णु के छठे अवतार एवं ब्राह्मण जाति के कुल गुरु परशुराम, जिनकी जयंती वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया के दिन मनाई जाती है। मत्स्य पुराण के अनुसार इस दिन जो कुछ भी दान किया जाता है वह अक्षय रहता है यानि इस दिन किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता है। सतयुग का प्रारंभ अक्षय तृतीया से ही माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव के परम भक्त परशुराम न्याय के देवता हैं, जिन्होंने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रिय विहीन किया था।

साथियों बात अगर हम भगवान परशुराम के भृगु वंशी होने की करें तो, यह वही भृगु वंश है, जिसमें भृगु ऋषि ने अग्नि का आविष्कार किया था। श्रीमद्भगव द्गीता के दसवें अध्याय में भगवान ने कहा-मैं ऋषियों में भृगु हूं ! महर्षि भृगु को संसार का पहला प्रचेता लिखा गया है। विष्णु पुराण के अनुसार नारायण को ब्याहीं श्री लक्ष्मी महर्षि भृगु की ही बेटी थीं। समुद्र मंथन से उत्पन्न लक्ष्मी तो उनकी आभा थी। भृगु वंश में ही महर्षि मार्कण्डेय, शुक्राचार्य, ऋचीक, विधाता, दधीचि, त्रिशिरा, जमदग्नि, च्यवन और नारायण का ओजस्वी अवतार भगवान परशुराम जी का जन्म हुआ।महर्षि भृगु को अंतरिक्ष, चिकित्सा और नीति का जनक माना जाता है। अंतरिक्ष के ग्रहों और तारागणों की गणना का पहला शास्त्र भृगु संहिता है। वामन अवतार के बाद परशुराम का अवतार हुआ। वामन अवतार जहां जीव के जैविक विकास क्रम का लघु रूप था। वहीं परशुराम मानव जीवन के विकास क्रम के संपूर्णता के प्रतीक थे। ब्राह्मण समाज में भी उन्होंने सत्ता दी जो संस्कारी थे, सदाचारी थे। वही यदि कोई ब्राह्मण संस्कार विहीन है तो उसे भी पदावनत किया। साथ ही अगर कोई संस्कारवान है तो उसे ब्राह्मणों की श्रेणी में रखने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। उनका भाव इस जीव सृष्टि को इसके प्राकृतिक सौंदर्य सहित जीवंत बनाए रखना था। वे चाहते थे कि यह सारी सृष्टि पशु पक्षियों, वृक्षों, फल फूल और समूची प्रकृति के लिए जीवित रहे। उनका कहना था कि राजा का धर्म वैदिक जीवन का प्रसार करना है ना कि अपनी प्रजा से आज्ञा पालन करवाना।

साथियों बात अगर हम भगवान परशुराम के संबंध में पौराणिक कथाओं की करें तो, भगवान परशुराम का जन्म भृगुश्रेष्ठ महर्षि जमदग्नि द्वारा सम्पन्न पुत्रेष्टि यज्ञ से हुआ। यज्ञ से प्रसन्न देवराज इन्द्र के वरदान स्वरूप पत्नी रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को एक बालक का जन्म हुआ था। वह भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। पितामह भृगु द्वारा सम्पन्न नामकरण संस्कार के अनन्तर राम,जमदग्नि का पुत्र होने के कारण जामदग्न्य और शिवजी द्वारा प्रदत्त परशु धारण करने के कारण वह परशुराम कहलाए। जब माता पृथ्वी ने श्री विष्णु से की विनती पुराणों के अनुसार कार्तवीर्य अर्जुन नाम का राजा था जो महिष्मती नगरी पर शासन करता था। राजा कार्तवीर्य और उसके अनेकों सहयोगी क्षत्रिय राजा मित्र विनाशकारी कार्यों में लिप्त थे और वह सब मिलकर अकारण ही निर्बलों पर अत्याचार करते थे। उनके अनाचार और अत्याचार से सभी जगह हाहाकार मच गया,निर्दोष जीवों के लिए जीना कठिन हो गया। इस सबसे दुखी होकर माता पृथ्वी ने भगवान नारायण से पृथ्वी और निर्दोष प्राणियों की सहायता करने के लिए विनती की। माता पृथ्वी की मदद के लिए भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में देवी रेणुका और ऋषि जमदग्नि के पुत्र के रूप में अवतार लिया। भगवान परशुराम ने कार्तवीर्य अर्जुन तथा सभी अनाचारी राजाओं का अपने फरसे से वध कर माता पृथ्वी को उनकी हिंसा और क्रूरता से मुक्त कराया।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम जयंती महोत्सव 29 अप्रैल 2025- परशुराम ने धरती पर अन्याय व अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई थी।भगवान परशुराम ने समाज में एकता समरसता का संदेश दिया जो उनकी जयंती का महत्वपूर्ण पहलू है। पृथ्वी पर जब-जब अत्याचार व पाप बढ़ते हैं तो जीवों का कल्याण व रक्षा करने संतो महात्माओं युगपुरुषों का अवतरण हुआ है, बड़े बुजुर्गों का सत्य कथन है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली के अभाव में मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सुस्ती आयी। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। मसूर व उड़द में टिकाव रहा। किराना जिंसों में खसखस बाजार सुस्ती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली का अभाव है। जिससे बाजार में नरमी है। तिलहनों में सुस्ती देखी गयी। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। मसूर व उड़द में बाजार कारोबार विशेष के अभाव में कमजोर रहे। उधर, किराना जिंसों में खसखस में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4180, खोपरा गोला 210-245, खोपरा बूरा 3800-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 175-215, सांगली 260-280, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, गरबल 715-720, मटरदाना 770-795, खसखस अनक्लीन 1050-1200, क्लीन 1220-1330, दालचीनी 250-265, जायफल 725-790, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1625-1900, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2100-2150, (160) 2400-2450, (200) 2800-2850, (250) 2800-2850

तेल- सींगदाना 1310-1330, मुम्बई 1340, राजकोट तेलिया 2090, सोया साल्वेंट 1170-1180, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1240, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1280, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1290,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2240, देवास-उज्जैन 2240, खंडवा-बुरहानपुर 2215, अकोला 3050 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6500-6600, रायडा 5600-5800, सोयाबीन 4350-4400, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही देखा गया। दोनों कीमती धातुओं में आंशिक तेजी रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 97000, चाँदी (99) 96900, टंच 96400, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 97500,

वर्ष 2024-25 में आधार कार्ड धारकों ने 2,707 करोड़ सत्यापन किए गए

नई दिल्ली। आधार कार्ड धारकों ने वित्त वर्ष 2024-25 में सत्यापन के लिए 2,707 करोड़ से अधिक लेनदेन किए जिनमें से 247 करोड़ सत्यापन अकेले मार्च महीने में ही किए गए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक मार्च 2025 में आधार के जरिये सत्यापन की कुल संख्या (246.75 करोड़) पिछले वर्ष की इसी अवधि के साथ फरवरी 2025 में किए गए सत्यापन से भी अधिक है। इसके साथ ही आधार की शुरुआत के बाद से अब तक हुए सत्यापन लेनदेन की कुल संख्या 14,800 करोड़ से अधिक हो गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा विकसित कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग पर आधारित आधार चेहरा सत्यापन में महत्वपूर्ण वृद्धि देखने को मिल रही है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपकी सोच में सकारात्मकता बनी रहेगी और आप बचत पर भी पूरा ध्यान देंगे। आर्थिक विषयों में आपको स्पष्टता बनाये रखनी होगी। आप अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटेंगे और वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए समस्या बन सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। भाईचारे की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी काम को लेकर यदि आपका मन परेशान था, तो उसके लिए आप अपनी माताजी से बातचीत कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में किसी काम को लेकर पार्टनरशिप करेंगे। किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की आप योजना बना सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार में संतुलन बनाए रखने के लिए रहेगा। मित्रों का आपको पूरा सहयोग बना रहेगा। कोई खुशखबरी मिलने से मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा। संतान को परीक्षा में अच्छे सफलता मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको किसी नये वाहन की खरीदारी करना अच्छा रहेगा। आप किसी से बहसबाजी में ना पड़े। आप दिखावे के चक्कर में अत्यधिक धन व्यय कर सकते हैं। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कर्क- आज आपके मन में परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। कामकाज को लेकर आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपको अपने बिजनेस में कोई बड़ा काम मिलने से आपको कुछ और लोगों को भी शामिल करना पड़ सकता है। आप अपने खानपान पर पूरा ध्यान दें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। नौकरी में आपको किसी अजनबी पर भरोसा नहीं करना है। आपको अपने कामों को समय रहते निपटाना होगा। आपके किसी मित्र से संबंधों में कटुता आ सकती है, इसलिए आप किसी दूसरे की बातों पर भरोसा बिल्कुल ना करें। आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। आप कामों को लेकर अधिक मेहनत करेंगे।

कन्या- आज के दिन आपको व्यर्थ के वाद-विवाद में पड़ने से बचने के लिए रहेगा। विद्यार्थी कुछ नया सीखने पर पूरा जोर देंगे। रक्त संबंधों रिश्तों में मधुरता आएगी। माता-पिता आपकी किसी बात को लेकर नाराज रहेंगे। यदि ऐसा हो, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करें। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। कोई निर्णय आप जल्दबाजी में ना लें।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी से कोई महत्वपूर्ण बात को साझा ना करें। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। सरकारी नौकरी में लोगों को प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। कोई शारीरिक समस्या आपको परेशानी देगी। आप अपने खर्चों को लेकर योजना बनाकर चलें और जो जरूरी हो उन्हें ही करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। सामाजिक कामों पर आपकी अच्छी छाप रहेगी। आप अपनी कला से अच्छा नाम कमाएंगे। भाईचारे की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में कोई पुरस्कार मिल सकता है और आपके किए गए कामों की सराहना होगी। आप किसी धार्मिक आयोजन की तैयारी कर सकते हैं।

धनु- आज आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। स्वास्थ्य में चल रही समस्याएं आपको फिर से समस्या दे सकती हैं। आपको किसी दूसरे के मामले में ज्यादा नहीं बोलना है और आप अपने घर की साज-सज्जा पर पूरा ध्यान देंगे। संतान के विवाह में आ रही समस्याएं भी दूर होती दिख रही है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप किसी बात को लेकर जिद या अहंकार ना दिखाए। आपकी पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपको किसी की कहीसुनी बातों में आने से बचना होगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा, लेकिन पार्टनरशिप आपके लिए समस्या खड़ी कर सकती है।

कुंभ- व्यापार कर रहे लोगों के ऊपर काम का दवाब अधिक रहेगा। आपको अपने घर और बाहर के कामों में समानता बनाए रखने की पूरी कोशिश करें। लेनदेन आप किसी अजनबी से ना करें, क्योंकि आपको उस धन के मिलने में समस्या आ सकती है। आपको अपने खर्चों पर लगाम लगाने की आवश्यकता है। विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले जातकों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आप राजनीति में आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। निजी मामलों में आप थोड़ा ध्यान देकर कामों को करें। आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा और सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आपको किसी धन संबंधित मामले में लापरवाही करने से बचना होगा।

शब्दजाल - 7884

शब्द जाल में अमजद खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शोले, चरस, शतरंज के खिलाड़ी, परवरिश, कुर्बानी, दादा, देश परदेश, हम किसी से कम नहीं, जमानत, लूटमार.

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	रा	ट	ह	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तू	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

शब्दजाल - 7883 का हल

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ग	झ	क
ज	पा	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	र्की	को
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	स्ता	धा	त	क	फ	लो	श	या
क	मो	श	न्न	न	क	ट	री	ग	रि	ता
द	र	ल	प	व	जि	र्त	ऐ	जी	प	रु
ती	क्को	ल	श	इ	प	म	इ	कौ	ला	इ
क	इं	डो	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	रा
क	स	बा	तें	व	न	ज	द	शा	जू	न
द	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	रु
बां	ग	ला	दे	श	नी	हो	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6828

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्रॉफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6827

अ	मृ	त		गु	म		दी		घा
क्स		ह	म	ला		अ	दा	ल	त
	खे	ल		म	न		र		क
सं		का	का		गी	ता		जू	
घ	र		ज	मा	ना		श	ही	द
र्ष		मि	ल	न			र्मि		ट्रे
	ज्वा	ला		अ	ल	बे	ला		न
झु		प		भि		ट		औ	
म	र्द			मा	ला			जा	न
रू		अ	र्जु	न		पु	का	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8352

बाएँ से दाएँ

1. सरस्वती-3
3. किनारा, तट-3
5. मूल्य, कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध, व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन, मातहत-3
12. संज्ञा, संबोधन-2
13. मार्ग, रास्ता-2
14. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
16. धुन, आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र, तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार, अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या, सांझ-2
2. असुर, दैत्य-3
3. शोरबा, रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश, एडमिट-3
7. वर यात्रा, दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम, साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी, रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई, सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी, दीवान-3
19. रवैया, तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता, लतिका-2

शब्द पहेली -8351 का हल

	ना	ह	र			आ		सी
रॉ		म		फ	स	ल		ल
क	म	ला	क	र		म	ही	न
		ब		क	म		र	
ब	ना	र	स		द	र	क	ना
	जु		म	य		ख		
अ	क	ल		ती	मा	र	दा	री
स		क	र	म		खा		स
ली		बा			ह	ब	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.21 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन	08.19 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.32 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.49 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.00 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.11 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.26 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.42 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.47 बजे से
		कुंभ	01.34 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	03.06 बजे से
		मेष	04.37 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 120 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 14.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 16.18 बजे को समाप्त।
योग शोभन 12.02 बजे को समाप्त।
करण गर 14.13 बजे तदनन्तर वणिज 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872330
जूलियन दिन 2460795.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद
तारीख 01
विशेष अक्षय तृतीया, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: बादशाह की सीख

यह घटना उस समय की है, जब दिल्ली के तख्त पर नसरुद्दीन नामक बादशाह बैठा हुआ था। वह बहुत ही भला और सहिष्णु शासक था। वह शाही खजाने का उपयोग केवल प्रजा की भलाई के लिए करता था। वह अपने परिवार का खर्च कुरान शरीफ का अनुवाद करके चलाता था। एक दिन उसके एक नौकर ने कहा, 'बादशाह सलामत! मेरी बेटी की शादी है। यदि आप इसमें थोड़ी सहायता कर सकें तो बड़ी मेहरबानी होगी।' नौकर की बात सुनकर नसरुद्दीन ने कहा, 'भाई, इस समय तो मेरे पास केवल मेरी कमाई के दो रुपये हैं। तुम इन्हें ले जाओ। खुदा तुम्हारा भला करेगा।' केवल दो रुपये देखकर नौकर हैरानी से बादशाह की ओर देखने लगा। बादशाह ने कहा, 'भइया, ये दो रुपये मेरी नेक कमाई के हैं। कुछ कम जरूर हैं, मगर तुम यह हमेशा याद रखो कि नेकी की कमाई में हमेशा बढ़ोतरी ही होती है।' अब इस पर नौकर क्या कहता। उसे लगा बादशाह और पैसे नहीं देना चाहते। वह मायूस होकर अपने गांव चल पड़ा। रास्ते में उसने सोचा कि इन रुपयों से उसकी बेटी की शादी में कोई खास मदद नहीं हो पाएगी, इसलिए उसने उससे अनार की कुछ टोकरियां खरीद लीं। कई दिनों बाद गांव के करीब पहुंचने पर नौकर को पता चला कि नसरुद्दीन की बीवी सख्त बीमार है और हकीम का कहना है कि वह अनार का रस पीने से ही ठीक हो सकती हैं। बादशाह ने घोषणा की थी कि जो कोई भी अनार लेकर आएगा उसे एक अनार के एक हजार रुपए दिए जाएंगे। उस समय राजधानी में अनार नहीं मिल रहे थे। घोषणा सुनकर नौकर तेजी से लौटा और अनार लेकर राजदरबार में पहुंच गया। बादशाह ने खुश होकर सभी अनार खरीद लिए और नौकर को एक लाख रुपये देकर विदा किया। नौकर रुपये लेकर अपने घर लौट आया। उसने धूमधाम से अपनी बेटी की शादी की। बादशाह की बात सच निकली कि नेकी की दौलत में बढ़ोतरी होती है।

सूडोकू नवताल- 7137

★★★ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7136 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

बढ़त के साथ खुले स्थानीय शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेतों की वजह से मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में पीएसयू बैंक, ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी दर्ज की गई। सुबह खुलते ही सेंसेक्स 409.4 अंक बढ़कर 80,627.85 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 118.10 अंक चढ़कर 24,446.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 492.90 अंक बढ़कर 55,925.70 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 490.90 अंक बढ़कर 54,931.15 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 183.15 अंक चढ़कर 16,860.05 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार सकारात्मक शुरुआत के बाद निफ्टी को 24,250 पर समर्थन मिल सकता है। उच्च स्तर पर 24,500 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है, इसके बाद 24,600 और 24,700 पर प्रतिरोध होंगे। सेंसेक्स पैक में इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, एमएंडएम, टाइटन, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इटरनल, मारुति सुजुकी और पावर ग्रिड टॉप गेनर्स रहे। जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा और एशियन पेंट्स टॉप लूजर्स रहे। वहीं एशियाई बाजारों में चीन और बैंकॉक लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे, जबकि जकार्ता, सोल, हांगकांग और जापान के बाजार हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 0.28 प्रतिशत बढ़कर 40,227.59 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.06 प्रतिशत चढ़कर 5,528.75 पर और नैस्डैक 0.10 प्रतिशत गिरकर 17,366.13 पर बंद हुआ। संस्थागत मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार शुद्ध खरीदार बने रहे, 28 अप्रैल को 2,474.10 करोड़ रुपए के साथ लगातार नौवें सत्र में निवेश किया। घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) भी लगातार शुद्ध खरीदार बने रहे, उसी दिन 2,817.64 करोड़ रुपए के साथ लगातार दूसरे सत्र में निवेश किया।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी भी नरम पड़ी

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार गिरावट के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,300 रुपये, जबकि चांदी के भाव 96,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 225 रुपये की गिरावट के साथ 95,800 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,025 रुपये था। इस समय यह 714 रुपये की गिरावट के साथ 95,311 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 95,800 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,311 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 77 रुपये की नरमी के साथ 96,387 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 96,464 रुपये था। इस समय यह 185 रुपये की गिरावट के साथ 96,279 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,387 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,254 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

पेट्रोल-डीजल 1 मई से हो सकता है 1.30 रुपए महंगा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिससे घरेलू बाजार भी प्रभावित हो रहा है। इसी की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद ये माना जा रहा है कि 1 मई से पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ सकते हैं। इस संबंध में अधिकारिक तौर पर बुधवार को अधिसूचना जारी की जा सकती है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अप्रैल रात 12 बजे के बाद से 1.30 रुपए बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं केरोसिन की कीमत भी 1.35 रुपए बढ़ सकते हैं। बता दें कि हाल ही में यहां की सरकार ने पेट्रोल पर लेवी 8.02 रुपये बढ़ाकर 78.02 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल पर लेवी 7.01 रुपए बढ़ा दी थी। हालांकि इसका असर आम जनता पर नहीं पड़ा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड की कीमत 65.52 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 61.87 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई है। ऐसा मुख्य रूप से बाजार में अधिक आपूर्ति की उम्मीदों और अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार्ता को लेकर अनिश्चितता के दबाव में हुआ है।

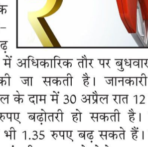

सुनार ककोड़ी के 9 पंचों ने सरपंच के विरुद्ध लाया अविश्वास प्रस्ताव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनार ककोड़ी के सरपंच के खिलाफ पंचायत के 9 पंचों ने अविश्वास प्रस्ताव हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। सोमवार को उन्होंने एसडीएम कमलचंद सिंहसार को शपथ पत्र देकर अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग की। पंचों ने बताया की महिला सरपंच चित्ररेखा बापुरे का विकास कार्यों में कोई रुचि नहीं है। सरपंच के द्वारा ग्राम पंचायत सुनार ककोडी में पंचगण के बिना प्रस्ताव पर हस्ताक्षर से ग्राम पंचायत में अनियमितता पूर्वक कार्य किया जा रहा है तथा सरपंच के द्वारा फर्जी बिल लगाकर भुगतान आहरण किया जा रहा है इस प्रकार सरपंच के द्वारा वित्तीय अनियमित्ता की जा रही है, इसलिए ग्राम पंचायत सुनार ककोड़ी के निर्वाचित पंचगण 3/4 के बहुमत से सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहे हैं। तहसील कार्यालय पहुंचे ग्राम पंचायत सुनार ककोड़ी के पंचों ने बताया की सरपंच श्रीमती चित्ररेखा बापुरे द्वारा पद पर निर्वाचित दिनांक से 2.5 वर्ष से अधिक की अवधी पूर्ण हो चुकी है तथा आगामी पंचवर्षीय हेतु सरपंच पद के निर्वाचन का 6 माह से अधिक का समय शेष है इसलिए सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही किया जाना विधि संगत है।

अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन सौंपने के दौरान ग्राम पंचायत सुनार ककोड़ी के पंचों में ओछिला आसटकर, रंजना कारमेघे, अनुसूईया कारमेघे, शीला सोनवाने, सरिता येरपुडे, माया कारमेघे, धानुराम बड़घैया, सुभद्रा करहि, प्रेमलाल बड़घैया शामिल रहे।

इनका कहना है....

ग्राम पंचायत सुनार ककोड़ी के 9 पंचो द्वारा आज ग्राम की सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन दिया गया है। अपने आवेदन में पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ वित्तीय अनियमित्ता और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। इस संबंध में हमारे द्वारा पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर ग्राम पंचायत में ग्राम सभा होगी उसके आधार पर फैसला होगा।

कमलचंद सिंहसार, एसडीएम लांजी

आज अक्षय तृतीया पर कलश भरने के साथ होंगे अनेक शुभकार्य

लांजी (पद्मेश न्यूज)। वैशाख मास शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया आखातीज भी कहते है। अक्षय का अर्थ होता है जो कभी खत्म ना हो और इसलिए ऐसा कहा जाता है कि अक्षय तृतीया वह तिथि है जिसमें सौभाग्य व शुभफल का कभी क्षय नही होता। इस होने वाले कार्य मनुष्य के जीवन को कभी न खत्म होने वाले शुभ फल प्रदान करते है। नगर व क्षेत्र में परंपरा अनुसार इस दिन अपने पितरों की याद में कलशा भरा जाता है एवं तरह-तरह के व्यंजन बनाकर उन्हें भोग लगाया जाता है। पौराणिक दृष्टि से मान्यता है कि इसी दिन से त्रेता युग का आरंभ और भगवान परशुराम का अवतार हुआ था। इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है और भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। अक्षय तृतीया को स्वयं सिद्ध मुहुर्त माना गया है। किसी भी कार्य को करने के लिए पंचांग देखने या मुहुर्त निकलवाने की आवश्यकता नहीं होती। इस बार अक्षय तृतीया पर की गई खरीदारी भी विशेष रूप से समृद्धि देने वाली होगी। अपने नाम के अनुरूप इस दिन किए गए कार्य का कभी क्षय नहीं होता। इसीलिए शुभ और मंगल कार्यों के लिए अक्षय तृतीया का दिन बहुत शुभ है। इस दिन रिश्ता रोकना, वाग्दान संस्कार, विवाह संस्कार आदि कार्य होते हैं। व्यापार आरम्भ, नींव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना, कोई नई वस्तु खरीदना आदि कार्य किए जा सकते हैं। अक्षय तृतीया के दिन स्वर्ण खरीदना शुभ माना गया है। अगर सोना नहीं खरीद रहे हैं तो इस दिन किसी भी नई वस्तु की खरीदारी कर सकते हैं। इस दिन किया गया दान अक्षय रहता है, इसीलिए अक्षय तृतीया के दिन अपनी सामर्थ्य के अनुरूप निर्धनों, ब्राह्मणों और धार्मिक स्थलों में दान अवश्य करना चाहिए।

देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती समारोह पर समूह चर्चा का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती समारोह अंतर्गत समूह चर्चा गतिविधि का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. पीआर चंदेलकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में लोकमाता देवी अहिल्या बाई के जीवन दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किये गए। समूह चर्चा गतिविधि में विधार्थियों के 10 समूह प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें महाविद्यालय के एनसीसी एवं एनएसएस छात्र छात्राये शामिल रहें। इस दौरान देवी अहिल्यावाई के शासनकाल में किए गए आर्थिक विकास संबंधी कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमे मुख्य रूप से सड़क, पेयजल, धर्मशालाओं का निर्माण तथा महेश्वरी साड़ी से आय प्राप्ति एवं रोजगार से ओंकारेश्वर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान पर समूह चर्चा की गई। प्रतिभागी समूह में छात्रा जिया नागेश्वर बीएससी प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर समस्त विद्यालय परिवार की उपस्थिति रहीं।

दिव्यांग जन कल्याण संघ का कार्यकाल समाप्त, तन्मय मिश्रा बनाएं गए कार्यवाह अध्यक्ष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दिव्यांग जन कल्याण संघ के अध्यक्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर 28 अप्रैल 2025 दिन सोमवार को शाम 7:00 बजे उपाध्यक्ष के निवास पर हुई सामान्य बैठक में वर्तमान अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा द्वारा अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया। संघ के सचिव रुपेश कुमार कुथे द्वारा इस विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा गया कि अध्यक्ष महोदय द्वारा 3 वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने संघ के आगामी निर्वाचन कार्य में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता हेतु यह निर्णय लिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे को सौंपा है। उल्लेखनीय हैं कि दिव्यांगजन कल्याण संघ की स्थापना 25 फरवरी 2019 को तन्मय जगदीश मिश्रा द्वारा किया गया था। संस्था के 7 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में श्री मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है इस अवसर पर उनके द्वारा संघ के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों एवं मीडिया प्रभारियों का कार्यकाल पूर्ण होने पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे द्वारा संघ के पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर नवीन कार्यकारिणी गठन तक तन्मय मिश्रा को कार्यवाहक अध्यक्ष बने रहने की अपील की गई। इस अवसर पर संघ की संरक्षक देवीचरण ठाकरे द्वारा संघ के अध्यक्ष तन्मय मिश्रा के कार्यकाल की सराहना करते हुए संतोष जताया। कार्यवाहक अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा द्वारा कहा कि एनजीओ में पारदर्शिता एवं सुधार लाने हेतु सरकार के प्रयास का संघ पूर्ण समर्थन करता है। उक्त बैठक अध्यक्ष तन्मय मिश्रा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, कोषाध्यक्ष जितेंद्र रावते, सचिव रुपेश कुमार कुथे, शिकायत अधिकारी कु. पारुल ठाकरे, प्रेरक जगदीश मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनाथ बच्चों को शिक्षा और नौकरी में 5 प्रतिशत रिजर्वेशन दिए जाने की मांग को लेकर मध्यप्रदेश हाइकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में 28 अप्रैल को दिशा एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष कैलाश वासनिक द्वारा एक दायर याचिका में अनाथ बच्चों को शिक्षा एवं रोजगार में आरक्षण देने की मांग की गई है। जिस पर सोमवार को चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ एवं जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच के समक्ष सुनवाई हुई। बता दें कि कैलाश वासनिक बालाघाट के लांजी तहसील के साडरा निवासी हैं। जो कि देवी अहिल्या विश्वविद्याल इंदौर से अनाथ बच्चों की शिक्षा पर पीएचडी कर रहे हैं और विजिटिंग फैकल्टी भी हैं। उन्होंने अनाथ बच्चों को शिक्षा और नौकरी में 5 प्रतिशत रिजर्वेशन दिए जाने की मांग को लेकर मध्यप्रदेश हाइकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है। इस पर सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि याचिका में उठाए गए मुद्दों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित है सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित प्रकरण का स्टेटस पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी बताने को कहा है, कि क्या इस याचिका में उठाए गए मुद्दे सुप्रीम कोर्ट की याचिका के समान हैं। मामले पर अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस केस की सुनवाई स्वयं मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुरेश कुमार कैट और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच कर रही है। दिशा एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष कैलाश वासनिक के द्वारा दायर याचिका की पैरवी हाइकोर्ट के सीनियर वकील रामेश्वर ठाकुर और उनकी टीम के द्वारा की जा रही है दिशा एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष कैलाश वासनिक के द्वारा कुछ मांग की गई है जिसमें पहली मांग शिक्षा एवं सरकारी नियोजन में अनाथ बच्चों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया जाना चाहिए, सभा शासकीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातीय छात्रावासों में उच्च शिक्षा के लिए अनाथ बच्चों हेतु 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित किया जाना चाहिए, गैर शिक्षण संस्थानों में अनाथ बच्चों के लिए सीटें आरक्षित करने का प्रावधान हो। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपने सभी कोर्स में एक अनाथ छात्रा और एक अनाथ छात्र की एक-एक सीट आरक्षित की है और उनकी पढ़ाई और हॉस्टल की फीस छूट प्रदान की है. जो कि एक मॉडल व्यवस्था के तौर पर मध्यप्रदेश के सभी ऑटोनॉमस विश्वविद्यालय में लागू की जानी चाहिए.उन्होंने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में अनाथ बच्चों की बड़ा आबादी निवास करती है हालांकि आधिकारिक तौर पर इनकी जनसंख्या के आंकड़े उपलब्ध नहीं है. यह भी बता दें की मध्यप्रदेश में अनाथ बच्चों के आरक्षण को लेकर इस तरह की यह पहली याचिका है। 5 मई को अगली सुनवाई है जिसमें यह ज्ञात हो सकता है क्या अनाथ बच्चों को उनका अधिकार दिलवाने में सफल होंगे कैलाश वासनिक।

एक किलोवॉट सोलर पैनल से 1 हजार रुपये की बचत संभव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम सूर्य घर योजना की जागरुकता के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशों पर मप्र विद्युत मंडल के मार्गदर्शन में वेंडर के माध्यम से कलेक्ट्रेड में शिविर आयोजित किया गया। मंगलवार को जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को पीएम सूर्य घर योजना के बारे में भी जानकारी मिली है। शिविर में जनसुनवाई में आये आवेदकों को अंकित सोलर पॉवर द्वारा सूर्य घर योजना के बारे बताया कि 1 किलोवॉट के सोलर पैनल से निश्चित रूप से 1 हजार रुपये की बिजली बचत की जा सकती है। इसमें हितग्राही को सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। साथ ही इसके लिए लोन भी दिया जाता है। साथ ही एमपीईबी द्वारा सोलर से प्राप्त बिजली को लेकर बिल समायोजित किया जाता है।

एक किलोवॉट सोलर पैनल एक दिन में 4.8 यूनिट बिजली उत्पादित करता है

एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री श्री उइके ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना आम नागरिकों के लिए है। योजना का उद्देश्य नागरिकों के घरों में बिजली का उत्पादन कर उनको बिजली में राहत देना है। एक किलोवॉट के सोलर पैनल से 4.8 यूनिट बिजली उत्पादित होती है। इसी तरह एक महीने में 144 यूनिट बिजली उत्पादन की क्षमता होती है। वहीं एक साल में 1728 यूनिट बिजली मिलती है। 1 यूनिट बिजली का औसत मूल्य 10 रुपये प्रति यूनिट यानी साल में 17280 रुपये की बचत संभव है।

1 किलोवॉट पर 30000 की सब्सिडी

वेंडर अंकित सोलर पॉवर ने बताया कि शासन द्वारा सूर्य घर योजना में पर्याप्त सब्सिडी भी प्रदाय की जाती है। एक किलोवॉट पैनल पर 30 हजार रुपये, 2 किलोवॉट पर 60 हजार व 3 से 10 किलोवॉट पर 78 हजार की सब्सिडी प्रदान की जाती है। योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति या संस्था द्वारा सोलर पैनल के लिए लोन लेना चाहते है तो शासन द्वारा इसके भी प्रावधान किए गए है। साथ ही राष्ट्रीयकृत बैंकों में सबसे कम 6.75 प्रतिशत की ब्याज दर लागू है। इसके लिए वेंडर के माध्यम से ही जनसमर्थ पोर्टल पर आवेदन किया जाता है। इसी माध्यम से स्वीकृति प्रदान की जाती है।

जंगली सुअर के हमले से दो लोग घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम सहेकी में 29 अप्रैल को सुबह करीब 7 बजे जंगली सुअर ने हमला कर दो लोगो को घायल कर दिया। जिसकी सूचना घायलों के द्वारा वन विभाग एवं पुलिस थाना लांजी पहुंचकर दी गई। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सहेकी महेन्द्र पिता गोविंद बक्शरखेड़े उम्र 45 वर्ष एवं धर्मसिंह पिता धीरज सिंह सोलंकी उम्र 55 वर्ष निवासी सहेकी इन दोनो को एक जंगली सुअर ने घायल कर दिया। बतादे कि महेन्द्र बक्शरखेड़े अपने खेत गया था एवं धर्मसिंह सोलंकी उसी खेत तरफ घास काटने जा रहा था तभी सुबह लगभग 7 बजे एक जंगली सुअर अचानक आया और दोनो युवकों को घायल करते हुये भाग गया। दोनो ही घायल अवस्था में थे तथा फोन के करने अपने परिजनों को बुलाया, परिजन घटना स्थल पर पहुंचकर घायलों को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया लाकर भर्ती कर उपचार कराया तथा उक्त घटना की सूचना वन अमले को दी गई जिनके द्वारा पंचनामा कार्यवाही कर तत्कालिन उपचार हेतु राशि भी प्रदान की गई। उन्ही के द्वारा यह भी बताया गया कि उक्त सूचना पुलिस थाना लांजी को प्रदान की जाये। जिस संबंध में घायलों के द्वारा पुलिस थाना लांजी पहुंचकर संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसली, चालक शिवचंद बंबूरे की मौत

3-4 मई को होनी थी शादी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी आमगांव मार्ग पर ग्राम पालडोंगरी में 28 अप्रैल की रात करीब 10:00 बजे एक हृदय विदारक सडक हादसे में कटंगी निवासी शिवचंद पिता भागचंद बंबूरे उम्र 26 वर्ष की मृत्यू हो गई। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवचंद बंबूरे रात्रि में ग्राम साडरा से अमेझ़ा की ओर अपनी मोटर सायकल से जा रहा था जैसे ही ग्राम पालडोंगरी यात्री प्रतिक्षालय के समीप पंहुचा तो अचानक अज्ञात कारण वश मोटर सायकल अनियंत्रित होकर फिसल गई तथा शिवचंद को घटना स्थल पर गंभीर चोटे आई है। घटना स्थल पर उपस्थित लोगो के द्वारा 108 एंबुलेंस को सूचित किया गया लेकिन एंबुलेंस नही आ पाई जिसकी चलते निजी वाहन से शिवचंद को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां डॉक्टर ने शिवचंद को मृत घोषित कर दिया गया। बतादे कि 3 या 4 मई को शिवचंद की शादी थी जिसकी तैयारियाँ चल रही थी इन्ही तैयारियों में शिवचंद लगा हुआ था। इस सडक हादसे में शादी का माहौल गम में परिवर्तित हो गया। उक्त मर्ग संबंधी तहरीर अस्पताल प्रबंधन के द्वारा लांजी पुलिस को दी गई लांजी पुलिस के द्वारा मर्ग पंचनामा तैयार कर शव को पीएम हेतु मर्चुरी गृह में रखा गया तथा 29 अप्रैल को प्रातः काल में शिवचंद के शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया तथा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

1 मई से आरम्भ होगा कराते और आत्मरक्षा खेल शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र शासन खेल और युवा कल्याण विभाग संचालनालय के निर्देशानुसार खेल अधिकारी कृष्ण कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन मे कराते और आत्मरक्षा खेल शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में ऐसे बालक और बालिकाएं जिनकी आयु 5 से 19 वर्ष के बीच में है उन्हें ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग करने के लिए जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र के द्वारा मुलना स्टेडियम में 1 मई को शाम 5 बजे शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से नवागत बच्चों के अंदर खेल के बारे में जानकारी और रूचि पैदा कराना है ताकि वे मोबाइल और टीवी जैसी विलासिता पूर्ण वस्तुओं में अपना कम समय दें। इस शिविर में कराते और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है। यह प्रशिक्षण सुबह 6:30 एवं शाम 5:30 बजे प्रारम्भ होगा। जो खिलाड़ी प्रशिक्षण में निरंतर आयंगे उन्हें प्रशिक्षण के समापन के बाद प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा। इच्छुक खिलाड़ी अधिक जानकारी के लिए 9406643497 नंबर पर सम्पर्क कर सकते है व मुलना स्टेडियम में कार्यरत प्रशिक्षक सजीन्द्र कृष्णन से शाम 5 बजे शिविर का फॉर्म प्राप्त कर सकते है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

खत्म हुआ तीन साल का इंतजार...मप्र की तबादला नीति को कैबिनेट से मिली मंजूरी

मंत्री और प्रभारी मंत्रियों को मिला अधिकार : 1 मई से 30 दिन तक होंगे तबादले : पराली जलाने पर किसानों की रुक जाएगी किसान सम्मान निधि

भोपाल। मप्र में तीन साल बाद तबादलों पर से प्रतिबंध हटा है। मप्र की डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में एक मई से 30 मई तक तबादले करने को हरी झंडी मिल गई है। जीएडी के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने जो तबादला नीति मंजूर की है, उसमें कुल तबादलों में स्वैच्छिक तबादलों को भी जोड़ा जाएगा। विभाग खुद भी तबादला नीति बना सकेंगे और इसके लिए जीएडी से अनुमति लेंगे। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि तबादला नीति को मंजूरी दे दी है। 30 मई तक ई आफिस में सारे ट्रांसफर लागू होंगे। इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। इसलिए मंत्रियों से कहा गया है कि वे तीस मई के पहले सभी तबादला आदेश जारी कर दें। इसके लिए, तबादला प्रस्तावों में भी बदलाव किया गया है।

विजयवर्गीय ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए बड़ा निर्णय लिया गया है। पराली जलाने वाले किसानों की 1 साल के लिए किसान सम्मान निधि रुक जाएगी। उन्होंने अपील की है कि छोटे से लालच के लिए किसान बड़ा नुकसान ना करें। पर्यावरण को ठीक रखने के लिए दंड देने का फैसला किया है।

यह है ट्रांसफर का फॉर्मूला

कैबिनेट ने तबादला नीति में जो प्रस्ताव तय किए हैं उसके अनुसार मंत्री और प्रभारी मंत्री तबादले कर सकेंगे। इसके लिए, विभागों में पद वार तबादलों का प्रतिशत भी तय किया गया है। 200 पदों में 20 प्रतिशत ही ट्रांसफर होंगे। 201 से लेकर 1000 तक 15 प्रतिशत ट्रांसफर होंगे। 1001 से लेकर 2000 तक 10 प्रतिशत ट्रांसफर होंगे। वहीं 2001 से अधिक पर 5 प्रतिशत तबादले होंगे। स्वैच्छिक आवेदन को भी स्वीकार किया जाएगा। विभाग भी ट्रांसफर पॉलिसी बना सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग को जानकारी देनी होगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने तबादलों की प्रतिशत सीमा में स्वैच्छिक तबादलों को इसलिए जोड़ा है ताकि कुल पदों के हिसाब से तबादले का प्रतिशत बना रहे। अगर स्वैच्छिक तबादलों को अलग रखा जाएगा तो कुल पदों की संख्या के प्रतिशत से यह अधिक हो जाएगा। इसलिए, कैबिनेट ने तय किया है कि स्वैच्छिक तबादलों को भी पदों के आधार पर तय तबादला संख्या और प्रतिशत में जोड़ा जाएगा।

विभाग बना सकेंगे अपनी नीति

विजयवर्गीय ने बताया कि तबादला नीति में तय किया गया है कि यदि कोई विभाग अपनी ट्रांसफर नीति बनाना चाहे तो बना सकता है। इसके लिए विभाग को अपनी ट्रांसफर नीति बनाकर सामान्य प्रशासन विभाग को भेजना होगी। हालांकि इसमें तबादले का अनुपात नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि यदि स्वैच्छिक आधार पर तबादले ज्यादा हुए तो प्रशासनिक आधार पर तबादले की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

मंत्रियों को मिले तबादले के अधिकारी

राज्य सरकार ने कर्मचारियों के तबादलों में मंत्री और प्रभारी मंत्रियों की ही चलेगी। जिले के अंदर तबादले के लिए प्रभारी मंत्री अपनी अनुशंसा देंगे और इसके बाद ही ट्रांसफर किए जाएंगे, लेकिन एक जिले से दूसरे जिले में तबादले के लिए पहले प्रभारी मंत्री द्वारा अनुशंसा की जाएगी। इसके बाद मंत्री तबादले करेंगे। मंत्री प्रशासनिक आधार पर सीधी तबादले कर सकेंगे। ट्रांसफर प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर हो सकेंगे। सीनियर अधिकारियों के तबादले मुख्यमंत्री समन्वय की अनुमति से किए जा सकेंगे।

तीन साल से जमे अधिकारी-कर्मचारी हटेंगे

उधर एक ही जिले में तीन साल या उससे अधिक समय से जमे अधिकारी कर्मचारियों को दूसरे स्थान पर भेजा जाएगा। जिले के अंदर तबादले की सूची कलेक्टर, जनप्रतिनिधियों से चर्चा के बाद प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से जारी की जाएगी। इसके अलावा जिन अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार या पद के दुरुपयोग के मामले हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा।

चंबल में लगेगा तीन हजार मेगावाट का सोलर पार्क

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि ग्रीन एनर्जी पर फोकस मोहन सरकार ने किया है। इसलिए एमपी और यूपी सरकार की बिजली डिमांड को ध्यान रखते हुए प्लान तैयार किया गया है। एमपी में बरसात में बिजली की डिमांड कम हो जाती है जबकि यूपी में बरसात के दौरान डिमांड बढ़ जाती है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि कैबिनेट ने तय किया है कि तीन हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। एक हजार मेगावाट कंपोजिट प्लान में रहेगी जबकि 2 हजार मेगावाट यूपी को दी जा सकेगी। यह प्लांट चंबल में लगाया जाएगा।

यूपीएस के लिए कमेटी का गठन

केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए छह अधिकारियों की कमेटी बनी है। यह कमेटी कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक रूप पेंशन स्कीम का प्रस्ताव तैयार करेगी। इस कमेटी में अशोक बर्णवाल, मनीष रस्तोगी, लोकेश जाटव, तन्वी सुंद्रियाल, अजय कटेसरिया, जेके शर्मा इस कमेटी में शामिल हैं। कमेटी भारत की गाइडलाइन का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी। भारत सरकार की गाइडलाइन के आधार पर यह कमेटी बनाई गई है।

कैबिनेट ने यह फैसले भी किए

शासकीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की किस्त देने के मुख्यमंत्री के फैसले पर कैबिनेट ने अनुसमर्थन दिया है। अब कर्मचारियों को 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्ते के बराबर हो गया है। पराली जलाने के मामले में सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। अगर कोई किसान पराली जलाएगा तो किसान सम्मान निधि एक साल के लिए रोक दी जाएगी और अगले साल उपज खरीदी नहीं जाएगी। इससे किसानों को नुकसान से बचना होगा।

हाईकोर्ट में याचिकाएं लगाकर सभी पक्षों ने रखे अपने लिखित पक्ष

- नए कानून के तहत भूमि अधिग्रहण की राशि नहीं दे रही सरकार

भोपाल। प्रदेश सरकार द्वारा नए भू-अर्जन कानून के तहत अधिग्रहित जमीन का मुआवजा नहीं दिये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चार याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिका की सुनवाई के दौरान सभी संबंधित पक्षों द्वारा लिखित में अपना पक्ष प्रस्तुत किया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने सभी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 23 जून को निर्धारित की गई है।

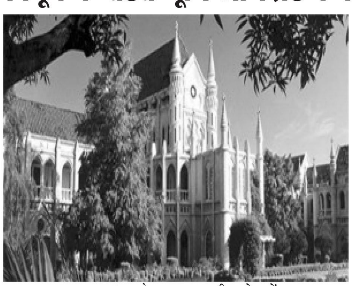

नर्मदा बचाओ आंदोलन सहित अन्य चार की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि नए भू-अर्जन कानून 2013 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में अधिग्रहित जमीन का मुआवजा एक से दो गुना के बीच दिया जाना है। शहरी क्षेत्र से जितनी दूरी अधिक होगी उसी अनुपात से मुआवजा राशि में बढ़ोतरी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों की कीमतें कम होने के कारण यह प्रावधान रखा गया था। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इसका उल्लंघन करते हुए सभी ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जमीन की सरकारी दर के अनुसार मुआवजा निर्धारित किया गया है। जिससे ग्रामीणों की जमीन अधिग्रहित होने पर उन्हें बहुत कम मुआवजा मिलता है। याचिका में सरकार के इस फैसले को रद्द करते हुए उचित गुणांक के अनुसार मुआवजा दिये जाने की मांग की गई थी।

अन्य राज्यों में ग्रामीणों को मिल रहा दुगना मुआवजा

जनहित याचिका में कहा गया था कि अनेक राज्यों जैसे महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तराखंड आदि ने यह गुणांक दो निर्धारित किया है। जिस कारण इन राज्यों में ग्रामीणों को दुगना मुआवजा मिल रहा है। कई अवसर दिए जाने के बावजूद सरकार द्वारा जवाब पेश नहीं किये जाने पर हाईकोर्ट ने 30 हजार रुपये की कॉस्ट भी लगाई थी। पिछली सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने संबंधित पक्षों को अपने तर्क लिखित में प्रस्तुत करने के आदेश जारी किए थे। युगलपीठ ने सोमवार को सुनवाई के बाद ये आदेश जारी किये। याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता श्रेयांश पंडित तथा अधिवक्ता राहुल दिवाकर ने पैरवी की।

टारगेट बना विभागों को करना होगा काम

- मुख्य सचिव ने खींचा विभागों की प्राथमिकताओं का खाका

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन स्वयं लक्ष्य बनाकर काम कर रहे हैं और उन्होंने विभागों को भी टारगेट बनाकर काम करने की रणनीति बनाई है। इसके तहत उन्होंने प्रदेश के सभी विभागों की प्राथमिकताओं का खाका खींचा है। इसके तहत विभाग में मुखिया यानी अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव रहें या न रहें इसका असर नहीं पड़ेगा। यानी विभाग की प्राथमिकताओं को विभाग को समय सीमा में करना होगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पहली बार विभागों की प्राथमिकताओं का खाका खींचा है। हर विभाग को पिछले साल का लेखा-जोखा देना होगा आगामी वर्ष की रणनीति भी बतानी होगी।

गौरतलब है कि अनुराग जैन तेज तर्रार और कर्तव्यनिष्ठ अफसर हैं। ऐसे में वे चाहते हैं कि प्रदेश का हर एक अधिकारी-कर्मचारी लक्ष्य बनाकर काम करें। इसलिए उन्होंने विभागों की प्राथमिकताओं का खाका खींचा है ताकि किसी अफसर के आने-जाने से विभाग के कामों पर असर न पड़े। मुख्यसचिव ने पद भार ग्रहण करते ही अफसरों को संकेत दे दिया था कि आईएएस हैं तो हमें सब-कुछ आता है, इस भावना से काम नहीं करें, बल्कि दूसरी सेवाओं के विशेषज्ञों को भी साथ लेकर चलें। उनके अनुभव का लाभ उठाएं। एक विभाग से दूसरे विभाग को पत्र या पर्ची भेजने से अच्छा है कि आपस में चर्चा करें। कामकाज की प्रक्रिया को सरल बनाएं। अनावश्यक कागज चलाने का कोई औचित्य नहीं हैं। सभी एक-दूसरे के संपर्क में रहें और संवाद करें।

नहीं बदलेंगी विभागों की प्राथमिकताएं

मुख्य सचिव ने प्रशासनिक कामकाज में कसावट लाने और विकास कार्यों को गति प्रदान करने लिए विभागों की प्राथमिकताओं का जो खाका तैयार किया गया उसके अनुसार अब 55 में से किसी भी विभाग के अपर मुख्य सचिव, मुख्य सचिव और सचिव बदल भी जाएं तो संबंधित विभाग की प्राथमिकताएं नहीं बदलेंगी। यानी जनता से जुड़े जिन कार्मों का बीड़ा विभाग उठा चुका है, उसे हर हाल में पूरा करना होगा। दरअसल, मुख्य सचिव की कार्ययोजना यह है कि अफसरों को टीम भावना से काम करना होगा। गौरतलब है कि उन्होंने अफसरों को बैठकों में पहले ही संकेत दे दिया था कि भारत सरकार के अधिकारियों से केवल प्रस्ताव भेजने के समय नहीं बल्कि हमेशा संपर्क में रहें। मेरे सामने जो फाइल लाएं उसमें यह अवश्य बताएं कि जो कर रहे हैं, उसका क्या लाभ है और क्या अच्छा कर सकते हैं। सभी अधिकारी टीम भावना से काम करें। दूसरे विभागों के विशेषज्ञों के अनुभवों को लाभ उठाएं। अन्य राज्यों में जो अच्छे काम हो रहे हैं, उन पर नजर रखें। अब तकनीक के उपयोग का जमाना है। सभी अपग्रेड हों। जहां जो भी अच्छा मिले, उसे ग्रहण करें। गौरतलब है कि विभागों की प्राथमिकताएं अभी विभागीय मुखिया के बदलते ही करीब 50 फीसदी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। अर्थात कई अफसरों की प्राथमिकताओं में से पहले के अफसर की प्राथमिकता वाले काम गायब हो जाते हैं। इसका नुकसान जनता व प्रदेश को तो होता ही है, विभाग का वह अमला भी परेशान होता है तो अफसरों के बदलते ही नई प्राथमिकताओं के बोझ से दब जाते हैं। सरकार को भी ठोस परिणाम नहीं मिलते।

काम के आधार पर बनेगी सीआर

मुख्य सचिव खुद बेस्ट परफॉर्मर अफसर हैं। इसलिए उन्होंने अफसरों की परफॉर्मेंस यानी काम के आधार पर सीआर बनाने का निर्णय लिया है। ऐसे में किस अफसर के कार्यकाल में किस विभाग की परफॉर्मेंस कैसी रही इसका आकलन किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में सीआर लिखी जानी है। ऐसे अफसर जिनके विभागों की कार्ययोजना परिणाम आधारित और जनउपयोगी होगी, उनकी सीआर में चार चांद लग सकते हैं। वहीं विभागों की भी लगातार समीक्षा की जाएगी। इसके तहत विभागों को अपने कामकाज की रिपोर्ट देनी होगी। विभागों को बीते वर्ष में किए विशेष काम की जानकारी देनी होगी। आगामी वर्षों में किए जाने वाले विशेष कामों की योजना बतानी होगी। विजन 2047 को पूरा करने के लिए विभाग की रणनीति क्या है तथा गरीब, अन्नदाता, युवा व नारी के कल्याण के लिए किए जाने वाले प्रकल्प व पूरा करने की योजना को बताना होगा।

एमपीपीएससी ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी भर्ती विज्ञापन को किया रद्द

- भर्ती में आयुष को शामिल करने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए वर्ष 2024 में जारी किए गए विज्ञापन को निरस्त कर दिया है। आयोग ने यह निर्णय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, मध्य प्रदेश से प्राप्त पत्र और भारत सरकार द्वारा शैक्षणिक अर्हताओं में किए गए संशोधनों के आधार पर लिया है। शैक्षणिक योग्यता में बदलाव के कारण जारी विज्ञापन अब अमान्य हो गया है, जिसके चलते पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द किया गया है। नीमा छात्र संघ ने नवीन विज्ञापन पोस्ट में आयुष विभाग को भी सम्मिलित करने की मांग की हैं। आयोग ने उन अभ्यर्थियों को राहत प्रदान की है जिन्होंने इस भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन कर शुल्क जमा किया था, उनके लिए शुल्क वापसी की व्यवस्था की गई है। अभ्यर्थी 15 मई 2025 से 30 मई 2025 के बीच आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से शुल्क वापसी हेतु आवेदन कर सकेंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि संशोधित अर्हताओं के अनुरूप भविष्य में इस पद हेतु नई भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जिसकी सूचना जल्द ही जारी की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आयोग की वेबसाइट पर नवीनतम अपडेट के लिए नजर बनाए रखें। जानकारी के लिए बताएं के 17 साल बाद लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग की फूड सेफ्टी ऑफिसर (राजपत्रित 3 श्रेणी) की भर्ती निकाली थी।

मप्र में खुलेगा 6वां सैनिक स्कूल

भोपाल। मप्र में छठवां सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है। यह स्कूल पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के भतीजे के नाम पर होगा। इस स्कूल का संचालन पीपीपी मोड पर होगा। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। वहीं मंत्री प्रहलाद पटेल ने अनुमति मिलने पर पीएम मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री का आभार जताया है।

एमपी में एक और सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है। नरसिंहपुर से विधायक व मंत्री प्रहलाद पटेल के दिवंगत भतीजे मणिनागेन्द्र सिंह के नाम पर यह सैनिक स्कूल खोला जाएगा। रक्षा मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी संजय कुमार की ओर से सैनिक स्कूल का अनुमति पत्र जारी किया गया है।

इस दिन से होगा शुरू

मंत्री प्रहलाद पटेल ने सैनिक स्कूल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि जिले और प्रदेश के युवा छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी सौगात है। स्कूल निर्माण का काम लगभग पूरा हो चुका है। पहला सत्र 2026 से शुरू हो जाएगा।

200 छात्र ले सकेंगे एडमिशन

सैनिक स्कूल में पहले बैच में 200 स्टूडेंट प्रवेश ले सकेंगे। बच्चों को कक्षा छठवीं से प्रवेश मिलेगा। यह स्कूल पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के भतीजे मोनू की स्मृति में खोला जा रहा है। प्रहलाद पटेल ने यहा भी बताया कि इस स्कूल का शुभारंभ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने रक्षा मंत्री से की थी मुलाकात

आपको बता दें कि बीते 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने राजनाथ सिंह से नरसिंहपुर जिले में सैनिक स्कूल की मंजूरी दिलाने की मांग की थी। अनुमति मिलने के बाद अब जल्द सैनिक स्कूल शुरू होगा।

पीपीपी मोड पर 6वां सैनिक स्कूल

नरसिंहपुर में खुलने वाला मणिनागेन्द्र सिंह सैनिक स्कूल पीपीपी मोड पर खुलने वाला छठवां स्कूल होगा। चार साल पहले मंदसौर में पहला सैनिक स्कूल शुरू किया गया था।

अभ्यर्थियों को बार-बार फीस देने से मिलेगी राहत

भोपाल। मप्र की मोहन सरकार सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली चयन परीक्षा में बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से होने वाली भर्ती परीक्षाएं अब बार-बार नहीं होंगी। संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर वर्ष में एक बार परीक्षा होगी और सभी श्रेणी के पदों के लिए मेरिट के हिसाब से सूची बन जाएगी। प्रतीक्षा सूची भी एक ही रहेगी। इसके लिए पदों की संख्या सभी विभागों से वर्ष में एक बार पूछ ली जाएंगी और उसके आधार पर सितंबर में कैलेंडर निर्धारित हो जाएगा। जनवरी 2026 से चयन की यह प्रक्रिया लागू करने की तैयारी में सामान्य प्रशासन विभाग जुटा है। प्रदेश में द्वितीय और कार्यपालिक तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती पीएससी के माध्यम से होती है। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के लिए कर्मचारी चयन मंडल परीक्षाएं कराता है। अभी जैसे-जैसे विभागों की ओर से पद उपलब्ध होते हैं, वैसे-वैसे दोनों एजेंसियां अपने कैलेंडर के हिसाब से परीक्षाएं आयोजित करती हैं। हैं। अभ्यर्थियों को बार-बार फीस और परीक्षा देनी पड़ती है। एजेंसियों को भी हर परीक्षा के लिए मानव संसाधन से लेकर अन्य व्यवस्थाएं करनी होती हैं। इसको देखते हुए प्रक्रिया में बदलाव किया जा रहा है।

प्रदेश में द्वितीय और कार्यपालिक तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से होती है तो तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के लिए कर्मचारी चयन मंडल परीक्षाएं कराता है। अभी जैसे-जैसे विभागों की ओर से पद उपलब्ध होते हैं, वैसे-वैसे भर्ती वाली ये दोनों एजेंसियां अपने कैलेंडर के हिसाब से परीक्षाएं कराती हैं। इसमें न केवल समय लगता है बल्कि अभ्यर्थियों को बार-बार फीस देनी पड़ती है तो एजेंसियों को परीक्षाएं आयोजित करने के लिए मानव संसाधन से लेकर अन्य व्यवस्थाएं करनी होती हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भर्ती परीक्षाओं की व्यवस्था को परिवर्तित करने के निर्देश दिए थे। इसके अनुरूप सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के परीक्षा के साथ विभागीय भर्ती नियम सहित अन्य प्रक्रियाओं में परिवर्तन का खाका तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार, जिस तरह संघ लोक सेवा आयोग एक परीक्षा कराता है और विभिन्न श्रेणी के उपलब्ध पदों के लिए मेरिट के हिसाब से चयन हो जाएगा।

एक बार बनाई जाएगी प्रतीक्षा सूची

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभ्यर्थियों से आवेदन के समय विकल्प मांगे जाते। मेरिट के हिसाब से यदि उसका चयन दो पदों के लिए हो गया। उसे काल लेटर भी भेज दिया और वह जिस पद का चयन करता है तो दूसरा पद प्रतीक्षा सूची वाले को मिल जाएगा। प्रतीक्षा सूची एक बार बनाई जाएगी और उसमें ही पद उपलब्ध होने पर चयनित अभ्यर्थी को मौका मिलता रहेगा। दरअसल, अभ्यर्थी एक साथ कई परीक्षाएं देते हैं और अलग-अलग स्थान पर चयन होने पर वे अपनी अच्छा के अनुसार सेवा का चयन करते हैं। ऐसे में पद रिक्त हो जाता है।

नियम से लेकर परीक्षा का ब्योरा रहेगा ऑनलाइन

सूत्रों का कहना है कि पारदर्शिता के लिए नियम से लेकर परीक्षा का पूरा ब्योरा ऑनलाइन रहेगा। अभी राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से होने वाली परीक्षा में कई चीज सार्वजनिक नहीं की जाती हैं, जिससे अभ्यर्थी कोर्ट चले जाते हैं। परीक्षा परिणाम या चयन सूची पर रोक लग जाती है। इससे पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। आगे ऐसा न हो, इसके लिए सभी जानकारियां ऑनलाइन की जाएंगी ताकि किसी को सूचना के अभाव में कोई भ्रम या संदेह ना रहे।

एक जैसे होंगे विभागों के भर्ती नियम

विभागों के भर्ती नियम भी अब एक जैसे होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ही इन्हें बनाकर अधिसूचित करने के लिए देगा। यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है ताकि एकरूपता रहे। इसमें समान प्रकृति के पदों के लिए एक जैसे नियम हो जाएंगे। साथ ही यह लाभ भी होगा कि परीक्षा कराने वाली एजेंसियों को विज्ञापन निकालते समय विभागीय भर्ती नियम के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा और समय पर विज्ञापन जारी हो जाएंगे। प्रदेश में आगामी दो-तीन साल में दो से ढाई लाख सरकारी पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसमें रिक्त पदों के साथ पदोन्नति होने पर खाली होने वाले पद भी शामिल हैं। ये सभी पद समयसीमा में भर जाएं, इसके लिए चयन प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन किया जा रहा है।

आरजीपीवी के कुलसचिव का घेराव

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों के समर्थन में रैली निकाली तथा कुलसचिव आरजीपीवी दीपक सेन का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अमर अहिरे जगदीश शर्मा संतोष सूर्यवंशी विजय रैकवार द्वारका प्रसाद शर्मा मुकेश धाकड़ राजबहोर सेन कुलदीप सिंह तोमर साजली इजहार श्रीमती प्रियंका शर्मा आदि सैकड़ों कर्मचारी शामिल थे।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि आरजीपीवी के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का श्रेणी परिवर्तन करने एवं शासकीय कर्मचारियों के समान स्थाई कर्मियों को भी अवकाश सुविधा का लाभ देने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। प्रदर्शन के बाद कुलसचिव एवं कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया। कुलपति ने ज्ञापन पर चर्चा करते हुए मांगों को न्यायोचित बताते हुए एक माह में आदेश जारी करने का आश्वासन दिया।

जीत के इरादे से उतरेगी चेन्नई सुपर किंग्स

चेन्नई । आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की स्थिति इस बार बेहद खराब रही है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। बुधवार को चेन्नई के अपने घरेलू मैदान चेपक स्टेडियम में उसका सामना पंजाब किंग्स से होगा, जहां टीम अपनी किस्मत बदलने की आखिरी कोशिश करना चाहेगी। अब तक खेले गए नौ मैचों में चेन्नई को सिर्फ दो जीत मिली हैं और 7 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। इस समय वह अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर है। वहीं पंजाब किंग्स पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और चेन्नई को हराकर वह अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहेगी।

चेन्नई के लिए सबसे बड़ी परेशानी रही है उसका खुद का घरेलू मैदान, जहां टीम इस सीजन में लय नहीं पकड़ पाई। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की चोट के बाद कमान संभालने वाले महेंद्र सिंह धोनी भी टीम में जोश भरने में सफल नहीं हो सके हैं। धोनी ने खुद स्वीकार किया है कि टीम अभी तक सही योजना नहीं बना पाई है और पावरप्ले के दौरान बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संघर्ष कर रही है।

मैच में कई दिलचस्प व्यक्तिगत भिड़ंत देखने को मिल सकती हैं। चेन्नई के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की भिड़ंत पावरप्ले में अर्शदीप सिंह से हो सकती है, जबकि बीच के ओवरों में शिवम दुबे और युजवेंद्र चहल के बीच मुकाबला देखने लायक होगा। चहल शानदार फॉर्म में हैं और चेन्नई का मध्यक्रम उनकी चुनौती से कैसे निपटता है, यह अहम रहेगा।

पंजाब की ओर से प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य लगातार शानदार शुरुआत दे रहे हैं, जिन्हें रोकने की जिम्मेदारी खलील अहमद पर होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर एक स्थिर बल्लेबाज के रूप में टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं और चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को उन्हें रोकने की जिम्मेदारी निभानी होगी। धोनी अब भी 43 की उम्र में एक फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन चेन्नई के अन्य बल्लेबाजों विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजी में जड़ेजा, अश्विन और पथिराना का संघर्ष भी टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। पंजाब के पास अर्शदीप, चहल और मार्को यानसन जैसे संतुलित गेंदबाज हैं जो चेन्नई को कड़ी चुनौती दे सकते हैं।

संभावित प्लेइंग 11

चेन्नई सुपर किंग्स - शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जड़ेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, एमएस धोनी (विकेटकीपर/कप्तान), नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना

पंजाब किंग्स - प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जानसन, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

समय - शाम 7.30 बजे।

हरियाणा ओलंपिक संघ की अध्यक्ष का बयान

हरियाणा ओलंपिक खेलों की तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी

चंडीगढ़। हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए एक अहम खबर आई है। हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) की अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने बताया कि इस साल आयोजित होने वाले हरियाणा ओलंपिक खेलों की तारीख जल्द तय होगी। मीनू बेनीवाल के अनुसार, 30 मई 2025 तक इन खेलों की तिथि निर्धारित होगी, जिससे राज्य के खिलाड़ियों को एक नया मौका मिलेगा।

बीते कई सालों से हरियाणा ओलंपिक खेलों का आयोजन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण रुक हुआ था, इससे राज्य के हजारों खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका नहीं मिल सका। मीनू ने मुद्दे पर टिप्पणी कर कहा कि बीते 15 वर्षों में हरियाणा राज्य खेलों का आयोजन न होने के कारण करीब पंद्रह हजार खिलाड़ियों को न नौकरी मिली और न ही उन्हें किसी मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि अगर हर साल हरियाणा ओलंपिक होते, तब सैकड़ों खिलाड़ी हर साल पदक जीतकर सरकारी नौकरी पाते।

बेनीवाल ने तैराकी सुविधाओं की सराहना कर हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री की प्रशंसा की, जिनकी मदद से राज्य में खिलाड़ियों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाएं मिली हैं। एचओए अध्यक्ष ने घोषणा की कि राज्य में हर जिले में कम से कम एक खेल को अपनाया जाएगा, जिससे राज्यभर में खेलों की सुविधाएं बढ़ेंगी और स्थानीय प्रतिभाओं को मौका मिलेगा।

साथ ही, हरियाणा ओलंपिक खेलों में 22 खेलों को शामिल किया जाएगा और इन खेलों को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनाए जाएंगे। एचओए, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की तर्ज पर बाहरी पक्षों के साथ अनुबंध करके इन खेलों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का काम करेगा।

वैभव सूर्यवंशी ने बर्बाद कर दिया अफगानी पेसर करीम का क्रिकेट करियर

नई दिल्ली। अफगानी पेसर करीम जनत को आईपीएल में डेब्यू कैप 28 अप्रैल को मिली। गुजरात टाइटन्स ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया। करीम के सामने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी थे, लेकिन वैभव ने कमाल की बल्लेबाजी कर अफगानी पेसर का आईपीएल करियर शुरू होने से पहले ही खत्म कर दिया। बात दें कि भारत में टी20 क्रिकेट में पिछले दो ओवरों में करीम जनत ने 66 रन लुटा दिए हैं। करीम वैभव के सामने गेंदबाजी करने के लिए उतरे। करीम की पहली गेंद पर वैभव ने छक्का जड़ा, दूसरी गेंद पर चौका लगाया, तीसरी गेंद पर फिर से छक्का जड़ दिया। इसके बाद चौथी और पांचवीं गेंद पर फिर से चौके जड़े और आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर कुल 30 रन ओवर में वैभव ने जड़े। इसके बाद करीम को एक भी ओवर कप्तान शुभमन गिल ने नहीं दिया। यहां तक कि वे कुछ ओवर के बाद आउट भी हो गए थे। ये अपने आप में करीम के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड है, क्योंकि आईपीएल डेब्यू में कभी किसी भी गेंदबाज ने अपने पहले ओवर में 25 से ज्यादा रन नहीं दिए। 2019 में पंजाब किंग्स के लिए खेलकर वरुण चक्रवर्ती ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 25 रन दिए थे। अब 2025 में 30 रन करीम ने लुटाए। इसके अलावा टी20 क्रिकेट में पिछले दो ओवरों में भारत में खेलते हुए करीम जनत ने कुल 66 रन लुटा दिए हैं। दरअसल, इंडिया और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आखिरी मुकाबला बीते साल बेंगलुरू में खेला गया था। उस मैच में आखिरी ओवर करीम ने फेंका था। उस ओवर में करीम जनत ने रोहित शर्मा और रिंकू सिंह के खिलाफ कुल 36 रन लुटाए थे। इस तरह उनके पिछले दो ओवरों में भारत में 66 रन गए हैं।

विराट को स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट को बेहतर बनाने की जरुरत नहीं - रंगराजन

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्पिन गेंदबाजी कोच मालोलन रंगराजन ने कहा है कि विराट कोहली एक शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं और उन्हें स्पिनरों के खिलाफ अपने स्ट्राइक रेट को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास की कोई जरुरत नहीं है। आईपीएल में बीच के ओवरों में कोहली के स्पिनरों के खिलाफ खेलने पर सवाल उठाए गए हैं जिसे मालोलन ने गैरजरुरी बताया है। रंगराजन ने विराट कोहली के आईपीएल 2025 में स्पिनरों के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट पर कहा कि उन्हें स्पिन के खिलाफ अपने खेल को निखारने के लिए अतिरिक्त घंटे लगाने की जरूरत नहीं है। आईपीएल में पहले भी बीच के ओवरों में कोहली के स्पिनरों के खिलाफ खेलने पर सवाल उठाए गए हैं लेकिन पिछले साल की बात करें तो मालोलन ने कहा कि कोहली को अलग थलग करना सही नहीं है। मालोलन ने कहा कि पिछले सत्र में केवल विराट ही ऐसा नहीं थे जो जरुरी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे बल्कि पूरी टीम ऐसा कर रही थी। इसलिए मुझे लगता है कि पूरी टीम के साथ यही हुआ। उन्होंने कहा कि, दूसरा भाग व्यक्तिगत रूप से विराट के बारे में है। उन्हें बाएं हाथ के स्पिन और लेग स्पिन के खिलाफ अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने दो दशकों से अधिक समय से बल्लेबाजी की है। मालोलन ने कहा कि, वह एक महान खिलाड़ी हैं। उन्हें बस ये तय करना है कि वह क्या करना चाहते हैं और किसी विशेष गेंदबाज से कैसे निपटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, वह इतने लंबे समय से खेलने के बाद भी लगातार सुधार करने की कोशिश कररहे हैं। जो बड़ी बात है और इससे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिये। है। कोहली ने इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर हैं।

क्या आईपीएल में सच होने वाला है धोनी-संजू का ऐड, जो बना था बिहार के लड़के पर

नई दिल्ली। भातर में आईपीएल मैच खेले जा रहे हैं। इसमें कब-क्या करिश्मा हो जाए कोई नहीं जानता। किसी ने सोचा भी नहीं था कि 14 साल का लड़का इंटरनेशनल गेंदबाजों के सामने टिक पाएगा? अपने शानदार शतक से दुनिया का दिल जीत लेगा? वैभव सूर्यवंशी ने शानदार आगाज किया है। कम उम्र में शतक लगाकर बोल्ड स्टेटमेंट दिया। उसने बता दिया कि टीम इंडियाज में अब उसकी एंट्री होने वाली है।

वैभव आईपीएल में धूम मचा रहा है। उसके लिए उम्र महज एक नंबर है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने धुंरधर गेंदबाजों की गेंद को मैदान में चारों और घुमा दिया है। उनके शतक ने सबको चौंका दिया। उसकी चारों ओर तारीफ हो रही है। वैभव सच कहें तो छोटा पैकेज और बड़ा धमाका हैं, जिस अंदाज में वैभव ने सोमवार के मैच में गुजरात को पानी पिलाया, उसने राजस्थान की प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ पारी से लग रहा कि आईपीएल वाले एड की भविष्यवाणी कहीं सच न हो जाए।

दरअसल जियो हॉट स्टार पर धोनी-संजू सैमसन का वाला वह ऐड खूब पसंद किया गया। इसमें धोनी कहते हैं- संजू सुना है कि 13 साल के बच्चे खिला रहे हो? इसके बाद संजू कहते हैं- जी भैया. फिर धोनी कहते हैं- उसके पैदा होने से पहले हमने आईपीएल जीत लिया था। इस पर संजू कहते हैं कि कोई बात नहीं भैया, आपके आईपीएल के जाने से पहले वह भी एक जीत लेगा। तब धोनी कहते हैं- टीम मेट तेरा, ऐटिट्यूड मेरा। उस ऐड में जो बात कही गई थी, वह अब सच साबित होती नजर आ रही है। ऐसा लग रहा है कि वैभव सूर्यवंशी राजस्थान की नैया पार लगा देगा। इसकी पहली स्क्रिप्ट उन्होंने गुजरात के खिलाफ मैच में लिख दी है। उनकी शतकीय पारी की वजह से राजस्थान की प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार हैं। दूसरी ओर धोनी की टीम खस्ता हाल में है। प्वाइंट टेबल में चेन्नई सुपरकिंग सबसे नीचे है। इसका मतलब है कि धोनी की टीम की इस बार आईपीएल जितने की संभावना ना के बराबर है। ऐसी भी अटकलें हैं कि धोनी अब शायद विदाई ले सकते हैं।

वैभव की पारी ने राजस्थान को गेम में जिंदा रखा है। राजस्थान को गुजरात ने बड़ा टोटल दिया था। सबकी नजरें यशस्वी जायसवाल पर थी, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने आते ही कैमरे अपनी ओर मुड़वा लिया। ताबड़तोड़ शुरुआत कर गुजरात को गेम में बहुत पीछे छोड़ दिया। वैभव ने महज 38 गेंदों में 101 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसमें उन्होंने 11 छक्के लगाए। यह अपने आप में बड़ा रिकॉर्ड है। उन्होंने संजू सैमसन के 10 छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। एक रिकॉर्ड और भी है। इस आईपीएल में धोनी सबसे ओल्डेस्ट प्लेयर हैं, जबकि वैभव यंगेस्ट है। छक्कों के मामले में वैभव ने धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है।

आंसुओं से मिली मजबूती, 14 साल में वैभव ने किया कमाल

नई दिल्ली । क्रिस गेल ने जब 23 अप्रैल, 2013 को 30 बॉल में आईपीएल की सबसे तेज सेंचुरी का रिकॉर्ड बनाया था तब उनकी उम्र 33 साल थी। अब 12 साल बाद 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 35 बॉल में शतक ठोक कर क्रिकेट जगत में छा जाने की झलक दिखा दी है। तेंदुलकर से तुलना करना जल्दबाजी होगी, लेकिन वैभव के पास बहुत समय है। सचिन जब 16 साल 205 दिन के थे तब टीम इंडिया की तरफ से पहला मैच खेलने मैदान में उतरे थे। हो सकता है अगले दो साल में सचिन की छाया सूर्यवंशी में दिखाई देने लगे। कोई शक नहीं कि आईपीएल की धुंआधार और पर्थ के पिच पर झूला झूल रही गेंद को झेलने में जमीं-आसमां का फर्क है।

वैभव की कहानी हिम्मत और मेहनत से भरी है! इसका गांव बिहार के समस्तीपुर में ताजपुर के पास है जहां क्रिकेट इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसा कुछ नहीं है। पिता किसान हैं, लेकिन रट्टामार पढ़ाई के बदले उन्होंने चार साल की उम्र से ही बेटे के शौक को तरजीह दी। गलियों और घर की छत पर पिता बॉलिंग करते और वैभव बल्लेबाजी। बाद में स्थानीय अकादमी में ट्रेनिंग ली। उसने 12 साल 284 दिन की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। जल्द ही अतुल बेदादे की तरह सिक्सर मैन की पहचान वैभव को मिल गई। जब आईपीएल ऑक्शन हुआ तो राजस्थान रॉयल्स ने उसे 1.1 करोड़ में खरीदा। बेबाकी से सहवाग स्टाइल बॉलरों की गेंद को फुटबॉल समझने वाले वैभव ने अंडर-19 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 58 गेंदों में शतक लगाया था।

जब जयपुर में मौका मिला 210 के विशाल टारगेट का तो वैभव को लगा वह अपना नया इतिहास रच सकता है। उसने 38 गेंदों में 101 रनों की पारी में 7 चौके और 11 छक्के लगाए। व्हीलचेयर पर बैठे राहुल द्रविड़ चोट भूल गए और खड़े होकर इस टैलेंट का इस्तकबाल किया। गुजरात के प्लेयर्स ने भी इस देखकर लौटने लगे, इस युवा साहसी बल्लेबाज की पीठ थपथपाई।

आपको याद होगा 19 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ वैभव का डेबू किया। उसने 20 गेंदों पर 34 रन बनाए लेकिन ये पारी पहली बॉल पर मारे गए सिक्स के लिए याद रखी जाएगी। आईपीएल में 34 का स्कोर कम नहीं होता लेकिन आउट होने के बाद उसकी आंखों से निकल रहे आंसू आने वाले भविष्य की कहानी बयां कर रहे थे। 14 साल की उम्र में उम्मीदों का बोझ और जल्द आउट होने के दुख ने उसे रोने पर मजबूर कर दिया। इन आंसुओं ने उसे मजबूती दी और गुजरात के खिलाफ मानो उसने अपनी जीत की प्यास बुझाई। जब इस बार आउट हुआ तो सिर उठाकर पैवेलियन लौटा।

सिंगल्स और डबल्स में रुकावट नहीं आने देता, ताकि खेल में ठहराव न आए

नई दिल्ली। टीम इंडिया के मशहूर खिलाड़ी विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में साझेदारी की अहम भूमिका पर चर्चा में कहा कि आईपीएल 2025 के इस सीजन में पिचें धीमी रहीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए पहली गेंद से आक्रामक होना चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि, कोहली और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाजों ने इन कठिन परिस्थितियों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 10 आईपीएल पारियों में अपना छठा अर्धशतक लगाया और अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे वे घर से बाहर अपनी अपराजित स्थिति बनाए रखने में सफल रहे।

कोहली ने मैच के बाद कहा कि यह एक बेहतरीन जीत थी, खासकर सतह को देखते हुए। हमने यहां पहले कुछ मैच देखे थे और यह विकेट उन मुकाबलों से अलग था। जब हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो मैं डगआउट से यह हमेशा पूछता हूं कि क्या हम सही रास्ते पर हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के दृष्टिकोण पर कहा कि वे हर मैच के दौरान परिस्थितियों का विश्लेषण करते हैं और फिर अपनी खेल शैली में बदलाव करते हैं।

कोहली ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि वह पहले बोर्ड पर कुल स्कोर और परिस्थितियों को देखते हैं, फिर मुझे यह देखना होता है कि कौन से गेंदबाज किस तरीके से गेंदबाजी कर रहे हैं। मैं सिंगल्स और डबल्स में रुकावट नहीं आने देता, ताकि खेल में ठहराव न आए। कोहली ने क्रुणाल पांड्या की भी तारीफ की, जो मैच के दौरान शुरुआत में रन बनाने में संघर्ष कर रहे थे, लेकिन अंत में उन्होंने 9 साल में आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक लगाया। कोहली ने कहा कि क्रुणाल शानदार थे और हमें सही समय पर संवाद किया। वे मुझे कहते रहे कि जब तक वे मौके का फायदा उठा रहे हैं मैं रुकूं। मैच के बाद कोहली ने टिम डेविड और जितेश शर्मा जैसे फिनिशर्स की भी तारीफ की, जो पारी के अंत में अतिरिक्त ताकत प्रदान करते हैं।

आखिर में कोहली ने अपने गेंदबाजों की भी तारीफ की, खासकर हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार को जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से विपक्षी टीम को दबाव में डाला। कोहली ने कहा कि हमारे पास शानदार गेंदबाज हैं जो किसी भी परिस्थिति में प्रभाव डाल सकते हैं।

चंडीगढ़ में चैंपियन फुटबॉल एकेडमी की शुरुआत, कठोर चयन प्रक्रिया से होगा 20 खिलाड़ियों का चयन

चंडीगढ। चंडीगढ़ में चैंपियन फुटबॉल एकेडमी की शुरुआत की घोषणा हुई है, जो संजय गांधी एजुकेशनल सोसाइटी और संधू फुटबॉल एकेडमी के सहयोग से एक अच्छी पहल है। इसका मकसद भारत भर में असाधारण युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को पहचानना, संवारना और सशक्त बनाना है।

इस एकेडमी का मुख्य मकसद उभरते हुए फुटबॉल खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमताओं को निखारने, गेम इंटेलिजेंस विकसित करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए एक आदर्श मंच देना है। शुभारंभ के मौके पर बताया गया कि एकेडमी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कठोर चयन प्रक्रिया होगी। जिसमें 2012 और 2013 में जन्मे 20 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन होगा। इन खिलाड़ियों का चयन विशेषज्ञ कोच द्वारा कठोर ट्रायल्स के माध्यम से होगा।

चैंपियन फुटबॉल एकेडमी अपने खिलाड़ियों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। अनुभवी कोचों द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें खिलाड़ियों को फुटबॉल के उच्च मानकों तक पहुंचने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अतिरिक्त, खिलाड़ियों को शीर्ष फुटबॉल अकादमियों के भ्रमण का मौका मिलेगा और प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में भाग लेने का मौका भी मिलेगा। खिलाड़ियों की शिक्षा और खेल को संतुलित रूप से बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक समर्थन भी दिया जाएगा।

युवाओं के बेहतर विकास के लिए एकेडमी में निःशुल्क आवास की सुविधा होगी और किफायती आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। चयनित खिलाड़ियों को मुफ्त में प्रशिक्षण और प्लेइंग किट भी दी जाएगी।

गुजरात को हराने के बाद राजस्थान के पास प्लेऑफ्स में पहुंचने का मौका

-आरआर के बाकी के चार मैच, एक भी हारी तो हो जाएगी बाहर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के प्लेऑफ्स की रेस से अभी राजस्थान रॉयल्स बाहर लग रही थी लेकिन गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच से पहले टीम के बॉलिंग कोच शेन बॉन्ड ने माना था कि उनकी टीम प्लेऑफ्स की रेस से संभावित तौर पर बाहर हो चुकी है। हालांकि जिस तरह का खेल राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ दिखाया, उससे टीम के प्लेऑफ्स की उम्मीदें बढ़ गई हैं। टीम अभी भी टूर्नामेंट में बनी हुई है।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 में अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है। पॉइंट्स टेबल में टीम 8वें स्थान पर है, लेकिन पहले स्थान वाली टीम से 8 अंक पीछे है। राजस्थान रॉयल्स को अभी चार मैच और खेलना बाकी हैं। राजस्थान की टीम बाकी के चार और मैचों में जीत हासिल करती है तो 14 अंकों तक पहुंच जाएगी। 14 अंकों से टीम सीधे तो प्लेऑफ्स में क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी, लेकिन एक चांस टीम के पास होगा, क्योंकि आईपीएल के इतिहास में कई बार टीम 14 अंक हासिल करके भी प्लेऑफ्स के लिए क्वॉलिफाई करने में सफल हुई हैं।

अगर राजस्थान रॉयल्स अपने बाकी के चार मैचों में जीत दर्ज करती है तो टॉप 4 में फिनिश करने के करीब पहुंच जाएगी, लेकिन फिर टीम को कम से कम चौथे नंबर वाली टीम के खाते में 14 से ज्यादा अंक ना हो और नेट रन रेट भी राजस्थान रॉयल्स का उस टीम से बेहतर रहे। पिछले सीजन हमने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ ऐसा देखा था, जब टीम ने 14 अंक और बेहतर नेट रन रेट से प्लेऑफ्स में जगह बनाई थी। पिछले सीजन आरसीबी ने 6 में से 6 मैच आखिरी के लीग फेज में जीते थे।

बता दें राजस्थान रॉयल्स के जो चार मुकाबले बाकी हैं, उनमें एक मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जयपुर में, 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ कोलकाता में, 12 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में और 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने होम ग्राउंड में है। इन मैचों में से अगर राजस्थान की टीम एक भी मुकाबला हारती है तो फिर प्लेऑफ्स की रेस से बाहर हो जाएगी। सीएसके वर्सेस आरआर मैच में जो टीम मैच हारेगी, वह प्लेऑफ्स से बाहर हो जाएगी।

सरकार करने जा रही है एजेंसियों की छुट्टी, तो.. कर्मचारी मुक्त हो जाएंगे टोल टैक्स

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे पर टोल वसूलने वाली एजेंसियों की छुट्टी करने की तैयारी कर रहा है। मौजूदा समय देशभर में टोल वसूली का काम टोल एजेंसियां करती हैं। ये एजेंसियां स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों को हायर कर लेती हैं और टोल वसूल करती हैं। टोल का शुल्क एनएचएआई और एक्सप्रेसवे निर्माण कंपनी को देगी,जो शर्तों में तय होता है। मंत्रालय इस मॉडल पर बड़ा बदलाव करने जा रहा है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार देश में टोल बैरियर खत्म किए जाएंगे। इससे वाहन चालकों का समय बचेगा। हालांकि पहले जीपीएस आधारित तकनीक से टोल वसूलने की तेयारी थी लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। बगैर रुके टोल वसूलने के लिए एएनपीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकगनिशन) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

इस संबंध में बैंकों के साथ मीटिंग भी हो चुकी है और बैंक इस काम के लिए तैयार भी हो गए हैं। मंत्रालय इस मंथन में जुटा है कि टोल वसूली का बैंकों का मॉडल क्या होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसर देश के 1.5 लाख किलोमीटर लंबे नेशनल हाइवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क में से करीब 45,000 किलोमीटर पर टोल वसूला जा रहा है। देशभर में 1063 टोल प्लाजा हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार टोल वसूली का काम बैंकों को सौंपने का काम किए जाने की तैयारी है। इसके लिए कई सरकारी बैंकों के साथ मीटिंग हो चुकी है। बैंक एएनपीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकगनिशन) से टोल वसूली के लिए तैयार हो चुके हैं। टोल का चार्ज बैंकों के पास जाएगा। इसके बाद वे एनएचएआई को सौंपेगे। इसके बदले बैंक हाई क्वालिटी के कैमरे खरीदने से लेकर उन्हें इंस्टाल कराने का काम करेंगे। मंत्रालय के अनुसार अभी इस पर मंथन किया जा रहा है कि कि बैंक कितने दिन तक पैसा अपने पास रखेंगे। संभावना है कि जल्द ही इसका मॉडल भी फाइनल हो जाएगा।

कांग्रेस नेता ने किया दावा कहा- भारत, पाकिस्तान से युद्ध किसी हाल में नहीं जीत पाएगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के एक कांग्रेस नेता ने दावा किया है कि यदि भारत पाकिस्तान का युद्ध होता है तो भारत किसी भी हाल में पाकिस्तान से नहीं जीत पाएगा। कांग्रेस के पूर्व विधायक यूडी मिंज के एक फेसबुक पोस्ट को लेकर नया विवाद पैदा हो गया है, जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान के साथ युद्ध में भारत की हार निश्चित है। इसके अलावा बालाकोट एयर स्ट्राइक पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। सत्ताधारी भाजपा ने इसको लेकर जोरदार हमला किया तो मिंज ने दावा किया कि उनका अकाउंट हैक कर लिया गया था।

कथित तौर पर 26 अप्रैल को शेयर किया गया पोस्ट अब मिंज के फेसबुक अकाउंट पर नहीं दिख रहा है। मिंज को घेरते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने कहा, लगभग हर कांग्रेस कार्यकर्ता संभावित गद्दार है। पंकज झा ने मिंज के फेसबुक अकाउंट से स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इसमें लिखा गया है, जो आज पाकिस्तान के विरुद्ध निर्णायक युद्ध की बात कर रहे हैं, वे जान लें कि इस बार पाकिस्तान के साथ-साथ भारत को चीन से भी लड़ना होगा और ऐसी स्थिति में भारत की हार सुनिश्चित है।

पीओके के महत्वपूर्ण हिस्से में चीन ने अंधाधुंध निवेश किया है। पुराने सिक्ल रोड को खोल दिया गया है। यही हाल बलूचिस्तान का भी है। ग्वादर पोर्ट को चीन ने डिवेलप किया है और उसकी सेना सुरक्षा कर्मियों के नाम पर वहां तैनात है। बलूच विद्रोहियों की औकात नहीं है कि वे चीनी सैनिकों का मुकाबला कर सकें। पोस्ट में आगे लिखा गया है, यही दोनों जगह हैं जहां से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ऑपरेट करते हैं। एटबाबाद भी इन्हीं जगहों में है, जहां से लश्कर ए तैयबा का नेटवर्क काम करता है। अब अगर भारत इन स्थानों पर सीधे हमला करे तो चीन स्वतः इस युद्ध में पाकिस्तान के साथ खड़ा हो जाएगा नतीजा सोच लिए। इसलिए पुलवामा पोर्ट 2 के बाद बालाकोट कौवा मार स्ट्राइक पार्ट-2 के लिए तैयार रहिए।

पंकज झा ने मिंज पर निशाना साधते हुए लिखा, फिर कांग्रेस के एक नेता का भारत विरोधी, देशद्रोही बयान! आप तय मानिए, कांग्रेस का लगभग हर कार्यकर्ता एक पोटेंशियल देशद्रोही है। और अगर वे मतांतरित आदि हों, तब तो करेला पर नीम चढ़ा जानिए। अगर ऐसे लोग कभी देशहित की बात करते दिखें भी तो उनकी विवशता आप उनके चेहरे या हावभाव से समझ जाएंगे। विशेषकर युद्ध की सी स्थिति में तो ये चलते-फिरते बम से कम नहीं होते। कब आपको गच्चा दे दें, आप समझ नहीं सकते।उन्होंने आगे कहा, याद कीजिए, चीन से जब गतिरोध उत्पन्न हुआ था, तब कांग्रेसियों ने क्या किया था? सीधे तौर पर भारत के मुख्य विपक्ष ने देश के सरेंडर होने की आधिकारिक घोषणा कर दी थी।

गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पीएम मोदी से मिलने पहुंचे

नई दिल्ली । मंगलवार को एक के बाद एक दो बड़ी बैठकें हुई हैं। पहली बैठक गृह मंत्रालय में देश की पैरा मिलिट्री चीफ्स की तो दूसरी बैठक प्रधानमंत्री आवास पर। पीएम मोदी के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई बैठक पर सभी की निगाहें टिकीं रहीं। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ विदेश मंत्री एस। जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल और सीडीएस अनिल चौहान पहुंचे। इन सबके अलावा तीनों सेनाओं के प्रमुख भी बैठक में पहुंचे। पीएम मोदी ने इस बैठक के बाद साफ तौर पर सेना को आतंकियों के खिलाफ फ्री हैंड दे दिया है। कार्रवाई कब और कहां होगी, कैसे होगी सबकुछ सेना तय करेगी। इस बयान के सामने आने के बाद अब गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पीएम मोदी से मिलने पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक के बाद पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि आतंकवाद का समूल नाश करना, हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमता पर पूर्ण आस्था और विश्वास व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जवाबी कार्रवाई के तरीके, किस ठिकाने पर कार्रवाई करनी है और किस समय करनी है, यह तय करने का पूरा अधिकार सशस्त्र बलों को दिया जा चुका है। पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी बोल चुके हैं कि पहलगाम हमले पर पूरे देश का खून खौल रहा है। हमले के ठीक बाद अपने पहले ही ट्वीट में पीएम मोदी ने कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की कठोर टिप्पणियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी सरकार के कड़े रुख के कारण भारत की ओर से करारी जवाबी कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

मुंबई में ड्रग तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश, 8 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस ने साढ़े चार किलो से ज्यादा ड्रग्स जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8 करोड़ रुपये से अधिक है। यह कार्रवाई मुंबई की साकीनाका पुलिस ने किया है। साथ ही, पिछले चार वर्षों में पुलिस ने 450 करोड़ रुपये मूल्य का कीमती सामान जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल को पुलिस ने साकीनाका इलाके से सादिक शेख नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। उसके पास से 10 लाख रुपये मूल्य की एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स जब्त की गई। सादिक शेख से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि सादिक शेख बांद्रा इलाके में रहने वाले सिराज पंजवानी के लिए ड्रग पेडलर का काम करता है। साकीनाका पुलिस की विशेष टीम ने 26 अप्रैल को जैसे ही सिराज को हिरासत में लिया, उससे चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। सिराज द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चौधरी नाम का व्यक्ति उसे ड्रग्स सप्लाई करता है। इस चौधरी की तलाश में पुलिस की एक टीम वसई के कोन गांव पहुंची। उस समय पुलिस ने एक सीमेंट फैक्ट्री में नशीली दवा बनाने वाली मशीन और रेफ्रिजरेटर जब्त कर पूरे ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया था। हालांकि इन ड्रग्स का निर्माण करने वाला चौधरी अभी भी फरार है, लेकिन मुंबई पुलिस ने 8 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त कर लिया है और चौधरी की तलाश कर रही है।

एनआईए की जांच में खुलासा, आतंकी पहले से ही वहां एक फूड स्टॉल के पास बैठे थे

नई दिल्ली । पहलगाम आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने तेज कर दी है। जांच में सामने आया हैं कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों को गोलियों से भून देने वाले आतंकी पहले से ही वहां एक फूड स्टॉल के पास बैठे थे। मौके पर मौजूद लोगों ने जांच एजेंसी को बताया है कि दो आतंकी बैसरन घाटी में उस फूड स्टॉल के करीब बैठे हुए थे, जहां उन्होंने घटना को अंजाम दिया। करीब दो से तीन मिनट में ही आतंकियों ने धर्म पूछकर 4 लोगों को मार डाला। इसके बाद फिर कुछ और आतंकी पास की ही पहाड़ी से पहुंचे और अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इसमें से एक स्थानीय आदिल था, जो घोड़ा चलाता था।

एनआईए की जांच में सामने आया कि यह आतंकी हमला दो दिन पहले ही होना था। लेकिन खराब मौसम के कारण योजना को टाल दिया गया। हत्याकांड के दौरान आतंकियों ने कई हिंदुओं से कलमा पढ़वाया और उनकी पैंट उतरवा कर चेक किया कि उनका खतना हुआ है या नहीं। इसके बाद आंतकियों ने बेहद करीब से ही सिर में गोली मार दी गई। सिर में ही गोली इसलिए मारी गई ताकि तय हो सके कि वे मर गए हैं या नहीं। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने अप्रैल के पहले सप्ताह में ही इलाके की रेकी की थी। फिलहाल एनआईए की टीम स्थानीय लोगों से यह जानने का प्रयास कर रही है कि क्या बीते कुछ दिनों में उन्होंने कोई संदिग्ध गतिविधि देखी थी।

दुष्कर्म मामले को दबाने और पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाने वालों पर पुलिस करेगी कार्यवाही

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। हट्टा क्षेत्र के ग्राम दुगलई में हुई सामूहिक बलात्कार की घटना में पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक नगेंद्रसिंह ने बताया कि दिन प्रतिदिन हेयरिंग के लिए पुलिस द्वारा न्यायालय को पत्र लिखा जाएगा, उन्हें जानकारी यह भी मिल रही है कि ग्राम में कुछ लोगों द्वारा राजीनामा के माध्यम से इस पूरे मामले को दबाव डालकर खत्म करने का प्रयास किया जा रहा था, ऐसे लोगों के वीडियो भी अब पुलिस के पास आने लगे हैं , इस मामले में यदि कोई सीधे पुलिस में शिकायत करता है तो पुलिस द्वारा मामले को दबाने और पीड़ित पक्ष पर दबाव डालने को लेकर मामला कायम करेगी । इस विषय को कांग्रेस भी शुरू से ही उठाने का काम कर रही है जिसको लेकर कांग्रेस विधायक सहित जनप्रतिनिधि लगातार इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो इसके लिए प्रयास कर रहे हैं एवं इस विषय को लेकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी 30 अप्रैल को बालाघाट पहुंच रहे हैं।

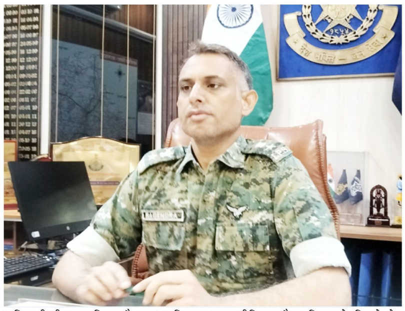

आपको बता दे कि हट्टा थाना क्षेत्र में आदिवासी तीन नाबालिग और एक बालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को, तीन दिन की रिमांड खत्म होने के बाद, पुलिस ने मंगलवार की शाम लगभग 5 बजे न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। वहीं कल पीड़िता और परिवार से मिलने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार बालाघाट आ रहे है। यहां वह पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने, उनके गांव जाएंगे। 23 अप्रैल की रात, शादी से घर लौट रही आदिवासी बालिकाओं के साथ सात लोगो ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। रात दो बजे के बाद से सुबह 5 बजे तक आरोपी, बालिकाओं के साथ हैवानियत करते रहे। दूसरे दिन 24 अप्रैल को यह मामला सामने आया तो, मामले को लेकर गांव में बैठक भी की गई। जिसमें बालिक युवती के कानूनी कार्यवाही की बात कहे जाने पर मामला पुलिस तक पहुंचा था। वहीं इस बीच पुलिस ने घटनास्थल की एफएसएल की टीम से जांच भी कराई है, जहां बालिकाओं के साथ हैवानियत के सबूत मिले है। जो आरोपियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी बताया गया कि उन्हें राजीनामा किए जाने को लेकर कुछ वीडियो मिले हैं जिसमें कुछ लोगों द्वारा पीड़ित परिवार पर दबाव बनाकर राजीनामा करने और पीड़ित पक्ष पर मामले को दबाने की बातें सामने आ रही है , जिस पर वह जल्द ही वीडियो की जांच पड़ताल कर दबाव बनाने वालों पर कार्रवाई किए जाने की बात कह रहे हैं ।

राजीनामा के लिए दबाव बनाने वालों पर भी कार्यवाही होगी-नगेन्द्रसिंह

इस पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक नगेन्द्रसिंह ने बताया कि हमारा प्रयास है कि इस पूरे प्रकरण में जल्द से जल्द तीन माह के भीतर ही डे-टू-डे सुनवाई का आवेदन लगाकर, प्रकरण को न्याय तक पहुंचाए जाए। उन्होंने बताया कि हमारी सुरक्षा और अभिरक्षा में संपूर्ण कार्यवाही की जा रही है, चूंकि मामला संवेदनशील है, इसलिए, मामले में हम पूरी नजर बनाए हुए है। पीड़िताओ के न्यायालय में कथन और एफएसएल जांच की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। एफएसएल, रिपोर्ट का इंतजार है। जिसके बाद जल्द ही चालान पेश कर दिया जाएगा। एक सवाल में जवाब में उन्होंने बताया कि मामले में राजीनामा को लेकर बैठक के वीडियो हमें मिले है। जिसकी जांच की जा रही है और ऐसा पाया जाता है कि किसी ने राजीनामा के लिए दबाव बनाया है तो उस पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

अक्षय तृतीया में होने वाले बाल विवाह के लिए विभाग सतर्क

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोलिया एवं परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र चौकसे के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत परियोजना बालाघाट नवीन की समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में रैली का आयोजन एवं बाल विवाह रोकथाम के पोस्टर चस्पा किये गए है।

श्रीमती मंगोदिया ने जानकारी देते हुए बताया है कि बाल विवाह एक संघीय, गैर जमानतीय अपराध है। वहीं बाल विवाह में सम्मिलित माता, पिता, अभिभावक, विवाह करने वाले, सहयोग करने वाले, खाना बनाने वाले ये सभी दोषी होते है। जिन्हें अधिनियम अनुसार 2 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1 लाख तक का जुर्माना का प्रावधान हैं। उन्होंने बताया कि बाल विवाह संबंधी शिकायत दर्ज करने के लिए चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस,बाल विवाह निषेध अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर, परियोजना अधिकारी को जानकारी दी जा सकती है। इसी कड़ी में मंगलवार को ऐसी जानकारी वार्ड वासियों को नारे द्वारा दी गई साथ ही दीवार लेखन भी करवाया गया। साथ ही बताया गया कि 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए परियोजना में कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। कंट्रोल रूम का नंबर समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में चस्पा किया गया है।

कही भी दिखे बाल विवाह के आयोजन, इन नबरों पर करें कॉल

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती मंगोदिया ने बताया है कि जिले में बाल विवाह रोकथाम के मद्देनजर जिला स्तरीय बाल विवाह निषेध टीम गठित की गई है। उन्होंने आमजन से अपील भी की है कि जिले में कहीं भी बाल विवाह के आयोजन दिखाई देते है तो नागरिक सतर्क होकर इन नंबरों पर सम्पर्क सुनिश्चित कर सकते है। इसमें सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास सुश्री वंदना धुमकेती मो. न. 8518080664, आउटरीच कार्यकर्ता आईसीपीएस खिलेंद्र उइके मो. न. 8435763677 एवं जिला समन्वयक आवाज संस्था श्री शिवगिरि गोश्वामी के मो. न. 6261975754 पर सम्पर्क कर बाल विवाह रोकने की सूचना दी जा सकती है।

खेत आने जाने के रास्तें को चालू किये जाने की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। ग्राम पंचायत भटेरा के कुछ किसानों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया है। जहां किसानों ने बताया कि कुछ ग्रामीणों द्वारा किसानों के खेत जाने आने के रास्ते को बंद करते हुए किसानों का आना-जाना रोक दिया है। उन्होंने जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर से मांग की है कि जिन भी ग्रामीणों द्वारा किसानों के रास्ते को रोका गया है उस रास्ते को तत्काल खुलवाया जाए ताकि किसान आना जाना कर सके ।

आपको बता दे कि जिला मुख्यालय से लगे ग्राम भटेरा के कुछ किसानों ने 29 अप्रैल को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया जहां किसान रेमनलाल चिखलौंडे निवासी बोदा द्वारा बताया गया की ग्राम बोदा रोड से खेतों के अंदर कृषि कार्य हेतु जाने के रास्ते के लिए नक्शे में दर्शित है, जो भूमि मिसल बंदोस्त में शासकीय मद (घास) में दर्ज है। उक्त भुमि पूर्व में अवैध प्लाटिंग कर छोटे-छोटे भूखण्डो में बेची जा चुकि है। मेरे द्वारा जब जन सुनवाई में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसकी जांच रिर्पोट में पाया गया कि उक्त शासकिय जमीन (रास्ता) को भी बेच दिया गया है। जबकि संबंध में अनुविभागीय अधिकारी रा0 बालाघाट द्वारा संबंधित पटवारी हल्का न0 12 को भी कारण बताओ सुचना पत्र जारी किया गया है। इस लिये किसानो के द्वारा उक्त शासकीय रास्ते पर मुरूम डालकर अपना आवागमन सुचारू रूप से आना जाना चालु किया गया था । लेकिन कुछ लोगो द्वारा शासकिय रास्ता को मिटाने के लिये जेसीबी मशीन लगायी गई और रोड़ तोड़ दी गयी । और कहा जा रहा हैं की उक्त जमीन मेरी है और उनके द्वारा किसानों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर दिया गया है इसलिए उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर से मांग की है कि उनके खेत जाने के रास्ते में जो विवाद उत्पन्न हुआ है उस विवाद को संबंधित विभाग के द्वारा खत्म किया जाए और किसानों के आने-जाने के रास्ते को तत्काल खुलवाया जाए क्योंकि आते जाते समय किसान रास्तें के लिये आपस में लड़ रहे हैं और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है जिससे कभी कोई बड़ी घटना किसानों के बीच हो सकती है इसलिए उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन देकर रास्ता खुलवाए जाने की मांग की है ।

जमीन बेचना है

प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1,, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है) विक्रय करना है

संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है

लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50 X 55 = 2750 फुट में बना हॉल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेन्ट संचालित हो रहा है जिसका अनुबंध अप्रैल 2025 में समाप्त हो जायेगा। अतः इस हॉल को किराये पर देना है।

रेस्टोरेंट, ढाबा, टू व्हीलर, फोर व्हीलर , ट्रेक्टर एजेंसी, शोरूम इत्यादि संचालित करने हेतु इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे।

सुविधाएं - पार्किंग, लेट बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था ।

संपर्क सूत्र - मधुसुदन शर्मा, 6267701808

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट